{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 18 दिसम्बर 2025
पौस कृष्ण 14 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 86
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	84,559.65
निफ्टी	-	25,818.55
सोना	-	1,34,510
चांदी	-	2,08,000
डॉलर	-	90.40

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

सरकार ने अश्लील सामग्री प्रदर्शित करने वाले 43 ओटीटी प्लेटफॉर्म को किया ब्लॉक

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने संसद को बताया कि सरकार ने अश्लील सामग्री प्रदर्शित करने वाले 43 ओटीटी प्लेटफॉर्म को ब्लॉक कर दिया है। सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म, कानून द्वारा प्रतिबंधित किसी भी सामग्री को प्रसारित नहीं करने के लिए बाध्य हैं। एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में, मुरुगन ने कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) एक वैधानिक प्राधिकरण है, जिसकी स्थापना सिनेमाटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए सिनेमेटोग्राफिक फिल्मों का प्रमाणन करने के लिए की गई है। मंत्री ने कहा कि ओटीटी सामग्री सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के भाग-तीन के प्रावधानों के तहत विनियमित हैं। उन्होंने कहा कि आचार संहिता के अनुसार, ओटीटी प्लेटफॉर्म को कानून द्वारा प्रतिबंधित सामग्री प्रसारित करने से बचना चाहिए और नियमों में दिये गए दिशानिर्देशों के अनुसार, सामग्री का आयुवार वर्गीकरण करना चाहिए।

सांबा में देखे गए तीन आतंकी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के चरवा-मंसार इलाके में बुधवार को आतंकियों की संदिग्ध हलचल की सूचना सामने आई है। स्थानीय लोगों ने हथियार और बैग लिए तीन संदिग्धों को देखे जाने की जानकारी सुरक्षा एजेंसियों को दी। सूत्रों के मुताबिक, इनमें से दो संदिग्ध पठानी सूट पहने हुए थे, जबकि तीसरा सैन्य वर्दी (कॉम्बैट ड्रेस) में था। सूचना मिलते ही जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अन्य सुरक्षा बलों के साथ इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है और पूरे क्षेत्र को घेरकर तलाशी ली जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां संदिग्धों की तलाश में जुटी हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

तिरुपति में मुंडन सेवा के लिए कारोबारी ने 1 करोड़ 20 लाख के हाफ ब्लेड दान किए

हैदराबाद। दुनिया के सबसे अमीर हिंदू मंदिर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को एक खास दान प्राप्त हुआ। हैदराबाद के एक बिजनेसमैन बी श्रीधर ने मंदिर की मुंडन रस्मों के लिए 1 करोड़ 20 लाख रुपए के हाफ ब्लेड दान किए हैं। बिजनेसमैन श्रीधर ने कल्याणकट्टों (मुंडन केंद्रों) की सालाना जरूरत को पूरा करने के लिए काफी संख्या में हाफ ब्लेड दान कर दिए है। जिनकी कीमत 1.2 करोड़ रुपए के करीब है। मीडया रिपोर्ट में बताया, बिजनेसमैन बी श्रीधर ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को 1.2 करोड़ रुपए के हाफ ब्लेड दान किए हैं।

कुछ ना कहना

बालाघाट के जंगलों में दबे पड़े हैं सेमी ऑटोमैटिक रॉयफल और ग्रेनेड लॉन्चर!!

मध्यप्रदेश -छत्तीसगढ़ से सटे जंगलों में हो रही सर्चिंग

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज। बालाघाट

बालाघाट जिले के माओवाद प्रभावित जंगलों में खतरनाक विषफोटक और घातक हथियार दबे पड़े हैं.माओवादियों के हथियार डालने के बाद अब पुलिस के सामने बेहद गंभीर चुनौती खड़ी हो गयी है.पुलिस के उच्च पदस्थ सूत्र बताते हैं कि बालाघाट जिले के जंगल बेहद घने और पहुँच से बाहर भी हैं, ऐसे में नक्सलियों के छिपाकर रखे गए डंप तक पहुंचना अब भी पुलिस के लिए चुनौती पूर्ण हैं.साथ ही इन डंपो से घातक हथियार और विषफोटक मिलना ख़तरनाक बरामद करना बेहद ख़तरनाक भी है. अभी तक की ख़बरों के मुताबिक यहाँ पर ऑटोमेटीक बन्दुकें, और ग्रेनेड लांचर भी मिले हैं जिससे नक्सलियों की ताकत का पता चलता है।

यह भी ख़बर है कि नक्सली हथियारों को लेकर एनआईए (नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी)और आईबी (इंटेलिजेन्स ब्यूरो)के अफसर भी तहकीकात में लगे हैं कि आख़िर नक्सलियों को इन घातक हथियारों का आपूर्तिकर्ता आख़िर कौन था. यह भी उसे पता लगाना है कि इतनी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद नक्सलियों तक ये घातक हथियार कैसे आसानी से पहुँच जाते रहे हैं.यह भी अनुसंधान और गहन जाँच का विषय है।

उधर पता चला है कि मध्यप्रदेश में बालाघाट, मंडला और डिंडौरी जिलों में नक्सल गतिविधियों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों ने सघन अभियान शुरू कर दिया है। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश भी दिया है कि बालाघाट की जमीन पर एक बार फिर माओवादियों को पनपने नहीं दिया जाएगा। बालाघाट जिले की छत्तीसगढ़ सीमा से सटे संवेदनशील इलाकों में इन दिनों विशेष चौकसी बरती जा रही है और सुरक्षा बलों द्वारा जंगलों में लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में सभी नक्सलियों द्वारा आत्मसमर्पण कर दिए जाने के बाद मध्य प्रदेश पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो गया है।

इन दिनों पुलिस सूत्रों के अनुसार नक्सलियों के संभावित ठिकानों, डंप साइट्स और मूवमेंट रूट्स पर विशेष नजर रखी जा रही है। फोकस प्वाइंट के तौर पर अब छत्तीसगढ़ सीमा से लगे दुर्गम जंगल, नक्सली ठिकानों की पहचान, स्थानीय नेटवर्क को तोड़ना और चौबीसों घंटे निगरानी को प्राथमिकता दी गई है। बताया तो यह भी जाता है कि यह अभियान केवल तलाशी तक सीमित नहीं है, बल्कि नक्सल नेटवर्क की पूरी तरह से कमर तोड़ने की रणनीति के तहत चलाया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर नक्सलियों को मिलने वाले सहयोग को खत्म करने के लिए भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।जो अभी गोपनीयता का विषय है।

सुरक्षाबल ड्रोन से रख रहे जंगल के भीतरी इलाकों पर नजर

बालाघाट जिले में पुलिस, विशेष बल और खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है। संयुक्त कार्रवाई के तहत लगातार गश्त, एरिया डोमिनेशन और तकनीकी निगरानी की जा रही है। ड्रोन और आधुनिक उपकरणों की मदद से दुर्गम इलाकों पर भी नजर रखी जा रही है, ताकि भविष्य में नक्सलियों की किसी भी साजिश को समय रहते नाकाम किया जा सके।

बालाघाट के जंगलों में मिली बंदूकें-ग्रेनेड लॉन्चर और घातक विस्फ़ोटक

आत्मसमर्पण के दौर के बाद हालिया अभियान के दौरान बालाघाट से पुलिस ने डंप से 11.57 लाख रुपये नकद के अलावा चार सेमी-ऑटोमैटिक राइफल, एक ग्रेनेड लॉन्चर, एक बोल्ट एक्शन राइफल और आठ पंप एक्शन सिंगल शॉट राइफल बरामद की गई थी । इसके साथ ही अन्य सामग्री बरामद की गई है, जिसमें दैनिक उपयोग की वस्तुएं, बर्तन, सोलर पैनल, दवाइयां और अन्य सामान शामिल हैं। इस सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। प्रकारान्तर से कहा जा सकता है कि अब आत्मसमर्पण के बाद पुलिस के लिए चुनौतियाँ काफ़ी बढ़ गयी है. जहां जंगलों के चप्पे चप्पे पर नजर रखना है वहीं नक्सलियों की निशानदेही पर छुपाकर रखे गए भारी तादाद के असलहे को बरामद भी करना है।

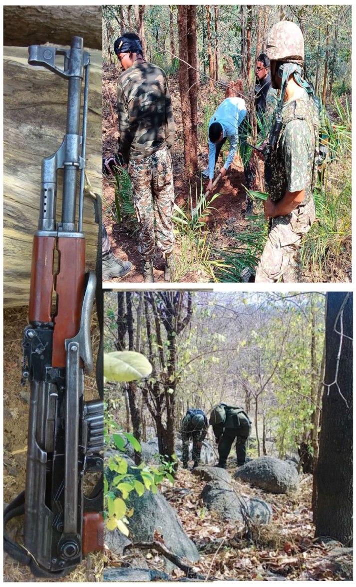

प्रदूषण के चलते दिल्ली सरकार का बड़ा ऐलान- दफ्तरों में 50 प्रतिशत वर्क फॉम होम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण राष्टीय राजधानी में गंभीर प्रतिबंधों वाला ग्रैप का चौथा चरण लागू है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, दिल्ली सरकार ने प्रभावित मजदूरों को आर्थिक सहायता देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पंजीकृत मजदूरों को 10,000 रूपए की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाएगी। प्रदूषण के स्तर में खतरनाक वृद्धि के मद्देनजर, ग्रैप के चौथे चरण के तहत कई कड़े कदम उठाए गए हैं। दिल्ली सरकार ने सभी सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के लिए वर्क फ़ॉम होम (घर से काम) को अनिवार्य कर दिया है।

डिजिटल अरेस्ट स्कैम

पीड़ितों को मिले मुआवजा, एजेंसियों के साथ करें बैठक- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। साइबर ठगों द्वारा डिजिटल अरेस्ट स्कैम पर लिए गए स्वत: संज्ञान मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह पीड़ितों को मुआवज़ा दिलाने के मुद्दे पर स्टेकहोल्डर बैठक करेगी। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच इस मुद्दे पर लिए स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी।

इस मामले में एमिक्स क्यूरी यानी न्याय मित्र सीनियर एडवोकेट एनएस नप्पिनई ने यूके के ऑथराइज्ड पुश पेमेंट स्कैम मॉडल की तर्ज पर पीड़ित मुआवज़ा योजना का सुझाव दिया, जो बैंकिंग चैनल के दखल से पीड़ितों को अनिवार्य रूप से पैसे वापस दिलाने की गारंटी देता है। सीजेआई ने कहा कि जब ऐसे धोखाधड़ी वाले ट्रांजैक्शन होते हैं तो बैंकों को अलर्ट करने के लिए ऑटोमैटिक सिस्टम की जरूरत है।

केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए एजी आर वेंकटरमणी ने बताया कि सीबीआई ने कुछ इनपुट दिए हैं और एमिक्स के सुझावों पर विचार करने के लिए एक इंटर-डिपार्टमेंटल बैठक का सुझाव भी दिया है।

इस पर विचार करते हुए बेंच ने आदेश पारित किया कि हमें इसमें कोई शक नहीं है कि सभी स्टेकहोल्डर्स, एजी के मार्गदर्शन में अपनी तरफ से उचित फैसले लेंगे और इस कोर्ट को सूचित करेंगे। एमिक्स की सिफारिशों पर संबंधित विभाग भी विचार कर सकते हैं। इससे पहले बेंच ने सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट स्कैम के मामलों की जांच करने का आदेश दिया था। कोर्ट मुख्य रूप से डिजिटल अरेस्ट स्कैम पर ध्यान दे रहा है। साइबर अपराध की अन्य श्रेणियों पर बाद में विचार किया जा सकता है, जो उनके प्रभाव और आगे के दखल की जरूरत पर निर्भर करेगा।

टीएमसी सांसद ने गडकरी को मकरद्वार पर रोका और पूछा, क्या एक भी घुसपैठिया मिला ?

नई दिल्ली। संसद में चल रहे शीतकालीन सत्र को खत्म होने में अब तीन दिन शेष हैं। 20 दिसंबर को शीतकालीन सत्र खत्म होगा। बुधवार को संसद भवन के अंदर एक अनोखा और मजेदार वीडियो सामने आया है, जिसमें तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद कल्याण बनर्जी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के बीच हंसी-मजाक भरा संवाद देखने को मिला। दरअसल मकर द्वार के पास जब केंद्रीय मंत्री गडकरी निकल रहे थे, तब कल्याण बनर्जी उनके पास पहुंचें और उनसे घुसपैठियों को लेकर सवाल पूछ लिया। टीएमसी सांसद बनर्जी ने मज़ाकिया अंदाज में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह

और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक करोड़ घुसपैठियों का जिक्र किया था, लेकिन क्या वास्तव में बंगाल में एक भी घुसपैठिया मिला? इस सवाल पर गडकरी हंसते हुए जवाब देते हैं, आपको जिम्मेदारी देते हैं घुसपैठियों के लिए। इसके बाद कल्याण बनर्जी नितिन गडकरी के कान में कुछ कहते हैं और दोनों जोर-जोर से ठहाके लगाने लगते हैं। इस मज़ेदार संवाद ने संसद में एक हल्का-फुल्का माहौल बना दिया। बातचीत के दौरान, जब गडकरी आगे बढ़ने लगे, तब बनर्जी ने हंसी-मज़ाक में कहा, आप इतनी गाड़ियां लेकर क्या करने वाले हैं, एक-दो हम लोगों के पास भेज दीजिए। इस पर गडकरी हंसते हुए अपनी गाड़ी में बैठ गए।

भारत में मैन्युफैक्चरिंग में आ रही गिरावट-राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जर्मनी के म्यूनिख में कहा कि मैन्युफैक्चरिंग मजबूत अर्थव्यवस्थाओं की रीढ़ होती है। दुर्भाग्य से भारत में मैन्युफैक्चरिंग में गिरावट आ रही है। विकास को तेज करने के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा उत्पादन करना होगा। मैन्युफैक्चरिंग का इकोसिस्टम बनाना होगा।

राहुल गांधी प्रोग्रेसिव एलायंस के आमंत्रण पर तीन दिन के दौरे पर बुधवार को जर्मनी पहुंचे। ये एलायंस दुनियाभर की 117 प्रगतिशील राजनीतिक पार्टियों का एक प्रमुख समूह है। राहुल पहले दिन म्यूनिख स्थित ऑटोमोबाइल कंपनी बीएमडब्ल्यू के मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने विभिन्न कारों और मोटरसाइकिलों के बारे में जानकारी ली।

बिगड़ते हालात के बीच ढाका में भारतीय वीजा एप्लिकेशन सेंटर बंद

नई दिल्ली। बांग्लादेश में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को देखते हुए भारत सरकार ने एक अहम फैसला लिया है। राजधानी ढाका स्थित भारतीय वीजा एप्लिकेशन सेंटर (आईवीएसी) को बंद कर दिया गया है। यह निर्णय सुरक्षा कारणों से एहतियातन उठाया गया है, ताकि भारतीय मिशन और उससे जुड़े कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

गौरतलब है कि ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क में स्थित आईवीएसी सभी भारतीय वीजा सेवाओं का मुख्य केंद्र है। आईवीएसी की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है, कि मौजूदा सुरक्षा हालात के मद्देनजर यह केंद्र बुधवार दोपहर 2 बजे से बंद कर दिया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया, कि बुधवार के लिए निर्धारित सभी आवेदकों की नियुक्तियों को बाद की तारीखों के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा।

इससे पहले भारत के विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश में भारतीय राजनयिक मिशनों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई थी। मंत्रालय ने बांग्लादेश के राजदूत रियाज हमीदुल्लाह को तलब कर ढाका में भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी नाराजगी और चिंता से अवगत कराया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ चरमपंथी तत्वों की गतिविधियों के चलते सुरक्षा हालात चिंताजनक हो गए हैं।

विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से अपेक्षा जताई है कि वह अपनी राजनयिक जिम्मेदारियों के अनुरूप भारत के मिशनों और पोस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत बांग्लादेश में अपने राजनयिक अधिकारियों और संस्थानों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब एक दिन पहले बांग्लादेश में एक नेता द्वारा भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों, जिन्हें 'सेवन सिस्टर्स' कहा जाता है, को अलग-थलग करने की धमकी दी गई थी। इस बयान के बाद भारत की चिंताएं और गहरी हो गई हैं।

बीआरएस के पांच विधायकों को स्पीकर ने दी क्लीन चिट, अयोग्यता याचिकाएं खारिज

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष (स्पीकर) गद्दाम प्रसाद कुमार ने बुधवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के पांच विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया। इन विधायकों पर आरोप था कि उन्होंने सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होकर दल-बदल किया है। स्पीकर के इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जिन पांच विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं खारिज की गई हैं, उनमें तेल्लम वेंकट राव, बंडला कृष्ण मोहन रेड्डी, टी. प्रकाश गौड़, गुडेम महिपाल रेड्डी

और अरेकापुडी गांधी शामिल हैं। स्पीकर ने हैदराबाद में खुले न्यायालय (ओपन कोर्ट) में इन मामलों पर अपना फैसला सुनाया। गौरतलब है कि विपक्ष की ओर से कुल 10 बीआरएस विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इस पर स्पीकर ने सभी को नोटिस जारी किए थे। इनमें से आठ विधायकों ने अपने जवाब स्पीकर को सौंप दिए हैं, जबकि दो विधायक—दानम नागेंद्र और कादियम श्रीहरि—अब तक जवाब दाखिल नहीं कर पाए हैं। दोनों विधायकों ने अतिरिक्त समय की मांग की है, जिस पर अभी फैसला होना बाकी है।

सुप्रीम कोर्ट कर चुका है अवमानना नोटिस

यह पूरा मामला उस समय और अहम हो गया था, जब सुप्रीम कोर्ट ने 17 नवंबर को तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को अवमानना नोटिस जारी किया था। शीर्ष अदालत ने यह नोटिस उन अयोग्यता याचिकाओं पर समय पर निर्णय न लेने को लेकर जारी किया था, जिनमें बीआरएस विधायकों पर कांग्रेस में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर को निर्देश दिया था कि वह इन याचिकाओं पर शीघ्र निर्णय लें। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की है। ऐसे में स्पीकर द्वारा पांच विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं खारिज करने के फैसले को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं, जिन दो विधायकों ने अब तक जवाब दाखिल नहीं किया है, उनके मामलों पर आगे क्या रुख अपनाया जाता है, इस पर भी सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

कोहरे के चलते चौथा टी20 मैच रद्द

लखनऊ। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाने वाला चौथा टी20 मैच बुधवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में बिना टॉस के ही रद्द कर दिया गया। घने कोहरे के चलते दृश्यता बेहद खराब रही, जिससे खेल कराना संभव नहीं हो सका। भारत फिलहाल इस सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा है। आखिरी मुकाबला 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा, जिसमें जीत दर्ज कर सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम की नजरें सीरीज अपने नाम करने पर होंगी।

मैच के रद्द होने के बाद एक बार फिर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की टूर और फिक्सचर कमेटी सवालों के घेरे में आ गई है। खास तौर पर सर्दियों के मौसम में उत्तर और पूर्वी भारत में डे-नाइट मुकाबले कराने के फैसले पर आलोचना तेज हो गई है। लखनऊ में इस समय साल के दौरान दिन-रात मैच तय करना पहले से अनुमानित कोहरे की समस्या के कारण विवादों में आ गया है।

कई बार हुआ निरीक्षण, हालात नहीं सुधरे

स्टेडियम में कोहरा इतना घना था कि हवा में गेंद को ट्रैक करना फील्डरों के लिए खतरनाक माना गया। इसी वजह से टॉस को लगातार टालना पड़ा। अंपायर्स ने कुल छह बार मैदान का निरीक्षण किया लेकिन अंत में उन्होंने मैच रद्द करने का फैसला लिया। मैच का टॉस 6:30 बजे होना था, लेकिन कोहरे की वजह से इसमें देरी हुई। पहला निरीक्षण शाम 6:50 बजे तय किया गया था, लेकिन हालात नहीं सुधरे। इसके बाद 7.30, 8.00, 8.30, 9.00 और 9.25 बजे तक लगातार निरीक्षण किए गए।

7.30 बजे हुए निरीक्षण के दौरान अंपायरों ने मैदान पर दृश्यता की जांच भी की, जिसमें एक अंपायर पिच के पास खड़े होकर बाउंड्री पर मौजूद साथी से यह पूछते नजर आए कि क्या वे एक-दूसरे और गेंद को साफ देख पा रहे हैं। इस दौरान बीसीसीआई उपाध्यक्ष और यूपीसीए अध्यक्ष राजीव शुक्ला भी मैदान पर आकर हालात का जायजा लेते दिखे, लेकिन सभी आकलनों में दृश्यता खेल के लिए अनुपयुक्त पाई गई।

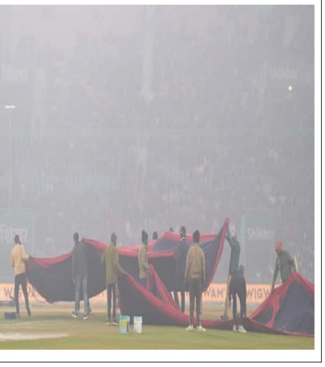

दिल्ली में आज से बीएस-6 मानक वाले वाहनों को ही मिलेगा प्रवेश

नई दिल्ली । दिल्ली में प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखकर रेखा गुप्ता सरकार ने काफी सख्त कदम उठाए हैं। अब दिल्ली के बाहर से आने वाले केवल वहीं वाहन प्रवेश कर पाएंगे जो बीएस-6 मानकों को पूरा करते हैं। पुराने (बीएस-4 या उससे नीचे) के वाहनों पर रोक लगा दी गई है। यदि आपके वाहन का प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी) वैध नहीं है, तब आपकी गाड़ी को पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं मिलेगा। यह व्यवस्था पूरी तरह से डिजिटल होगी। पेट्रोल पंपों पर लगे कैमरे ऑटोमैटिक तरीके से बिना पीयूसी वाले वाहनों की पहचान करने वाले और मशीन फ्यूल सप्लाई ब्लॉक कर देगी। यह व्यवस्था 18 दिसंबर से लागू हो रही है, जिससे वाहन मालिकों के पास अपने कागजात ठीक कराने के लिए केवल एक दिन का समय है।

मंगलवार को दिल्ली का एक्यूआई 377 (बहुत खराब) रहा। हालांकि यह सोमवार के 498 (गंभीर) के मुकाबले थोड़ा बेहतर है, लेकिन स्वास्थ्य के लिए अभी भी बहुत खतरनाक बना हुआ है। घने कोहरे और प्रदूषण (स्मॉग) की वजह से यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उत्तर भारत में कोहरे के कारण लगभग 200 उड़ानें रद्द की गईं। सिर्फ इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर 131 उड़ानें रद्द हुईं और सैकड़ों विमान देरी से चल रहे हैं। यदि आप 18 दिसंबर या उसके बाद दिल्ली में गाड़ी चलाने या बाहर से दिल्ली आने की योजना बना रहे हैं, तब सबसे पहले अपने वाहन का पीयूसी स्टेटस ऑनलाइन चेक कर लें, ताकी आपको पेट्रोल पंप पर परेशानी न हो।

गर्रा रोड़ एवं वारा रेल ओव्हरब्रिज पर गर्डर लांचिंग का कार्य तत्काल करें

कलेक्टर ने की रेलवे ओव्हरब्रिज निर्माण कार्यों की समीक्षा, 15 फरवरी तक दोनो ओव्हरब्रिज से आवागमन शुरू करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना ने 17 दिसम्बर को रेलवे, सेतु निर्माण संभाग, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में विभिन्न स्थानों पर बनाए जा रहे रेलवे ओव्हरब्रिज के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में एसडीएम गोपाल सोनी भी उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम भटेरा रोड़ पर बनाए जाने वाले ओव्हरब्रिज के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान बताया गया कि भटेरा रेलवे क्रासिंग पर ओव्हरब्रिज निर्माण के लिए ट्रैफिक डायवर्ट करने की आवश्यकता है। एसडीएम गोपाल सोनी द्वारा बताया गया कि बैहर रोड पर डॉ. शिशिर खरे के मकान के सामने से भटेरा रोड के लिए ट्रैफिक डायवर्ट किया जाना प्रस्तावित है। इस मार्ग पर रेलवे द्वारा क्रासिंग बनाया जाना है। इस प्रस्तावित रेलवे क्रासिंग के आगे से दो पहिया वाहनों के लिए पंप हाउस गली होते हुए भटेरा रोड पर निकलने का रास्ता दिया जाएगा। जबकि हल्के चार पहिया वाहनों के लिए रेलवे क्रासिंग के आगे से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बोदा सड़क को जोड़ा जाना प्रस्तावित है। भटेरा की ओर से आने वाली बसों के लिए अस्थायी बस स्टैण्ड बनाया जाना भी प्रस्तावित है।

कलेक्टर श्री मीना ने भटेरा रेलवे ओव्हरब्रिज निर्माण के लिए ट्रैफिक डायवर्ट करने के पूर्व सभी आवश्यक तैयारियॉ करने के निर्देश दिए। उन्होंने सेतु निर्माण संभाग के अधिकारियों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों से समन्वय कर बोदा रोड तक चार पहियॉ वाहनों के लिए सड़क निर्माण करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने अस्थायी बस स्टैण्ड के लिए चिन्हित स्थल पर सभी आवश्यक तैयारियॉ करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम को निर्देशित किया कि भू-अर्जन की प्रक्रिया शीघ्रता से पूर्ण करें।

बालाघाट-गोंदिया मार्ग पर सरेखा रेलवे अंडरब्रिज के कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस अंडरब्रिज के सुधार का कार्य पूर्ण हो गया है और इससे आवागमन प्रारंभ किया जा सकता है। रेलवे ओव्हरब्रिज के एक ओर की सर्विस रोड का कार्य पूर्ण हो गया है और दूसरे ओर के सर्विस रोड का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में निर्देशित किया कि अंडरब्रिज का निरीक्षण कर इससे यातायात प्रारंभ करने की तैयारी करें।

बालाघाट-गर्रा मार्ग पर वैनगंगा पुल के पहले एवं वारासिवनी में वारा रेलवे क्रासिंग पर बन रहे रेलवे ओव्हरब्रिज के कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने गर्डर लांचिंग में देरी किये जाने पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि इसके कारण जिले में यातायात की गंभीर समस्या हो रही है। वारा में सर्विस रोड़ नही बनने से धान के परिवहन में भी परेशानी आ रही है। अतः रेलवे अधिकारी इन ब्रिज पर गर्डर लांचिंग का कार्य शीघ्रता से करें। गर्डर लांचिंग की तिथि बार-बार नही बढ़ाई जाएगी। इसी प्रकार वारासिवनी-कटंगी रोड पर दो स्थानों पर बन रहे रेलवे ओव्हरब्रिज का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। बैठक में सेतु निर्माण संभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वैनगंगा नदी पर जागपुर घाट में बनाए जा रहे पुल का कार्य जून 2026 तक की समय सीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण कराए। समय सीमा में कार्य नही करने पर संबंधित ठेकेदार के विरूद्ध कार्यवाही करें।

इस दौरान रेलवे के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि गर्रा रोड़ स्थित रेलवे ओव्हरब्रिज पर गर्डर लांचिंग 15 जनवरी को की जाएगी और 15 फरवरी तक ओव्हरब्रिज से आवागमन प्रारंभ कर दिया जाएगा। वारा ओव्हरब्रिज में 10 जनवरी को गर्डर लांचिंग का कार्य किया जाएगा और इसके 15 दिन बाद ओव्हरब्रिज से आवागमन प्रारंभ कर दिया जाएगा। वारासिवनी-कटंगी रोड के सेरपार चौकी पर बन रहे ओव्हरब्रिज का कार्य मार्च 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा, जबकि अगासी और उमरी के बीच बन रहे ओव्हरब्रिज में 10 जनवरी को गर्डर लांचिंग का कार्य किया जाएगा।

बैठक में सेतु निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री जीपी पटले, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री बीएस अडमें, मनीष श्रीवास्तव, श्री दीलिप बोहरे, रेलवे के अधिकारी एवं ठेकेदार उपस्थित थे।

20 दिसंबर को मनाई जाएगी संत गाडगे बाबा की 71वी पुण्यतिथि

हवन-पूजन, शोभायात्रा और विभिन्न कार्यक्रम होंगे आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संत गाडगे बाबा की पुण्यतिथि हर साल 20 दिसंबर को मनाई जाती है, और इस दिन उनके अनुयायी उन्हें याद करते हैं, स्वच्छता और सामाजिक सुधार के उनके संदेशों को याद करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों जैसे हवन-पूजन और जागरूकता अभियान आयोजित करते हैं, इसी कड़ी में बालाघाट जिला मुख्यालय में भी 20 दिसंबर 2025 दिन शनिवार को बालाघाट जिला धोबी रजक समाज द्वारा स्वच्छता अभियान के रचियता संत गाडगे बाबा की 71 वी पुण्यतिथि एवं पूजा पाठ श्रद्धा पूर्वक समय दोपहर 1 बजे से स्थान धोबी समाज का सांस्कृतिक भवन विकलांग स्कूल के पीछे बूढी बालाघाट में मनाया जायेगा। जिला अध्यक्ष अशोक रजक ने जिले के सभी स्वजातीय बंधुओ उपस्थित रहने के लिए आग्रह किया। आपको बता दे संत गाडगे बाबा ने अपने जीवनकाल में स्वच्छता अभियान चलाकर मानव जीवन में निरोगी काया का सन्देश देकर समाज को जागृत किया आखिरकार अस्पृश्यता ,अज्ञानता ,अन्धविश्वाश में नहीं पड़ने की सिख देकर और समाज को साफ सुथरा रखने की चेतना देकर संत सदा के लिए इस संसार से 20 दिसम्बर 1956 को विदा हो गए।

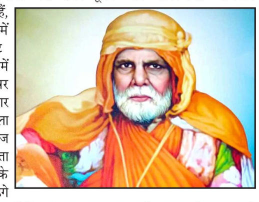

आवश्यकता है
दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है
पद-03 पद
मिलने का समय प्रातः-10.30 से रात्रि 8.30 बजे तक
संपर्क करें-गीता प्लाई एण्ड हार्डवेयर सिंधु भवन के बाजु में गोंदिया रोड, बालाघाट
मो.-9425139039

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै शुभम पटले पिता श्याम किशोर पटले ग्राम अतरी तह. खैरलांजी जिला बालाघाट निवासी हूं। मेरे ड्राईविंग लाईसेंस में भूलवश **SUBHAM PATLE** लिखा गया है जो गलत है। जबकि मेरें आधार कार्ड में मेरा नाम **SHUBHAM PATLE** है जो सही है।

अतः मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा सही नाम **SHUBHAM PATLE** एवं इसी नाम से जाना व पहचाना जावे।

आवेदक
शुभम पटले

शासकीय कार्यों में लापरवाही पर पटवारी संजय चतुर्वेदी निलंबित

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। शासकीय कार्यों के निष्पादन में गंभीर लापरवाही बरतने के कारण बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी ने तहसील लामता अंतर्गत पटवारी हल्का नंबर 01 पादरीगंज में पदस्थ तथा हल्का नंबर 02 एवं 03 का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे पटवारी संजय चतुर्वेदी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय बालाघाट रखा गया है। पटवारी संजय चतुर्वेदी द्वारा बी-1 वाचन के दौरान फौत व्यक्तियों के प्रकरण न्यायालय में समयावधि में जमा नहीं किए गए। इसके अतिरिक्त नक्शा बटांकन, फार्मर रजिस्ट्री, फसल क्षति पत्रक, एफआर बकेट क्लेम्ड-अनक्लेम्ड, एफआर आईडी वेरिफिकेशन, नक्शा तरमीम, खसरे से आधार लिंकिंग, पीएम किसान योजना से संबंधित प्रकरण, आधार सीडिंग, भू-राजस्व एवं अन्य मदों की वसूली, सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का निराकरण, समाधान एक दिवस, वारिसाना नामांतरण प्रकरण तथा स्वामित्व योजना सहित कई महत्वपूर्ण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण नहीं किए गए। तहसीलदार लामता एवं राजस्व निरीक्षक चांगोटोला द्वारा बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद संबंधित पटवारी द्वारा सौंपे गए दायित्वों का समय पर निर्वहन नहीं किया गया। जिसके कारण पटवारी श्री संजय चतुर्वेदी, पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय बालाघाट नियत किया गया है।

21 दिसंबर को होगा संविधान चेतना विस्तार कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। बहुजन इवेंट समिति द्वारा आगामी 21 दिसंबर को संविधान विविध भारत विषय को लेकर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को लेकर समिति के पदाधिकारियों ने स्थानीय सर्किट हाउस में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्य की जानकारी दी गई। प्रेस वार्ता में समिति के प्रमुख वक्ता इंजीनियर प्रशांत मेश्राम, शिव जायसवाल, दिनेश धुर्वे सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि 21 दिसंबर को स्थानीय कमला नेहरू में संविधान चेतना के विस्तार को लेकर कार्यक्रम बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह करेंगे। समिति पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर राम मनियानी, प्रियंका भारती सहित अन्य प्रबुद्ध वक्ता शामिल होंगे, जो संविधान से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखेंगे। इस अवसर पर संविधान के अधिकारों, उनके महत्व, दुरुपयोग से जुड़े विषयों तथा संविधान के माध्यम से अपने अधिकारों की रक्षा कैसे की जा सकती है, इन सभी मुद्दों पर तर्क-वितर्क और विचार-विमर्श किया जाएगा।

समिति ने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम पूरी तरह गैर-राजनीतिक है और इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन में संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना है। बहुजन इवेंट समिति के पदाधिकारियों ने जिले के समाजसेवियों, युवाओं एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल होकर संविधान चेतना के इस अभियान को सफल बनाएं।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै सूरेसिंह बावने उम्र 43 वर्ष पिता बिरन बावने निवासी वार्ड न. 05 ग्राम टाकाबर्रा तह. व जिला बालाघाट निवासी हूं।

मेरे आधार कार्ड में ********3288 में मेरा नाम **सूरेसिंह बावने** (SURESINGH BAWANE) पिता **बिरन बावने**(BIRAN BAVNE) दर्ज है एवं मेरे ड्राइविंग लाइसेंस न. MP50R>2021>000836में मेरा नाम (SURESH SINGH) पिता (BEERENDRA SINGH) दर्ज है जो कि गलत है। अतः मेरे ड्राइविंग लाइसेंस मेरा नाम संशोधित कर सूरेसिंह बावने (SURESINGH BAWANE) पिता बिरन बावने(BIRAN BAVNE) दर्ज किया जावें एवं मुझे मेरे सही नाम सूरेसिंह बावने (SURESINGH BAWANE) पिता बिरन बावने(BIRAN BAVNE)के नाम से जाना व पहचाना जावें।

सूरेसिंह बावने (SURESINGH BAWANE)
पिता बिरन बावने(BIRAN BAVNE)
वार्ड न. 05 ग्राम टाकाबर्रा तह. व जिला बालाघाट

40 कि.ग्रा. क्षमता वाले बारदाने की उपलब्धता के दिये गये निर्देश

जिला स्तरीय कृषि स्थायी समिति की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत भवन के सभाकक्ष में 17 दिसंबर को सभापति श्री टामेश्वर पटले की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कृषि स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता, कृषि, उद्यानिकी, आत्मा समिति, जिला सहकारी बैंक, कृषि उपज मंडी समिति, मत्स्य, पशुपालन, विद्युत सहित कृषि से जुड़े विभिन्न विभागों की योजनाओं, लक्ष्य पूर्ति एवं विभागीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में सदस्य डुलेन्द्र ठाकरे द्वारा धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि उपार्जन केंद्रों में किसानों से धान बोरी में भरवाना, तुलाई, सिलाई आदि कार्य समितियों द्वारा कराए जा रहे हैं। साथ ही बारदाना छोटा होने की समस्या उठाते हुए 40 किलोग्राम क्षमता वाले बारदाने उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। सभी उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी से संबंधित दिशा-निर्देश चस्पा करने के भी निर्देश दिए गए ताकि किसानों को नियमों की स्पष्ट जानकारी मिल सके।

सभापति श्री पटले ने रबी-2025 के लिए बीज उपलब्धता की समीक्षा की। उप संचालक कृषि ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में एक मुख्य मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के साथ 9 विकासखंडों में मिनी लैब संचालित हैं। वर्तमान में लक्ष्य 36,399 के विरुद्ध 25,652 मिट्टी नमूनों की जांच की जा चुकी है। सदस्य श्रीमती केशर बिसेन ने कटंगी विकासखंड स्थित कृषि कार्यालय एवं प्रयोगशाला में बाउंड्री वॉल निर्माण हेतु वरिष्ठालय को पत्र भेजने के निर्देश दिए। बैठक में बायोगैस निर्माण, फसल नवाचार एवं फसल विविधीकरण पर भी चर्चा हुई। उप संचालक कृषि ने बताया कि बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा क्षेत्र में राई के स्थान पर सरसों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा आगामी सीजन में किसानों को समय से पहले बीज वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही जगनी बीज भी उपलब्ध कराया जाएगा।

सदस्य श्री दल सिंह पन्द्रे द्वारा मसाला एवं सब्जी क्षेत्र विस्तार पर जोर दिया गया। किसानों को सुरन, कांदा, अरबी, केला, हल्दी, लहसुन, अदरक तथा गेंदा जैसे फूलों की खेती हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा राज्य के भीतर एवं बाहर कृषक भ्रमण कार्यक्रम शीघ्र आयोजित करने पर भी सहमति बनी। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान नंदीशाला योजना, बकरी पालन हेतु बैंक ऋण एवं अनुदान, डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनू योजना एवं मुख्यमंत्री दुधारू पशु योजना पर चर्चा की गई। पशु चिकित्सालय वारासिवनी में बाउंड्री वॉल निर्माण हेतु भी वरिष्ठालय को पत्र भेजने के निर्देश दिए गए।

मत्स्य विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जिले में लगभग 8,858.47 हेक्टेयर क्षेत्र में मत्स्य पालन हो रहा है। जिले में 111 मत्स्य सहकारी समितियां एवं 150 स्व-सहायता समूह संचालित हैं तथा जिला राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित है। स्मार्ट फिश पार्लर योजना की जानकारी भी बैठक में दी गई। बैठक में कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन विभागों के विभिन्न लक्ष्यों का अनुमोदन किया गया। इस अवसर पर सभापति टामेश्वर पटले, सदस्य श्रीमती केशर बिसेन, झामसिंह नागेश्वर, डुलेन्द्र ठाकरे, मंशाराम मडावी सहित उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय, सहायक संचालक कृषि राजेश खोबरागड़े, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पेंशनर्स डे पर शहरभर में हुए विविध कार्यक्रम, समस्याओं के समाधान पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। 17 दिसंबर को पेंशनर्स डे के अवसर पर शहर में विभिन्न पेंशनर्स संगठनों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें मध्य प्रदेश विद्युत कर्मचारी पेंशनर संगठन, प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश सहित अन्य पेंशनर्स संघों ने अपने-अपने स्तर पर पेंशनर्स दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रमों के दौरान पेंशनर्स संगठनों के पदाधिकारियों ने

बताया कि पेंशनर्स डे का उद्देश्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान को सम्मान देना और उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार करना है। इस अवसर पर आयोजित सभाओं में पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से रखा गया तथा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों से उनके निराकरण को लेकर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रमों में पेंशन बहाली, समय पर पेंशन भुगतान, स्वास्थ्य सुविधाएं तथा अन्य लंबित मांगों को भी प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने कहा कि पेंशनर्स समाज और शासन के लिए अपना बहुमूल्य योगदान दे चुके हैं, इसलिए उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाना आवश्यक है। पेंशनर्स डे के अवसर पर आयोजित इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में पेंशनर्स शामिल हुए और सभी ने एकजुट होकर अपनी मांगों को मजबूती से रखने का संकल्प लिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत परसवाड़ा (रतनारा)
जनपद पंचायत बालाघाट जिला बालाघाट(म. प्र.)
क्रमांक/क्यू दिनाक -15/12/2025

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत परसवाड़ा(रतनारा) मे वित्तीय वर्ष 2025-26 मे सांसद /विधायक निधि ,गौण खनिज, मनरेगा, 5वा वित्त आयोग ,15वा वित्त आयोग ,14वा वित्त आयोग,सर्व शिक्षा,स्वच्छ भारत मिशन,पर फारमेंस ग्रांट,करारोपण,जनपद स्तर/जिला स्तर व अन्य मदो से विभिन्न वित्तीय कार्य किया जाना है। जिसके लिए सामग्री लोहा,सीमेंट,ईट, 20mm 40mm गिट्टी, गिट्टा, मुरुम, मिट्टी, परिवहन, रेत, PVC पाइप, सीमेंट पाइप, सेंटिग, पालीथीन, तार, कील, बोल्डर, मिक्सर मशीन, वायबरेटर,रोलर,नल सामग्री ,सीट,टाइल्स आदि हेतु दिनाक 15/12/2025 से 21/12/2025 तक बंद लिफाफे मे निविदा आमंत्रित है। इच्छुक ठेकेदार कार्यालयीन समय मे आकर कार्यालय मे निविदा जमा कर सकते है। निविदा के संबंध मे विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है,निविदा के संबंध मे अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा ।

सरपंच श्रीमती मीना बागड़े
उपसरपंच श्री दीपक दमाहे
सचिव श्री सेवकराम पाँचे
सहायक सचिव श्री नवीन श्रीवास

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
गुरुवार 18 दिसंबर 2025

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

अपना शहर

अज्ञात महिला की पहचान नहीं होने कारण नहीं मिल रहे हैं उसके हत्यारे

छाप्परझोडी नर्सरी नाले से बिरसा पुलिस ने बरामद की थी अज्ञात महिला की लाश

पद्‌मेश न्यूज। बालाघाट।

बिरसा थाना अंतर्गत ग्राम देवगांव समीप छाप्परझोडी नर्सरी में छोटे नाले के अंदर एक अज्ञात महिला की कंकाल नुमा लाश बरामद की गई थी किंतु 10 दिन बाद भी इस महिला की पहचान नहीं पाई। इस अज्ञात महिला की हत्या किए जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। किंतु महिला की पहचान नहीं होने के कारण बिरसा पुलिस आरोपी तक नहीं पहुंच पा रही है। बिरसा पुलिस द्वारा इस अज्ञात महिला के परिजनों की लगातार तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 दिसंबर को सुबह बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम देवगांव के छाप्परझोडी नर्सरी में गांव के लोग मवेशी चराने के लिए गए थे। तभी इन लोगों ने नर्सरी में छोटे नाले के अंदर एक अज्ञात महिला का कंकाल देखें और अपने गांव के भूतपूर्व सरपंच बलिहार सिह मरकाम को बताये। भूतपूर्व सरपंच बलियार सिंह मरकाम द्वारा बिरसा पुलिस थाना में रिपोर्ट की थी। जहां से उप निरीक्षक शिवलाल परते स्टाफ के साथ ग्राम देवटोला छाप्परझोडी नर्सरी पहुंचे और छोटे नाले से अज्ञात महिला का कंकाल बरामद किए। अज्ञात महिला की लाश काफी काफी खराब हो जाने के कारण उसकी मौके पर पहचान नहीं हो पाई। जिसके शरीर पर कमर के नीचे बैगनी कलर का नीले रंग का अंडरवियर पहने हुई थी वहां से कुछ दूर पर बैंगनी कलर की कुर्थी भी जप्त की गई है। इस महिला की उम्र 20से 30वर्ष बताई जा रही है। जिसकी पहचान हेतु कोटवार के द्वारा आसपास के गांव में मुनादी करवाई गई। आसपास के क्षेत्र के ग्रामीण इस अज्ञात महिला की शिनाख्त नहीं कर पाये। इस अज्ञात महिला के कंकाल का बिरसा में पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था। बिरसा पुलिस ने इस अज्ञात महिला के कंकाल का पोस्टमार्टम जबलपुर मेडिकल कॉलेज में करवाए थे। इस अज्ञात महिला की हत्या किए जाने के बाद उसकी लाश को मौके पर फेंकने की संभावना व्यक्त की जा रही है। किंतु इस महिला की पहचान नहीं होने के कारण बिरसा पुलिस आरोपी तक नहीं पहुंच पा रही है। बिरसा पुलिस थाने के निरीक्षक रेवल सिह बरडे, उपनिरीक्षक शिवलाल परते ने अपने थाना क्षेत्र के अलावा जिले के अन्य थाना क्षेत्र के ग्रामीणों से इस अज्ञात महिला की पहचान हेतु उसके वारसानो की तलाश में सहयोग करने की अपेक्षा की है।

सरेखा के रेलवे अंडरब्रिज के शेष कार्यों को 20 दिनों में पूर्ण करने के कलेक्टर ने दिये निर्देश

अंडरपास निर्माण कार्य का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, निरीक्षण में उजागर हुई खामियां, कलेक्टर ने दिए सुधार के निर्देश

सिटी रिपोर्टर।
पद्‌मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के सरेखा स्थित अंडरपास निर्माण कार्य का आज कलेक्टर ने निरीक्षण किया। बीते कई दिनों से अंडरपास के सड़क निर्माण एवं जलभराव से संबंधित कार्य किया जा रहा हैं, जो अब लगभग पूर्णता की ओर हैं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि अंडरपास के साथ-साथ ब्रिज के निचे हिस्से में सर्विस रोड का निर्माण, लाइटिंग की व्यवस्था तथा निर्माण के दौरान पड़े अवशेष और अन्य सामग्री को हटाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा बरसात के मौसम को देखते हुए पानी निकासी की समुचित व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि भविष्य में जलभराव की समस्या न हो उन्होंने कहा कि सभी शेष कार्यों को लगभग 20 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। इसके पश्चात अंडरपास मार्ग आमजन के लिए पूरी तरह सुचारू रूप से खोल दिया जाएगा, जिससे शहरवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी ।

17 दिसंबर को बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीणा ने एक बार फिर शहर के अंडरपास तथा सरेखा रेलवे क्रॉसिंग पर बने ओवरब्रिज के कुछ हिस्सों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सबसे पहले अंडरपास में चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान अंडरपास से निकलने वाले पानी के सीपेज और ड्रेनेज सिस्टम का भी बारीकी से अवलोकन किया गया। मीडिया से चर्चा करते हुए कलेक्टर ने बताया कि अंडरपास का कार्य शीघ्र ही पूर्ण हो जाएगा और इसके बाद यहां से आमजन के लिए आवागमन प्रारंभ कर दिया जाएगा। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर पानी निकासी की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और जहां व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं पाई गईं, वहां संबंधित विभागों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने ओवरब्रिज के नीचे बन रही सर्विस रोड का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि ओवरब्रिज के एक ओर की सर्विस रोड का कार्य लगभग पूर्ण होने की स्थिति में है, जिसके बाद दूसरी ओर की सर्विस रोड का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। साथ ही ओवरब्रिज और नीचे दोनों स्थानों पर पर्याप्त लाइटिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सर्विस रोड पर लाइटिंग की व्यवस्था नहीं है, जिसे शीघ्र ही पूरा किया जाएगा। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि ओवरब्रिज निर्माण के बाद नीचे पड़ी अनावश्यक सामग्री को जल्द से जल्द हटाया जाए। साथ ही भविष्य की योजना को लेकर उन्होंने बताया कि ओवरब्रिज के नीचे उपलब्ध खाली स्थान पर नगर पालिका द्वारा योजनाएं बनाई जाएंगी। संभवत: यहां पार्किंग की व्यवस्था के साथ-साथ कुछ दुकानों का संचालन भी किया जा सकता है। इसके लिए नगर पालिका को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

पानी निकासी व्यवस्था में पाई गई खामी

अंडरपास एवं सरेखा रेलवे क्रॉसिंग ओवरब्रिज के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मृणाल मीणा को पानी निकासी की व्यवस्था में गंभीर खामियां देखने को मिलीं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ओवरब्रिज से आने वाले पानी की निकासी के लिए की गई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तत्काल पानी निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त करें। उन्होंने कहा कि हनुमान चौक क्षेत्र में पहले से ही जलभराव की समस्या सामने आती रही है, ऐसे में भविष्य में बारिश के दौरान ओवरब्रिज और अंडरपास से आने वाले पानी से आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी इंतजाम समय रहते पुख्ता किए जाएं।

सर्विस रोड पर लाइटिंग की कमी

निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि ओवरब्रिज के ऊपर तो पर्याप्त लाइटिंग व्यवस्था है, लेकिन नीचे के हिस्से और सर्विस रोड क्षेत्र में रोशनी की भारी कमी है। कलेक्टर ने कहा कि ओवरब्रिज के नीचे और आसपास के परिसर में भी समुचित लाइटिंग होना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि पर्याप्त रोशनी नहीं होगी तो असामाजिक और अनैतिक गतिविधियों की आशंका बनी रहती है। इसको गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ओवरब्रिज के नीचे और सर्विस रोड क्षेत्र में अधिक से अधिक लाइटें लगाई जाएं।

भारी वाहनों पर लगेगा प्रतिबंध

निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि बायपास की ओर से गुजरने वाले भारी वाहन ओवरब्रिज के नीचे से निकलते समय उसके निचले हिस्सों से टकरा रहे हैं, जिससे ब्रिज के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। इस पर कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाते हुए बताया कि ओवरब्रिज की सर्विस रोड पर ऊंचाई वाले बैरिकेड लगाए जाएंगे। इन बैरिकेड्स के माध्यम से हाई लेवल ट्रक और भारी वाहनों का आवागमन यहां से बंद किया जाएगा। साथ ही अंडरपास के नीचे से भारी वाहनों के गुजरने पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा, ताकि ब्रिज की संरचना को नुकसान से बचाया जा सके और यातायात सुरक्षित बना रहे।

ईंट भट्टे मजदुर के लिए बैहर गये युवक की सड़क दुर्घटना में मौत,साथी घायल

बैहर रोड चिखलाझोड़ी के पास मोटरसाईकिल सड़क दुर्घटना

पद्‌मेश न्यूज ।बालाघाट। बालाघाट बैहर रोड़ चिखलाझोड़ी के पासं सड़क हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनो घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जिनमें गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक दिनेश पिता देवीलाल पारधी 36 वर्ष जबकि गंभीर रूप से घायल युवक रितेश पिता मंगलप्रसाद हरिनखेड़े 19 वर्ष को नगर के एक ही निजी अस्पताल में भर्ती किया गया दोनों ग्राम भानपुर थाना भरवेली बालाघाट निवासी है है । 16 दिसंबर की रात यह सड़क दुर्घटना उसे समय हुई जब दोनों युवक मोटरसाइकिल में बैहर से अपने घर भानपुर लौट रहे थे। 17 दिसंबर को सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसकी परिजनों को सौप दिए हैं। हालांकि अभी यह सड़क दुर्घटना किस वजह से हुई स्पष्ट नहीं हो पाया है इस मामले की आगे जांच रूपझर पुलिस द्वारा की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भानपुर निवासी दिनेश पारधी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जो ईट भट्टा धंधा भी करता था। 16 दिसंबर को दिनेश पारधी अपने मामा के छोटे भाई रितेश हरिनखेड़े के साथ मोटरसाइकिल में मजदूरों के लिए बैहर गया था। रात्रि में बैहर से घर भानपुर लौटते समय रूपझर थाना अंतर्गत बालाघाट रोड पर स्थित ग्राम चिखलाझोड़ी के पास दोनों युवक दिनेश पारधी और रितेश हरिनखेडे सड़क दुर्घटना में घायल हो गए और रोड किनारे पड़े हुए थे। दोनों युवक के सिर में चोट पर लगी हुई थी। यह सड़क दुर्घटना रात्रि करीब 10:00 बजे की बताई गई है । सूचना मिलते ही डायल 112 ग्राम चिखलाझोड़ी पहुंची मौके से दोनों घायल को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाये । जहां डॉक्टर ने दिनेश पारधी को मृत घोषित कर दिया। संभवत दिनेश पारधी की ग्राम चिखलाझोड़ी से जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। गंभीर रूप से घायल रितेश हरिनखेडे को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया।

बताया गया कि दिनेश पारधी और रितेश हरिनखेडे को जब जिला अस्पताल लाया गया था । जिनमे दिनेश पारधी की मौत हो चुकी थी और रितेश हरिनखेडे सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल और बेहोश था। जिनकी पहचान नहीं हो पाई थी। सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले और आरक्षक विक्रम शर्मा जिला अस्पताल पहुंचे ।दोनों के जेब में मोबाइल चेक किये। मृतक दिनेश पारधी की जेब में मोबाइल रखा हुआ था। मोबाइल भी लॉक था और थंम से ही खुलने वाला था। मृतक दिनेश पारधी के अंगूठा का थम लगाकर मोबाइल का लॉक खोला गया और जितने भी डायल कॉल थे। इन्ही नंबरों को डायल कर मृतक दिनेश पारधी और घायल रितेश हरिनखेड़े के परिजनों से संपर्क किया गया इसके बाद 12:30 बजे करीब मृतक दिनेश पारधी और घायल रितेश हरिनखेडे के परिवार के लोग जिला अस्पताल पहुंचे। परिजनों के आने के बाद गंभीर रूप से घायल रितेश हरिनखेडे को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया जिसे उसके परिजनों ने नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया हैं। 17 दिसंबर को सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक दिनेश पारधी का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात उसके परिजनों को सौप दिये और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना रूपझर भिजवा दी गई है। यह सड़क दुर्घटना किस वजह से हुई अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है जिसकी जांच रूपझर पुलिस द्वारा की जा रही है।

मजदूरों के लिए बैहर गया था दिनेश पारधी- सुधीर चौधरी

परिजन सुधीर गुड्डु चौधरी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मृतक दिनेश, का ईट भट्टे का काम था। जो मजदूर की तलाश में बैहर गया था।। जिला अस्पताल पुलिस ने बताया कि डॉ. की तहरीर पर मृतक दिनेश पारधी का शव पंचनामा कार्यवाही के बाद का पोस्टमार्टम कराया गया है। मर्ग डायरी तैयार कर संबंधित थाना भेजी जाएगी। जहां से मामले में अग्रिम जांच की जाएगी।

पांच माह से मानदेय नहीं मिलने से आशा कार्यकर्ताओं में रोष, सीएमएचओ को सौंपा ज्ञापन

पद्‌मेश न्यूज ।बालाघाट। अखिल भारतीय आशा कर्मचारी महासंघ से जुड़ी आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से महासंघ की बहनों ने बताया कि उन्हें बीते पांच माह से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उन्हें गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागों के लिए उनसे लगातार और अत्यधिक कार्य लिया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद मानदेय समय पर नहीं दिया जा रहा है। इससे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है । महासंघ की सदस्यों ने मांग की कि लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान किया जाए, ताकि आशा कार्यकर्ताओं को राहत मिल सके। आशा कर्मचारी महासंघ से जुडी आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न समस्याओं, विशेषकर पांच माह से लंबित मानदेय भुगतान को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि समय पर मानदेय नहीं मिलने के कारण उन्हें गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा उनसे लगातार और अत्यधिक कार्य लिया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं की देखरेख, टीकाकरण, स्वास्थ्य सर्वेक्षण सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां वे निरंतर निभा रही हैं। इसके बावजूद मानदेय का भुगतान नहीं किया जाना उनके साथ अन्याय है। मानदेय न मिलने से उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और दैनिक जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया है। अखिल भारतीय आशा कर्मचारी महासंघ की

राष्ट्रीय महासचिव गीता कटरे ने बताया कि वे बीते कई महीनों से जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों द्वारा सौंपे गए कार्य पूरी जिम्मेदारी के साथ कर रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे सेवाएं देने के बावजूद बीते पांच माह से मानदेय नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं की सहायता के लिए कई बार आधी रात को अपने परिवार को छोड़कर सेवा देनी पड़ती है, लेकिन इसके बावजूद मानदेय का भुगतान न किया जाना बेहद चिंताजनक है। आशा कार्यकर्ताओं ने मांग की कि लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगी। ज्ञापन सौंपने के पश्चात आशा कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर भी अपनी मांगों से प्रशासन को अवगत कराया।

बिरसा पुलिस ने दो दिन पहले हुई मवेशी लूट के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

पद्‌मेश न्यूज ।बालाघाट। थाना बिरसा पुलिस ने साले टेकरी लांजी रोड पर हुई लूट की घटना का दो दिन में खुलासा, करते हुए दो आदतन अपराधी को गिरफ्तार किये ।पशु तस्करी मे संलिप्त आरोपी अनिल उर्फ अनेक नागेश्वर को लूट कारित करने पर कडी कार्यवाही करने जेल भिजवा दिया गया ।जिसके विरूद्ध पूर्व गौवंश का अपराध पंजीबद्द है। बिरसा पुलिस के मुताबिक दीनू वासुदेव 19, चौरेंगा, थाना सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) निवासी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 275/2025, धारा 308(4),309 (4), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था । दीनू वासुदेव ने बताया कि 13 दिसंबर की सुबह 4-00 बजे बोलेरो वाहन से आए आरोपियों ने चाकू दिखाकर डरा-धमकाते हुए नकद राशि एवं मोबाइल फोन की लूट की तथा उसके द द्वारा क्रय की गई 02 कीमती भैसों को जंगल क्षेत्र में जबरन छोड़ दिया । विवेचना के दौरान आरोपी मनोज जंघेल एवं अनिल उर्फ अनेक नागेश्वर को गिरफ्तार किया गया । विवेचना में यह भी पाया गया कि गिरफ्तार आरोपी आदतन अपराधी हैं, आरोपी मनोज के विरूद्ध जानकारी के मुताबिक 05 एवं आऱोपी अनिल के विरूद्ध 09 पूर्व के अपराध जिनमे लूट, मारपीट, बलवा, अवैध वसूली एवं गौवंश संबंधी अपराध सहित कई गंभीर प्रकरण पंजीबद्ध हैं । आरोपियों से पूछताछ में घटना में छत्तीसगढ एवं महाराष्ट्र के आरोपियों की संलिप्तता भी सामने आई है, जो वर्तमान में फरार हैं, जिनकी तलाश हेतु पुलिस द्वारा दबिश दी जा रही है । गिरफ्तार आरोपी गिरफ्तार आरोपियों से लूटी गये नगदी, मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन एवं अपराध के विषय मे कडी पूछताछ की जा रही है ।

बैटरी चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 75 हजार की बैटरियां जब्त

पद्‌मेश न्यूज ।बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र में मोबाइल टावरों में लगने वाली बैटरी चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने कोतवाली थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता के माध्यम से जानकारी में बताया की कोतवाली क्षेत्र में बैटरियां चोरी होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस द्वारा विशेष टीम गठित कर जांच की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध को चिन्हित कर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस की कार्रवाई में आरोपी के कब्जे से करीब 75 हजार रुपये की कीमत की चोरी की गई बैटरियां जब्त की गई हैं। गर्रा दुकान से मोबाइल टावरों में लगने वाली बैटरियों की चोरी को लेकर नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने बताया की 16 दिसंबर को फरियादी लक्की पटले, निवासी गर्रा ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 14 दिसंबर की रात

उसके घर से लगी दुकान से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल टावर में उपयोग होने वाली मॉडेम की 15 नग बैटरियां चोरी कर ली गई हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा 305 (ए) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की, पूर्व में जेल से रिहा आरोपियों व निगरानी बदमाशों से पूछताछ की गई तथा विश्वसनीय मुखबिरों को सक्रिय किया गया। लगातार की गई पतासाजी के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध को चिन्हित किया। पुलिस द्वारा संदेही मनोज चौधरी पिता रामप्रसाद चौधरी, उम्र 32 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 12, ग्राम गर्रा को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने गर्रा स्थित दुकान से 15 नग बैटरियां चोरी करना स्वीकार किया। इसके बाद आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई सभी 15 बैटरियां बरामद कर ली गईं। कोतवाली पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने की कार्रवाई की है।

आस पास की खबरें

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

खबर प्रकाशन के बाद खरपतवारों की कटाई एवं नाली की करवाई गई सफाई

वार्डवासियों ने पंचायत से नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने की मांग की

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कालोनी स्थित नालियों की लंबे समय से साफ-सफाई नही होने के कारण नालियों के आजू-बाजू में खरपतवार (झाड़िया) उग चुकी थी। जिसका झुकाव रोड़ की ओर आ

चुका था। वहीं नाली की सफाई व झाड़ियों की कटाई नही होने के कारण गंदे पानी की निकासी भी नही हो पा रही थी। जिसके कारण गंदगी का अंबार लगा हुआ था। उक्त समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में मानपुर अस्पताल कालोनी की नालियों में गंदगी का अंबार, सड़क पर खरपतवार का कब्जा, वार्डवासी परेशान, जिम्मेदार मौन नाम शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद मानपुर पंचायत के जिम्मेदार हरकत में आये और गत दिवस अस्पताल कालोनी स्थित सड़क के दोनों ओर की झाड़ियों की कटाई कर नालियों की साफ-सफाई करवा दी है। इस तरह से खबर प्रकाशन के बाद अस्पताल कालोनी स्थित नालियों की साफ-सफाई एवं खरपतवारों की कटाई की गई है। वहीं नाली की सफाई एवं झाड़ियों की कटाई हो जाने से अब आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल चुकी है एवं वार्ड में स्वच्छता बनी रहेगी। वार्डवासियों ने मानपुर पंचायत से नियमित रूप से नाली की साफ-सफाई करवाते रहने की मांग की है ताकि वार्ड में स्वच्छता बनी रह सके। वार्डवासियों ने बताया कि इस अस्पताल कालोनी में शासकीय अस्पताल, जनपद पंचायत कार्यालय, आजीविका मिशन का कार्यालय, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी का कार्यालय स्थित है और इसी मार्ग से तहसील कार्यालय भी विभागीय अधिकारी एवं क्षेत्रीयजन आना-जाना करते है। लेकिन लंबे समय से नालियों की सफाई नही होने से गंदगी का अंबार लगा हुआ था एवं रोड़ किनारे खरपतवार उग जाने के कारण उनका झुकाव सड़क की ओर अधिक आ जाने से आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था एवं हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। आगे बताया कि गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में नाली की सफाई नही होने एवं खरपतवार सड़क किनारे आ जाने से हो रही परेशानियों को लेकर खबर प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद पंचायत के जिम्मेदार लोग हरकत में आये और खरपतवारों की कटाई कर नालियों की सफाई करवा दी है, हमारी मांग है कि नियमित रूप से नालियों की सफाई करवाये ताकि अस्पताल कालोनी में स्वं छता बनी रहे।

विवाहिता की कुएं में मिली लाश मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा थानांतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बबरिया के बबरियाटोला में उस वक्त सनसनी फैल गई। जब एक 32 वर्षीय विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कुएं से बरामद किया गया। मृतिका की पहचान 32 वर्षीय श्रीमती प्रीति भगत के रूप में हुई है। वहीं मृतिका महिला के मायके पक्ष के लोगों ने महिला के पति एवं ससुराल पक्ष पर हत्या करने का आरोप लगाया है और पुलिस से दोषियों पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। पुलिस ने बुधवार की सुबह कुएं से शव बरामद कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतिका महिला के तीन बच्चें है, शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतिका महिला प्रीति भगत का मायका पलाकामथी (गणेशपुर) का है। जिनका विवाह 9 वर्ष पूर्व बबरियाटोला निवासी नरेन्द्र भगत के साथ हिन्दु रीति-रीवाज से हुई थी, जिसके तीन बच्चें भी है। लेकिन उसका पति शराब पीकर पत्नि से मारपीट करता था। जिससे परेशान होकर पूर्व में प्रीति अपने मायके चले गई थी जहां कुछ दिन रूकी भी थी। जिसके बाद दोनों ग्राम के सामाजिक लोगों की बैठक लेकर दोनों से सुलह करवाने के बाद नरेन्द्र को समझाया भी गया था कि मारपीट न करे। जिसके बाद प्रीति अपने ससुराल आ गई थी, लेकिन नरेन्द्र कुछ दिन ठीक से अपनी पत्नि को रखा उसके बाद अपनी पत्नि को मानसिक रूप से परेशान करते रहता था। मंगलवार की शाम में नरेन्द्र काम से आया और अपनी पत्नि से कहा कि चार दिनों से कम खाना बना रही है, अच्छे से खाना बनाने की बात कही। इसी बात को लेकर पति-पत्नि में विवाद हो गया और प्रीति के अधिक बहस करने पर गुस्से में आकर नरेन्द्र ने अपनी पत्नि को एक चाटा मार दिया। जिसके बाद नरेन्द्र विवाद न बड़े कहकर घर से बाहर निकल गया। मारपीट की घटना एवं मानसिक तनाव में आकर महिला ने मकान के समीप बने कुएं में कुद गई। जिसके बाद परिजन घबरा गये और उसके पति को घटना की जानकारी दी गई, लेकिन काफी देर हो जाने एवं गहरे पानी में डुबे रहने से उसकी मौत हो गई। जिसके बाद महिला के मायके पक्ष एवं पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। वहीं पुलिस एवं महिला के मायके पक्ष के लोग घटना स्थल रात में पहुंचे। लेकिन रात्रि हो जाने, कुएं की चौड़ाई कम एवं पानी अधिक होने के कारण शव को दुसरे दिन बुधवार को निकाला गया। जिसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर आये जहां चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सुपुर्द कर दिया है। बताया जा रहा है कि मृतिका श्रीमती प्रीति भगत की 9 वर्ष पूर्व ही बबरियाटोला निवासी नरेन्द्र भगत के साथ शादी हुई थी, जिसके तीन ब' चें एवं सास-ससुरभी है। पति के मारपीट करने एवं मानसिक तनाव में आकर कुएं में कुदकर आत्महत्या करने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वहीं मायके पक्ष के लोग हत्या करने का आरोप ससुराल पक्ष पर लगा रहे है। घटना के बाद से ग्राम में शोक की लहर व्याप्त हो गई है और बुधवार को दोपहर में मृतिका महिला का शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

मायके पक्ष के गंभीर आरोप, हत्या कर शव को कुएं में फेंका गया है

वहीं घटना की जानकारी लगते ही प्रीति के मायके पक्ष के लोग भी बबरियाटोला पहुंचे और उन्होने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसे आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या करार दिया है। साथ ही परिजनों का कहना है पति शराब पीने का आदि था और आये-दिन मारपीट करता था एवं नरेन्द्र व उसके परिवार के लोग उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताडित भी कर रहे थे। पारिवारिक विवाद के चलते प्रीति कुछ समय अपने मायके में भी रही थी, जिसे सामाजिक बैठक और सुलह के बाद वापस ससुराल भेजा गया था। लेकिन उसके बाद उसके पति में कोई सुधार नही आया और नरेन्द्र शराब पीकर उसके साथ मारपीट कर मानसिक रूप से परेशान करते रहता था, जिससे परेशान थी। मंगलवार की शाम में भी नरेन्द्र ने उसके साथ मारपीट किया है और उसकी हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिये है जिससे उसकी मौत हुई है। हमारी बेटी ने आत्महत्या नही की है बल्कि उसकी हत्या की गई है। किन्तु अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि महिला ने मानसिक तनाव में आकर कुएं में कुदकर जान दी है या उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रीति की हत्या की गई है - लोकचंद

मृतिका महिला का पिता लोकचंद पटले ने बताया कि मंगलवार की रात में सूचना मिली थी कि आपकी बेटी को करंट लगा और वह कुएं में गिर गई है जिससे उसकी मृत्यु हो गई है। जिसके बाद हम लोग घटना स्थल पहुंचे, लेकिन रात हो जाने एवं कुएं में पानी अधिक होने के कारण शव को बाहर निकालना संभव नही था इसलिए दुसरे दिन सुबह पुलिस ने कुएं के अंदर से शव बरामद किया है। श्री पटले ने बताया कि दामाद नरेन्द्र नशे का आदि था और शराब पीकर प्रीति के साथ मारपीट करता था और मंगलवार को भी मारपीट करने के साथ ही उसकी हत्या कर कुएं में लाश फेंक दिये है जिससे उसकी मौत हुई है। पुलिस प्रशासन से मांग है कि मामले की जांच कर दोषियों पर कठोर कार्यवाही करें।

हत्या करने का जो आरोप लगा रहे है निराधार है - नरेन्द्र

मृतिका महिला का पति नरेन्द्र भगत ने बताया कि हम दोनों पति-पत्नि के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था, जिसके बाद मैं घर से बाहर निकल गया था, जिसके कुछ देर बाद मुझे जानकारी मिली कि तुम्हारी पत्नि कुएं में कुद गई है। जिसके बाद घर पहुंचकर देखा तो वह डुब चुकी थी, जिसकी जानकारी पुलिस को दी गई एवं दुसरे दिन बुधवार को शव को बाहर निकाला गया। श्री भगत ने बताया कि ससुराल पक्ष के लोग मुझ पर जो आरोप लगा रहे है कि मैंने प्रीति की हत्या की है, यह सभी आरोप निराधार है, उसने स्वयं ने कुएं में कुदकर आत्महत्या की है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है - मोहन

बबरिया सरपंच मोहन गौतम ने बताया कि मुझे जानकारी लगी कि नरेन्द्र ने अपनी माँ को घर से बाहर निकालकर पत्नि के साथ मारपीट की है। इसी मानसिक तनाव में आकर 32 वर्षीय महिला ने कुएं में कुदकर आत्महत्या की होगी। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस को दी गई किन्तु रात्रि हो जाने के कारण दुसरे दिन शव को कुएं के अंदर से बाहर निकाला गया। श्री गौतम ने बताया कि जानकारी अनुसार पति-पत्नि में किसी बात को लेकर विवाद होते रहता था, किस कारण से महिला से आत्महत्या की है जानकारी नही है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामले की जांच की जा रही है - बघेल

दूरभाष पर चर्चा में उपनिरीक्षक महेन्द्रसिंह बघेल ने बताया कि बबरियाटोला से जानकारी मिली थी कि कुएं में गिरने से एक महिला की मौत हो गई है। जिसके बाद घटना स्थल पहुंचकर कुएं से शव बरामद कर आवश्यक कार्यवाही कर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया हैं। साथ ही यह भी बताया कि मृतिका महिला के मायके पक्ष के लोगों का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने प्रीति की हत्या की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा कि महिला ने आत्महत्या की है या फिर उसकी हत्या की गई है। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

स्वास्थ्य शिविर में 106 कुपोषित बच्चों की हुई जांच और पोषण किट का किया गया वितरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र के बच्चों को कुपोषण मुक्त बनाने की दिशा में कार्य करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग लालबर्रा के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के सभाकक्ष में सेम (अतिगंभीर कुपोषित), मैम (मध्यम कुपोषित) और अस्वस्थ बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य नि:शुल्क जांच का आयोजन किया गया। यह शिविर महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे, बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे एवं चिकित्सकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर चिकित्सक डॉ. मुकेश चौहान सहित अन्य चिकित्सकों के द्वारा सेम, मेम कुपोषित एवं अस्वस्थ बच्चों का गहन शारीरिक परीक्षण किया एवं उनकी खून की जांच की गई और आवश्यकतानुसार नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। वहीं आयोजित शिविर में बच्चों के पोषण का विशेष ध्यान रखा गया। इस अवसर पर नैतरा, बिरसोला, जाम, बेहरई, पांढरवानी सेक्टर के 106 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं सभी बच्चों को सत्तू के पैकेट और फलों की टोकरी प्रदान की गई। साथ ही विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा गोद लिए गये बच्चों को विशेष 'पोषण टोकरी' एवं गर्म कपड़ों का वितरण भी किया गया ताकि कड़ाके की ठंड में उनका बचाव हो सके। वहीं चिकित्सकों के द्वारा बच्चों के अभिभावकों को पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। पर्यवेक्षक श्रीमती आरती मेश्राम ने बताया कि प्रत्येक माह की 11 से 21 तारीख के बीच बच्चों के वजन की निगरानी की जाती है और इस प्रक्रिया में बच्चों के वजन और ऊंचाई को पोषण ट्रैकर ऐप में दर्ज किया जाता है, जिसके आधार पर उन्हें तीन मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है। ताकि कुपोषित बच्चों का समय-समय पर उपचार एवं जांच हो सके। इसी कड़ी में लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया और कुपोषित बच्चों की जांच कर नि:शुल्क दवाईयां, पोषण किट का भी वितरण किया गया है। साथ ही जो बच्चें गंभीर रूप से ग्रसित है उन्हे बेहतर उपचार के लिए रिफर भी किया जायेगा। श्रीमती मेश्राम ने बताया कि 106 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है एवं बच्चों के वजन और स्वास्थ्य में निरंतर सुधार लाकर उन्हें कुपोषण से मुक्त करना और एक स्वस्थ जीवन प्रदान करना शिविर का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास पर्यवेक्षक श्रीमती भारती मेश्राम, श्रीमती नाजिया खान, श्रीमती सुनिता ठाकरे, श्रीमती प्रिया ठाकुर, श्रीमती छाया मर्सकोले, स्वास्थ्य कर्मी सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रविदास समाज महिला संगठन ब्लॉक अध्यक्ष बनी गीता खरोले

बैठक में कार्यकारिणी का किया गया गठन, समाजोत्थान पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के वार्ड नं. 18 स्थित रविदास चौक निवासी रमेश झाडेकर के निवास स्थान में बुधवार को सदगुरू रविदास समाज संगठन की ब्लाक स्तरीय बैठक संपन्न हुई। यह बैठक जिला रविदास समाज संगठन, ब्लाक समाज पदाधिकारी एवं महिलाओं की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने संत शिरोमणि रविदास महाराज एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित बैठक में रविदास समाज महिला संगठन ब्लाक कार्यकारिणी का गठन, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई एवं महिला संगठन कार्यकारिणी का गठन कर सर्वसम्मति से श्रीमती गीता खरोले को महिला ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसी तरह श्रीमती सुनिता महोबे, श्रीमती श्यामा तरवरे, श्रीमती मीना बारेकर, श्रीमती आशा बरैया को उपाध्यक्ष, श्रीमती दयावंती बारेकर को सचिव, श्रीमती मुन्नी झाडेकर को कोषाध्यक्ष, श्रीमती सविता बारेकर, श्रीमती रेखा महोबे को महामंत्री, जनपद सदस्य श्रीमती पूजा चौधरी को संरक्षक नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज सेवा और संत रविदास जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। वहीं नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर महिलाओं को संगठित कर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम किया जायेगा। बैठक को संबोधित करते हुए रविदास समाज संगठन जिला अध्यक्ष राधेश्याम कनोजे, संरक्षक अमीरचंद छिपेश्वर और धर्मप्रचारक बसंत कुम्हरे ने सभी महिला संगठन के नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी और महापुरूषों के जीवनदर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन के माध्यम से महिलाओं को जागरूक एवं संगठित कर समाजोत्थान और संत रविदास जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही है। इस अवसर पर सदगुरू रविदास समाज संगठन के जिला अध्यक्ष राधेश्याम कनोजे, संरक्षक अमीरचंद छिपेश्वर, धर्मप्रचारक बसंत कुम्हरे, जिला महामंत्री लालदास बारेकर, साहेबलाल बरैया, ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. दीपक चौधरी, उपाध्यक्ष फूलचंद बरैय्या, गनपत तरवरे, सचिव कमलेश खरोले, कोषाध्यक्ष नंदू हेमराज जगने, संरक्षक रमेश झाडेकर, राधेलाल खरोले, बी.सी खरोले, केशव महोबे, बिदेश कनौजे, सोमनलाल बारेकर,मोहनलाल कनौजे, परमेश झाडेकर, शंकरलाल गौंधेर, महिला नवनियुक्त सदस्य सीमा तरवरे, प्रमिला झाडेकर, मीना पड़वार, अनीता तरवरे, फागूंता गौधरे, अंजली पड़वार, तुलसा मालाधारी, प्रियंका बारेकर, किरण महोबे सहित स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

मनीराम भोयर लालबर्रा और दमनसिंह रहांगडाले बने खमरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल द्वारा प्रदेशभर में संगठन को सशक्त करने के उद्देश्य से ब्लॉक स्तर पर फेरबदल किया गया है। इसी क्रम में लालबर्रा तहसील में कांग्रेस पार्टी ने लालबर्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का नया अध्यक्ष मनीराम भोयर को नियुक्त किया है। वहीं खमरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की जिम्मेदारी दमनसिंह राहंगडाले को पुनः सौंपी गई है। इसके पूर्व विगत कई वर्षों से लालबर्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की जिम्मेदारी भाऊराम गाड़ेश्वर के पास थी। उनके कार्यकाल को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा। वहीं ददिया पंचायत के पूर्व सरपंच, जनपद सदस्य

प्रतिनिधि मनीराम भोयर को लालबर्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष एवं दमनसिंह रहांगडाले को पुनः खमरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त करने पर पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है और सभी ने उन्हे शुभकामनाएं प्रेषित की है। साथ ही पार्टी के पदाधिकारियों का कहना है कि नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति से ब्लॉक स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को गति मिलेगी। वहीं नियुक्त लालबर्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर ने बताया कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर पार्टी हित में काम किया जायेगा।

कौलीवाड़ा में जंगली सूअर एवं बंदरो का भयंकर आतंक!!

खेत में लगी फसल की खरई को पंहुचा रहे क्षति; किसान परेशान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कौलीवाडा से लगे आसपास के किसान जंगली सूअर और बंदर के आतंक से बहुत ज्यादा परेशान है। जहां लगातार किसानों को क्षति का सामना करना पड़ रहा है जिससे उनकी नुकसानी भी बढ़ती जा रही है। वर्तमान में किसानों को अपनी फसल को बचाना मुश्किल होता जा रहा है जिसके लिए लगातार शासन प्रशासन से व्यवस्था बनाने की मांग कर रहे हैं। किंतु अभी तक कोई व्यवस्था नहीं की गई है जिसके कारण स्थिति यथावत बनी हुई है जहां खेतों में लोग सामूहिक रूप से आना जाना कर रहे हैं। तो वहीं परिवार के सदस्यों के द्वारा खेत में उपस्थिति बनाए रखे हैं जहां उन्हें मजबूरी में डर के वातावरण में रहना पड़ रहा है।

समय बेसमय झुंड में आ रहे वन्य प्राणी

प्राप्त जानकारी के अनुसार कौलीवाडा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से जंगली सूअर की समस्या बनी हुई है। परंतु वर्तमान में जंगली सूअर के साथ बंदरों की एक बड़ी समस्या हो गई है। खरीफ की फसल किसानों के द्वारा काट कर खेतों में पुंजना बना दिया गया है तो वहीं वर्तमान में चना तुअल सरसों गेहूं की फसल लगाई जा रही है। जहां बड़ी संख्या में बंदरों के द्वारा तुवल के पौधे को नुकसान पहुंचाया जा रहा है तो वही जो धन का पुंजना खेत में रखा हुआ है। उसे जंगली सूअर के द्वारा तोड़कर धान को खाकर क्षतिग्रस्त करने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे में खेती किसानी कार्य को लेकर किसान भी खेतों में जा रहे हैं उन्हें भी जान का खतरा बना हुआ है। जिसको लेकर अनेको बार कृषि एवं वन विभाग को ग्रामीणों ने शिकायत की है पर आज तक कोई प्रयास इन्हें खदेड़ने के लिए नहीं किए गए। यही कारण है कि किसानो को सबसे ज्यादा समस्या वर्तमान में हो रही है वैसे में जान का जोखिम के बीच परिवार का एक सदस्य खेत में लगातार भ्रमण करवा रहे हैं ताकि फसल को बचाया जा सके।

जंगली सूअर और बंदरों की संख्या से ग्रामीणजन परेशान है-कुंजीलाल

कुंजीलाल कटरे ने बताया कि आज के समय में पहले से बहुत ज्यादा जंगली सूअर और बंदरों की संख्या ग्रामीण क्षेत्र में हो गई है इनका लगातार आतंक बना हुआ है। यह लगातार खेतों में विचरण कर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। किसानों को भी नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं इसके लिए शासन प्रशासन को भी किसानों के बारे में सोचना चाहिए। अभी चना सरसों तुवर की फसल लगी है इसे यह वन्य प्राणी खा रहे हैं तोड़ रहे हैं पौधे को क्षति पहुंचा रहे हैं। और हमारे यहां खेत में जो धान रखते हैं पुंजना उसे भी यह तोड़ रहे हैं। हालांकि इसकी शिकायत तो हमने किया है पर आज तक कुछ नहीं हो पाया है।

अनेको बार शिकायत करने पर कृषि विभाग असमर्थ दिख रहा है-सुनील

सरपंच प्रतिनिधि सुनील राणा ने बताया कि हमारे ग्राम सहित आसपास में जो हमारी फसल खेतों में रखी हुई है लगी हुई है। उसमें वन्य प्राणियों का बहुत आतंक हो गया है अभी तुवर गेहूं चना की बुवाई की गई है वहां बंदरों का बहुत आतंक है फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जंगली सूअर की शिकायत अनेक बार किया है कृषि विभाग को परंतु वह असमर्थ दिख रहा है। यह राजस्व से पटवारी को बुलाकर नुकसानी के लिए पंचनामा बनाने बोलते हैं वन विभाग वाले भी राजस्व में जाने कहते हैं। पहले ही हमारे गांव में करीब पांच लोगों को जंगली सूअर ने हानि पहुंचा दी है अब यह धान की खराई को खराब कर रहे है। हम तो यही चाहते हैं कि प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर सूअर और बंदर के लिए जो कानून है उसमें संशोधन कर किसानों को राहत दे और कानून को सरल करें ताकि किसान अपनी फसल बचा सके।

मरार माली समाज ब्लॉक वारासिवनी के दूसरी बार अध्यक्ष बने अशोक मरार

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। मरार माली समाज जिला बालाघाट के विधान के अनुरूप समाज संगठन का कार्यकाल ३ वर्ष का होता है। जो कि जिले की सम्पूर्ण कार्यकारणी का कार्यकाल पिछले अक्टुबर माह में समाप्त हो चुका है। समाज के विधान के अनुरूप जिला निर्वाचन अधिकारी नियुक्त कर मरार माली समाज में जिला स्तर, ब्लाक स्तर एवं ग्राम स्तर की समिति का पुनर्गठन चुनाव कराया जाता है। इसी प्रक्रिया के चलते जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा विधान की धारा १४ नियम २ के प्रावधान के तहत पर्यवेक्षक नियुक्त कर ब्लाक समाज वारासिवनी के १४ दिसबंर को चुनावी आमसभा की बैठक स्थल राष्ट्रपिता ज्योतिबाफुले सामाजिक सांस्कृतिक भवन वार्ड नं.६ में आयोजित किया गया। जिसमें ३ पर्यवेक्षक अनिल मानेश्वर, बैजनाथ कावरे एवं श्री पांच उपस्थित रहे। चुनावी प्रक्रिया दोपहर २ बजे से प्रारंभ की गई। ब्लाक अध्यक्ष पद हेतु ४ व्यक्तियों के द्वारा नामांकन पत्र भरे गये, जो क्रमशः अशोक मरार, विनोद मात्रे, राजकुमार कावरे व लिखिराम जमरे के द्वारा फार्म भरा गया। नामांकन पत्र की जॉच सही पाई गई। तत्पश्चात् ४ अभ्यर्थीयों को आपसी समझौता करने के लिये कहा गया। इसी के चलते अभ्यर्थी लिखिराम जमरे के द्वारा फार्म वापस लिया गया तथा ३ प्रत्याशियों के बीच चुनाव हुआ। जिसमें अशोक मरार को सर्वाधिक मत प्राप्त हुये पर्यवेक्षक द्वारा उन्हें निर्वाचित घोषित किया गया। तत्पश्चात जिला प्रतिनिधियों का चुनाव प्रारंभ हुआ जिसमें ८ व्यक्तियों के द्वारा नामांकन पत्र भरे गये। फार्म की जाँच के दौरान सभी फार्म सही पाये गये। दो नामों पर आपत्ति बी पी पंचेश्वर के द्वारा लगाई गई। आपत्ति थी कि अभ्यर्थी कचरूलाल पंचतिलक एवं डोमा नागेश्वर मरार माली ब्लाक महासभा के पदाधिकारी है। जो कि समान्तर संगठन के पदाधिकारी होने के कारण चुनाव निर्वाचन के नियमावली के तहत दोनो फार्म निरस्त किये गये। एवं एक अभ्यर्थी बी पी पंचेश्वर के द्वारा अपना फार्म वापिस लिया गया। इस प्रकार ५ अभ्यर्थी राजकुमार चौधरी, सरस्वती पंचेश्वर, अनिल कावरे, राजकुमार दांदरे व अन्नु भवरे निर्विरोध जिला प्रतिनिधि निर्वाचित हुये। आम सभा में लगभग ६०० सामाजिक बंधुओं एवं माता बहने उपस्थित रही। मतदान का अधिकार ग्राम समितियों के नव निर्वाचित अध्यक्षों को दिया गया। ज्ञात हो कि ब्लाक वारासिवनी में ४३ ग्राम समितियाँ है। जिसमें २ ग्राम समितियों के अध्यक्ष अनुपस्थित रहे। नव निर्वाचित अध्यक्ष अशोक मरार के द्वारा ब्लाक वारासिवनी के समस्त ग्रामीण कार्य कारणी के सभी पदाधिकारियों उपस्थित सामाजिक बंधुओं एवं माता बहिनों का आभार व्यक्त किया गया।

डाइवर्ट मार्ग से सड़क की हुई दुर्दशा को सुधारने की मांग, उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

शिवधामवासियों ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के ग्रामीणों के द्वारा १७ दिसंबर को पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन प्रदीप जायसवाल एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल को ज्ञापन सौंपा गया। जहाँ उनके द्वारा पूर्व में दिये गये पत्र के निराकरण नहीं होने की बात कहते हुए मार्ग की दुर्दशा को सुधारने आवश्यक प्रयास करने की मांग की गई । वहीं यथाशीघ्र निराकरण नही होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी गयी। ज्ञापन में बताया कि ग्राम वारा में रेलवे ओवर ब्रिज का कार्य विगत २ वर्षों से प्रगति पर है। जिसका परिवर्तित मार्ग शिवधाम मोहल्ला होते हुऐ दिया गया। जिसके कारण ग्रामीण मार्ग अतम्भीक खराब हो चूका है और अनियंत्रित गति और भारी माल वाहक के आवागमन के कारण धूल के गुब्बारे उड़ने से समस्त ग्रामीणा वारिस्यों के स्वास्थ्य में प्रतिकुल प्रभाव पड़ रहा है। विदित हो कि उक्त मार्ग की चौडाई अत्यधीक कम है एवं कई लोगों द्वारा उक्त मार्ग पर अतिक्रमण किया है गया जिससे मार्ग की चौड़ाई कम हो गई है। अन्य व्यक्तियों के द्वारा किये गये अतिक्रमण के कारण एवं भारी माल वाहन के चलने से ग्रामीणजनों को अत्यधीक परेशानियों का सामना करना पड रहा है। हम चाहते है कि मुख्य मार्ग का सीमाकंन करा कर कच्चा पक्का अतिक्रमण बाउण्ड्रीवाल मकान,टीन शेड, इत्यादी हटाकर उक्त मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कर नई सड़क निर्माण कार्य कराया जायें। चूँकि वर्तमान में उक्त मार्ग ग्रामीणो के लिए निस्तार का मार्ग है। जिस पर रेलवे ओवर ब्रिज का परिवर्तित मार्ग संचालित किया जा रहा है एवं रेलवे ओवर ब्रिज शुरू होने के बाद इस मार्ग की सुध लेने वाला कोई भी नहीं होगा ।

७ दिन का मिला था आश्वासन १० दिन बाद भी कुछ नहीं हुआ

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि मार्ग पर हो रही उक्त समस्याओं को लेकर ८ दिसंबर को भी ज्ञापन देकर उक्त विषय से अवगत कराया गया था। जिसमें समस्त बातें निवासरत लोगों के द्वारा कही गई थी जिसमें समस्या को सुनकर आस्वस्थ किया गया था कि उक्त समस्या का समाधान ७ दिवस के भीतर किया जायेगा। किन्तू आज दिनांक तक करीब १० दिवस बीत जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की गई हैं। जिससे लोगों में आक्रोश बना हुआ है हम यही चाहते हैं कि उक्त समस्या को संज्ञान में लेकर जल्दी से जल्दी उचित कार्यवाही करें। अन्यथा ग्रामीणों के द्वारा उग्र आंदोलना किया जायेगा जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की रहेगी।

सड़क पर चलना आम व्यक्ति का हुआ दूर्भर

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम वारा के शिवधाम मोहल्ले के वार्ड नंबर १९ एवं २० वारासिवनी नगर के वार्ड नंबर ३ से जुड़ा हुआ है। वही यह मार्ग सीधा ग्रामीण क्षेत्र के करीब एक दर्जन ग्रामों के लिए सीधा रास्ता है जो बालाघाट तक आने.जाने में उपयोग किया जाता है। तो वहीं ग्रामीण क्षेत्र के लोग इस मार्ग से नगर मुख्यालय आते है। ऐसे में पंचायत के द्वारा यह ग्रामीण सड़क के रूप में टुकड़ों में निर्माण किया गया था। जिसे रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के कारण डाइवर्ट मार्ग बना दिया गया था जहां से छोटे बड़े सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही के कारण मार्ग की बहुत ज्यादा दुर्दशा हो गई है। पूरा सड़क टूट गया है जहां से आवागमन करना दुर्भर होता जा रहा है । परंतु मजबूरी में वर्तमान में डाइवर्ट सड़क यही है तो लोग आना जाना कर रहे हैं। वही वाहनों के कारण दुर्घटना की भी संभावना बनी हुई है क्योंकि सकरा मार्ग है अतिक्रमण भयंकर हो गया है। यदि शासन प्रशासन के द्वारा गंभीरता से उक्त मार्ग का निर्माण नहीं किया गया तो आने वाले २ महीने बाद हमें समस्या का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि किसी के द्वारा मार्ग निर्माण किया नहीं जा सकेगा फिर पंचायत को टुकड़ों में पूरा मार्ग बनाना पड़ेगा। आना जाना मुश्किल हो जाएगा यह दिक्कत अकेले वार्डवासी या ग्रामवासी को नहीं सैकड़ो ग्रामीणों और नगर वासियों को होगी। ऐसे में इस पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना जरूरी है।

आंदोलन में शासन से मिला था आश्वासन

ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग बहुत जरूरी है हर किसी के लिए उपयोगी है जिसके लिए लगातार ग्रामीणो के द्वारा आवेदन किया जा रहा है। किंतु प्रशासन हमारी सुन नहीं रहा है बीते दिनों इसी प्रशासन को अपनी बात बताने के लिए चक्काजाम किया गया था। उस समय पुलिस राजस्व विभाग एवं तहसीलदार एसडीएम के द्वारा मौका निरीक्षण कर ग्रामीणों को ७ दिवस के अंदर कार्यवाही करने के लिए अस्वस्थ किया गया था। जिसमें आश्वासन की अवधि से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी वर्तमान तक की जाने वाली कार्यवाही को कोई अमली जामा नहीं पहनाया गया है। यही कारण है कि लगातार ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है ।आगे आंदोलन की संभावना है क्योंकि प्रशासन ग्रामीण को लॉलीपॉप दिखाकर ठगने का काम कर रहा है। जबकि ग्रामीण प्रशासन से अपना हक मांग रहे हैं ऐसे में ग्रामीणों को इस तरह से परेशान करना ठीक नहीं है अन्यथा आगे उग्र आंदोलन होगा और शासन प्रशासन उसे शांत नहीं कर पाएगा। क्योंकि वादा एक बार होता है और वादा खिलाफ ी के बाद का कोई वादा नहीं होता है।

सांसद से चर्चा कर समस्या के समाधान का प्रयास करेंगे-प्रदीप

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने चर्चा के दौरान कहा की आज वारा ग्राम पंचायत के सरपंच व ग्रामीणों ने रेल्वे ओवर ब्रिज के परिवर्तीत मार्ग की समस्याओं के संबध में ज्ञापन सौंपकर समाधान की उम्मीद की है। विधानसभा चुनाव के पूर्व ही हमने एक और परिवर्तीत मार्ग का निर्माण वारा से गायत्री मंदिर तक लागत १.६० करोड रूपये का करा दिया है। साथ ही ओवर ब्रिज के साथ शिवधाम में ही नहर पर तीस तीस लाख रूपये की दो बडी पुलियां को बनाकर इस मार्ग को सुगम बनाने का प्रयास किया है। विधानसभा चुनाव के परिणाम अपेक्षित नही आने से हमारा शिवधाम के परिवर्तीत मार्ग को भी नयी सड़क में परिवर्तीत कराने का प्रोजेक्ट अधूरा ही रह गया है। चुंकि इस कार्य में करोड़ो रूपये की राशि का व्यय होना है। अत अब ग्रामीणो की सुविधा के लिये इस मार्ग पर नयी सडक के लिये हम पुन गंभीरता दिखाकर जिले की सांसद से इस विषय में चर्चा कर इस समस्या के समाधान का प्रयास करेंगे। साथ ही दो साल बीतने के बाद भी पदेन जिम्मेदारो ने अभी तक इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान तक नही दिया है यह आश्चर्य का विषय है।

ये रहे मौजूद

ज्ञापन सौंपने वालों में सरपंच सूर्यभानसिंह पुसाम, पूर्व जनपद सदस्य प्रवीण खरोले, जनपद सदस्य राम गौतम, माहेश्वर बिसेन, आशुतोष कोहरे, मोनू चौधरी, रमेश कनौजे, बबलू फुलबांधे, संतोष कटरे, दीपक मर्सकोले सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विधानसभा क्षेत्र के हर ग्राम में रूके हुये कार्य का होगा निर्माण -प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने क्षेत्र के ग्राम सालेटेका व बोटेझरी के सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुये। साथ ही इस दौरान मेला का भ्रमण कर ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को पहचानकर समाधान की दिशा में उम्मीद बढायी। खैरलांजी के ग्राम सालेटेका में शिव बमलेश्वरी मेला में शामिल होकर सांस्कृतिक धरोहर की बधाई प्रदान करते मंच पर दोनों गायिकाओं के बीच टॉस कराकर दुय्यम शायरी की शुरुवात करवायी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की खैरलांजी में सबसे पहले बाजार की परम्परा के साथ विकसित करने की शैली के कारण ही आज खैरलांजी सही में तहसील बनकर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सालेटेका को अब २५ लाख रुपये की सामुदायिक भवन की भी सौगात मिल गयी है। हम सभी इसी के साथ मन्दिर जीर्णोद्धार के शेष कार्य को भी सपन्न कराने की तैयारी कर रहे है। वहीं बोटेझरी के आमाटोला में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती कार्यक्रम में पहुंचे । पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की विदेशी शासन के अन्याय के खिलाफ मुंडा जी का संघर्ष और बलिदान देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। जनजातीय गौरव दिवस के इस पावन अवसर पर, पूरा देश मातृभूमि के गौरव की रक्षा में देश के महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा के अद्वितीय योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहा है। आदिवासी समाज को एकत्रित होकर शिक्षा के महत्त्व को समझकर अपने अधिकारों की रक्षा कर प्रकृति को बचाने का संदेश दिया। इस दौरान दुलीचन्द बोपचे , आशाबाई वाडिवे , भीम वासनिक,गणेश वाडिवा,राकेश मड़ावी, अशोक मड़ावी, इमरान अली,भंवरसिंह टेकाम,अनीश मिश्रा, वेदप्रकाश पटेल,पुष्पेंद्र देशमुख ,डोमाजी लिल्हारे,प्रकाश उके ,घनश्याम राउत मौजूद रहे।

केशव स्कुल में कार्यशाला संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में शासन के द्वारा उच्च शिक्षा में छात्रों की शत् प्रतिशत प्रविष्टी एवं उन्हे प्रवेश के समय आने वाली परेशानियों से बचाने हेतु एस. एस. पी. कालेज के हिन्दी विभाग के कृष्णा पराते एवं शिखा वासनिक तथा शिखा देवगीरकर ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। प्राचार्य प्रदीप शर्मा ने उच्च शिक्षा के साथ स्वरोजगार अपनाने एवं शिक्षा को जीवन में उतारने की बात कही। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कक्षा १२वीं के बच्चों के साथ समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।

आवश्यकता है

वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता

- संपर्क करें -

पद्मेश सिटी केबल

बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

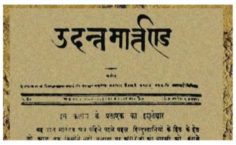

हादसों की मानवीय फिक्र

पिछले कुछ समय से राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर जिस तरह के हादसे हुए, उसमें वाहन चालकों की लापरवाही या चूक को जिम्मेदार बताया जा सकता है। मगर सड़क किनारे बने ढाबे या होटल भी इसका बड़ा कारण बन रहे हैं, क्योंकि अक्सर इनके सामने ट्रक या अन्य वाहन खड़े कर दिए जाते हैं और वहां से गुजरने वाली कोई अन्य गाड़ी उनसे टकरा जाती है। ऐसे अनेक मामले सामने आए, जिसमें पिछले महीने की शुरुआत में राजस्थान के फलोदी में एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने की घटना ने सबका ध्यान खींचा था। उसमें दस महिलाओं और चार बच्चों सहित पंद्रह लोगों की जान चली गई थी। इस घटना का सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया और ऐसे हादसों को लेकर चिंता जताई थी। उसी मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआइ और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी जताई। अदालत ने यह भी कहा कि एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे बने अवैध ढाबे तथा होटल सड़क हादसों की बड़ी वजह बन रहे हैं और इसे रोकने के लिए पूरे देश में लागू होने वाले दिशा-निर्देशों पर विचार किया जाएगा।

यह कोई छिपी बात नहीं है कि लंबी दूरी की निर्बाध सड़कों के किनारे कई जगहों पर ढाबे या होटल तो बना दिए जाते हैं, लेकिन वहां सड़क से अलग हट कर वाहन लगाने के लिए जगह नहीं होती। नतीजतन, वहां खाने-पीने आदि के लिए रुकने वाले लोग अपनी गाड़ी सड़क किनारे ही खड़ी कर देते हैं। जबकि ऐसी सड़कों पर आमतौर पर वाहनों की रफ्तार काफी तेज होती है और पीछे से आने वाली गाड़ियों के टकराने की आशंका हमेशा बनी रहती है। इसके बावजूद बड़े पैमाने पर सड़क किनारे बिना रोकटोक के ऐसे ढाबे और होटल चलने की जिम्मेदारी किसकी है? एक ही प्रकृति के लगातार हादसों और ज्यादातर घटनाओं में कारण स्पष्ट होने के बावजूद सरकार की ओर से अब तक इस दिशा में कोई पहल क्यों नहीं की गई? इसी को रेखांकित करते हुए अदालत ने सवाल उठाया है कि इस तरह के ढाबों पर कार्रवाई के लिए कौन-से नियम हैं और अब तक इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं। हैरानी की बात है कि लगातार सड़क हादसों के कारणों की पहचान करके उसे दूर करने के लिए सरकार और संबंधित महकमों को खुद अपनी ओर से जो पहल करनी चाहिए थी, उसके बारे में सुप्रीम कोर्ट को ध्यान दिलाना पड़ता है।

देश भर में अच्छी सड़कों का जाल तो बिछाया जा रहा है, लेकिन उन पर सफर भी उतनी ही सुरक्षित हो, यह सुनिश्चित करने का सवाल एक तरह से हाशिये पर छोड़ दिया गया है। एक्सप्रेस-वे या राष्ट्रीय उच्च मार्गों पर निर्बाध सफर की सुविधा तो है, लेकिन अगर कहीं ढाबा या होटल बना दिया गया है, तो अव्वल तो उनकी वैधता की पड़ताल की जरूरत नहीं समझी जाती, फिर वहां वाहन लगाने की जगह अनिवार्य रूप से हो, यह सुनिश्चित करने की अनदेखी की जाती है। विडंबना यह है कि देश भर में लगातार हो रहे हादसों में लोगों की जान जा रही है, लेकिन ऐसा लगता है कि ऐसी घटनाओं को रोकने का सवाल सरकार की प्राथमिकता में शुमार नहीं है। सड़कों के डिजाइन से लेकर हादसों की कई वजहों को लेकर हुए अध्ययनों में एक ठोस नीति की जरूरत लंबे समय से बताई जा रही है। अगर समय रहते इस दिशा में पहल नहीं हुई, तो देश को इसका बहुस्तरीय नुकसान होगा।

क्या नए साल पर मास्क के साथ मुस्कराना सीखना होगा? सभी को समझना होगा कि दिल्ली और एनसीआर सिर्फ मास्क, वैक्सीन तथा एयर प्यूरीफायर से ही नहीं बचेंगे। इसके लिए सबकी मुस्कराहट व खुशी को बचाना होगा, जिसके लिए जरूरी है कि हर स्तर पर कोशिशें हों।

मास्क, मुस्कराहट और नया साल

लेख की शुरुआत उस शेर से, जो इस शहर का हाल बयां करता है और उन रहगुजर की भी, 'चेहरे पे सारे शहर के गर्द-ए-मलाल है, जो दिल का हाल है, वही दिल्ली का हाल है!' दिसंबर से लेकर जनवरी तक यह गर्द-ए-मलाल हमारी मुस्कराहट पर धुंध लगाने जा रही है। ऐसा लगता है, मानो नए साल में हमें मास्क संग फिर से मुस्कराना सीखना पड़ेगा। बढ़ते प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट और संसद में सभी दल एकजुटता के साथ अपनी चिंता व्यक्त कर रहे हैं। उधर डर से लोग दिल्ली और एनसीआर छोड़ भी रहे हैं। तो क्या फिर से कोविड की तरह यह शहर मास्क में कैद हो जाएगा? क्या दिल्ली की सड़कें और दीवारें फिर से सूनी हो जाएंगी? फिर उन संघर्षों की कहानी कौन लिखेगा, जिसकी गवाही दिल्ली और एनसीआर की आबोहवा बनेगी?

कि मुस्कराने के दिन चले गए! तो फिर उस मानवीय सभ्यता की मुझे लगता है कि वह कहानी लिखी जाएगी, हर उस व्यक्ति द्वारा, जो इस शहर में फिर से मास्क लगाना सीख रहा है। लेकिन यह भी कम चिंता की बात नहीं है कि फेफड़ों को बचाते-बचाते वह व्यक्ति अपनी मुस्कराहट भी खोता चला जाएगा। ऐसा लगता है, जैसे कि कोविड के बाद फिर से इस दुनिया को उस मास्क से अपने चेहरे को छिपाना सीखना पड़ेगा, जिससे इस दमघोंटू हवा में फेफड़ा बच सके। महामारी के बाद प्रदूषण में फंसा यह शहर मानो सबसे कह रहा है आखिर चेहरे पर मास्क जो आ गया है। मुस्कराहट का क्या होगा? आखिर फिर मुस्कराया कैसे जाएगा?

जिस दुनिया में साफ पानी खरीदने की होड़ लगी है, उस दुनिया में एयर प्यूरीफायर कितनों की मुस्कान वापस ला पाएगा? और इन सबके बीच मास्क में हजारों स्कूल जाते बच्चे अपनी मुस्कराहट कैसे साझा करना सीखेंगे? वह पिता, वह मां, वह मनुष्य, कहां से वह मन, वह जीवन जीने की जिजीविषा लाएगा, जिसमें थोड़ी हंसी और मुस्कराहट एक आशा बन जाती है। तो फिर क्या किया जाए, जिससे इस जहरीली हवा में कैदएनसीआर का हर बच्चा, हर व्यक्ति अपनी मुस्कराहट न भूल जाए?

कोविड ने हमें जीवन का दर्शन दिया और अकेले रहने के लिए मजबूर किया। मनुष्य को परिवार से दूर कर दिया। मास्क से ढके चेहरों को यह महसूस हुआ कि कोई मास्क समाज में ऑक्सीजन का काम तो करता है, लेकिन वह हंसी भी छीन लेता है। अपने परिवार, साथी और किसी बेहद खूबसूरत परिदृश्य को देखकर लोगों का मुस्कराना, खिलखिलाना मास्क में ही कैद हो जाता है। प्रदूषण के स्तर को कम करने की बातें, तो कई वर्षों से चल रही हैं, लेकिन अगर मास्क ही असली चेहरा बन जाएगा, तो फिर खुशी की इस अभिव्यक्ति का क्या होगा, जो जीवन की उम्मीद है।

मुझे लगता है कि यह वक्त आत्मचिंतन का है और यह भी कि अगर हम सभी उस हंसी, उस मुस्कराहट को मानवीय समाज में बचाए रखने के लिए प्रदूषण को कम करने में अपनी भूमिका समझें। आखिर दुनिया

यह सोचकर हंसने के क्लब में जाती है कि दिन भर की भाग-दौड़ के बाद थोड़ी राहत मिलेगी, मन खुश होगा। पर मास्क तो सब पर प्रतिबंध लगा देगा। बस सांस चलती रहेगी। और दुनिया दूसरों के जीवन में जो आशा व संचार उस मुस्कराहट से देती आई है, वह तो कहीं अदृश्य-सा हो जाएगा।

यह कल्पना से परे होगा कि मनुष्य किसी दूसरे मनुष्य को हंसते हुए न देखे, मुस्कराते हुए अभिवादन न कर सके। भले ही सांसें उस प्रदूषण से बचती रहें, लेकिन जब एक हारा हुआ मरीज अपने डॉक्टर की ओर देखेगा, तो मास्क में कैद डॉक्टर उससे कुछ कह नहीं पाएगा। स्कूल में, पार्क में, दौड़ते-चिल्लाते बच्चे कैसे उस वॉल्ट डिज्नी को मुस्कराकर याद कर पाएंगे, जिसकी कल्पना बच्चों की मुस्कराहट को महसूस करके ही की गई थी। वे चाहते थे कि कोई ऐसी जगह होनी चाहिए, जहां बच्चे खिलखिलाकर हंस सकें।

जो भी हो, पर इस डरावने प्रदूषण में अपने चेहरे को मास्क से छिपाकर तो रखना होगा, मुस्कराने की आदत को बचाए रखना होगा। जरूरत होगी उस भाव को मन में समेटने की, जो जीवन को सिर्फ जीवन ही मानता है और मनुष्य को कभी हारने नहीं देता। हम नि:स्वार्थ सेवा और प्रेम के मानवीय मूल्य से भले मास्क में ही सही, पर मुस्करा सकते हैं, और उनको भी मुस्कराना सिखा सकते हैं।

कोविड के बाद कई देशों में ऐसा हुआ कि मास्क हटते ही लोग मुस्कराना भूल गए। जापान समेत कई देशों में उन शिक्षकों की खोज होने लगी, जो मुस्कराना सिखा सकें। इसलिए दुनिया सिर्फ शहर छोड़ने, एयर प्यूरीफायर लगाने या मास्क में कैद होने भर से तो नहीं बच सकती। मनुष्य दूसरों को अपनी उपस्थिति से जो खुशी और उत्साह देता है, वही जीवन-दर्शन बन जाता है। इसलिए भले ही चेहरा मास्क से ढका हो, लेकिन मास्क के अंदर कैद उस मुस्कराहट को परिवार के संग ज्यादा बांटने की जरूरत है। अगर एक-दूसरे के लिए, शहर और समाज के लिए कुछ ज्यादा जिम्मेदारी का भाव आ जाए, तो मास्क में अदृश्य मुस्कराहट भी किसी को उस खुशी का एहसास दे सकती है।

इसलिए हमें मास्क में दमघोंटू हवा के बीच मुस्कराते रहना सीखना होगा। यह मुश्किल भरा क्षण है और हमें आत्मचिंतन और बोध के भाव से कभी शिक्षक, कभी डॉक्टर, कभी इंजीनियर, कभी नौकरशाह, कभी जज, तो कभी आम नागरिक बनकर इस शहर में जीना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि प्रदूषण कम करने के लिए उनके पास कोई रामबाण नहीं है, यानी हर स्तर पर कोशिश होनी चाहिए। और एक कोशिश मास्क और चेहरे के बीच फंसी उस मुस्कान को बचाने की भी।

कोई भी खुशी या मुस्कराहट उस प्रेम और सेवा से ही वापस आ सकती है, जो इस पोस्ट-कोविड दुनिया में अब बढ़ते प्रदूषण में कहीं खो चुकी है। सभी को समझना होगा कि दिल्ली और एनसीआर सिर्फ मास्क, वैक्सीन और एयर प्यूरीफायर से ही नहीं बचेगा, बल्कि सबकी मुस्कराहट और खुशी को बचाकर बचेगा। तभी मास्क के पीछे उन चेहरों में जीवन की संभावनाएं रह जाएंगी।

नए साल के स्वागत में मास्क संग ही सही, पर मुस्कराना और शुभकामनाओं का दौर जारी रहेगा। मत भूलिए कि हंसना-मुस्कराना इन्सानी अभिव्यक्ति है। चाहे वह मुस्कराहट मास्क में छिपी हो या शहर की धूल में! जीवन रुकना नहीं चाहिए और न मुस्कराना।

सफर जारी रहे...

-नन्दितेश निलय स्पीकर, लेखक एवं एथिक्स प्रशिक्षक

-सिमोन बोलिवर

हर मनुष्य के भीतर एक क्रांतिकारी आत्मा सोई रहती है, बस उसे जगाने की जरूरत है। जब यह जागृत होती है, तब असफलताएं सबक बन जाती हैं, संघर्ष साधना बन जाता है व जीवन आत्मविश्वास से भरी यात्रा।

मन की आवाज सुनने वाला ही विजेता होता है

हर युग में कुछ ऐसे विचार जन्म लेते हैं, जो मशाल बनकर रास्ता दिखाते हैं। वे बताते हैं कि जीवन की सबसे बड़ी विजय किसी हथियार से नहीं, बल्कि अडिग संकल्प और निर्भीक आत्मविश्वास से हासिल की जाती है। जब मनुष्य अपने भीतर की स्वतंत्र चेतना को पहचान लेता है, तब कोई भी ताकत उसे लंबे समय तक बांध नहीं सकती। स्वतंत्रता कोई सहज वरदान नहीं, बल्कि वह संघर्ष की भूमि में ही पुष्पित होती है। उसके लिए त्याग चाहिए, श्रम चाहिए और वह साहस चाहिए, जिससे इन्सान चुनौतियों से भागे नहीं, बल्कि उसे सहज रूप से स्वीकार करते हुए आगे बढ़े और बढ़ता ही रहे। जो बिना कोशिश या चुनौती स्वीकार किए सफलता पाना चाहते हैं, वे जीवन के सबसे खूबसूरत अर्थ को खो देते हैं। इसलिए हमें अपने भय, संदेह और सीमाओं से परे जाना होगा, क्योंकि वास्तविक जीत हमारी सोच की आजादी में ही छिपी होती है। जीवन हमें बार-बार यह सिखाता है कि जो कुछ पाने योग्य है, उसके लिए कुछ छोड़ने का साहस भी रखना पड़ता है। स्वतंत्रता का असली अर्थ केवल बंधनों से मुक्ति नहीं, बल्कि अपनी सोच, कर्म और सपनों को खुली उड़ान देना भी है। बेशक हर बदलाव पीड़ादायक होता है, पर वही पीड़ा मनुष्य को मजबूत सांचे में ढालती है। जो इन्सान अपने भीतर परिवर्तन ला सकता है, वही दूसरों के हृदय में भी आशा का संचार कर पाता है। सच्चा नेतृत्व आदेश से नहीं, बल्कि प्रेरणा से जन्म लेता है और जो किसी दूसरे के मन में उम्मीद का दीप जला देता है, असली मायने में वही सबसे बड़ा विजेता होता है। जब परिस्थितियां इन्सान को तोड़ने लगें, तब उसे अपने मन की दृढ़ता को ही सबसे शक्तिशाली अस्त्र बना लेना चाहिए। समय हमें नए विचार, नई चेतना और नए विवेक की ओर बुला रहा है। इस राह पर शिक्षा और ज्ञान ही वह शक्ति हैं, जो अज्ञान और अन्याय, दोनों प्रकार की गुलामी से मुक्ति दिलाती हैं। सीखने की आग और सोचने का साहस ही विकास की असली नींव है। हर मनुष्य के भीतर एक क्रांतिकारी आत्मा सोई रहती है, बस उसे जगाने के लिए केवल एक उद्देश्य की चिंगारी चाहिए। जब यह चेतना प्रज्वलित होती है, तब असफलताएं सबक बन जाती हैं, संघर्ष साधना बन जाता है और जीवन आत्मविश्वास से भरी यात्रा में बदल जाता है। स्वतंत्रता कोई एक दिन में मिलने वाला उपहार नहीं, यह रोज अर्जित होने वाली साधना है-हर निर्णय में, हर प्रयास में, हर निर्भीक कदम में। जो अपने भीतर के प्रकाश को पहचान लेता है, वह केवल अपना नहीं, कई जीवनों का मार्ग आलोकित कर देता है। आज की पीढ़ी के लिए यही संदेश है कि अपने सपनों पर भरोसा रखो, अपने विचारों को निर्भय उड़ान दो और आत्मा की स्वतंत्रता से संसार में नई ऊर्जा का संचार करो। जो अपने जीवन के उद्देश्य को जान लेता है, वही सच्चे अर्थों में मुक्त और विजयी होता है।

सूत्र -सोच को पंख दें

जीवन का सच यही है कि जीत हथियारों से नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति और संकल्प की दृढ़ता से होती है। जब इन्सान अपने भीतर की रोशनी को पहचान लेता है, तब कोई अंधकार उसे रोक नहीं पाता। स्वतंत्रता बाहरी परिस्थितियों से नहीं, भीतर की सोच की उड़ान से जन्म लेती है। हर चुनौती सीखने और बदलने का अवसर है।

संस्थानों को जवाबदेह बनना होगा

भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 का एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि हर उच्च शिक्षण संस्थान को अपने विकास की योजना सार्वजनिक करनी होगी।

रत की उच्च शिक्षा प्रणाली एक ऐसे भा मोड़ पर खड़ी है, जहां उससे केवल डिग्रियां प्रदान करने की नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण, नवाचार, वैश्विक प्रतिस्पर्धा व सामाजिक समावेशन की अपेक्षा की जा रही है। इसी पृष्ठभूमि में प्रस्तुत विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 भारतीय उच्च शिक्षा के लिए एक ऐतिहासिक और संरचनात्मक परिवर्तन का दस्तावेज है। यह विधेयक राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्ष्यों को कानूनी रूप प्रदान करता है और देश को 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर ले जाने में मानव संसाधन की भूमिका को सुदृढ़ करता है।

कई दशकों से विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों को शैक्षणिक नवाचार के बजाय अनुपालन पर अधिक समय व संसाधन खर्च करने पड़ते रहे। परिणामस्वरूप, पाठ्यक्रम समयानुकूल नहीं हो पाए, संस्थागत स्वायत्तता सीमित रही, गुणवत्ता में असमानता बढ़ी और छात्र हितों की प्रभावी सुरक्षा नहीं हो सकी। नया विधेयक इन चुनौतियों को देखते हुए स्पष्ट करता नीति है कि नियमन का उद्देश्य नियंत्रण नहीं, बल्कि गुणवत्ता और विश्वास स्थापित करना होना चाहिए। इस विधेयक के अंतर्गत विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान (वीबीएसए) की स्थापना की गई है, जो उच्च शिक्षा के लिए एक शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करेगा। इसके अंतर्गत तीन स्वतंत्र परिषदों का गठन किया गया है- नियमन, प्रशासनिक अनुपालन और संस्थागत निगरानी के लिए विकसित भारत शिक्षा विनियमन परिषद, मान्यता तथा गुणवत्ता आश्वासन के लिए विकसित भारत शिक्षा गुणवत्ता परिषद एवं शैक्षणिक मानक, पाठ्यक्रम ढांचे व अधिगम परिणाम के लिए विकसित भारत शिक्षा मानक परिषद। यह संरचना पारदर्शिता, निष्पक्षता और दक्षता सुनिश्चित करती है तथा हितों के टकराव को खत्म करती है। अब संस्थानों का मूल्यांकन केवल भवन, स्टाफ संख्या या प्रक्रियाओं के आधार पर नहीं, बल्कि छात्र अधिगम परिणाम, शैक्षिक गुणवत्ता, सुशासन, वित्तीय पारदर्शिता व सामाजिक योगदान के आधार पर भी किया जाएगा। हर उच्च शिक्षण संस्थान को अपनी संस्थागत विकास योजना सार्वजनिक करनी होगी, जिसमें उसके सभी लक्ष्यों का स्पष्ट उल्लेख होगा। इससे संस्थान परिणामों के प्रति जवाबदेह बनेंगे। विधेयक के प्रावधान के अनुसार, अब विश्वविद्यालय या महाविद्यालय बिना मान्यता के संचालित नहीं हो सकेंगे। इससे छात्रों को न्यूनतम गुणवत्ता मानकों की कानूनी गारंटी मिलेगी, कमजोर और भ्रामक संस्थानों से सुरक्षा होगी तथा डिग्रियों की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता बढ़ेगी। विधेयक उच्च शिक्षण संस्थानों को बाध्य करता है कि वे संकाय की योग्यता और संख्या, पाठ्यक्रम व अधिगम परिणाम, अवसंरचना, शुल्क संरचना, व मान्यता स्थिति जैसी प्रमुख जानकारियां सार्वजनिक करें। इससे शिक्षा के व्यावसायीकरण पर प्रभावी अंकुश लगेगा। विधेयक राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वायत्त व बहुविषयक बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाता है। उच्च प्रदर्शन करने वाले महाविद्यालयों को चरणबद्ध रूप से डिग्री प्रदान करने की स्वायत्तता दी जाएगी। इससे छात्रों को आधुनिक और उद्योग-संगत पाठ्यक्रम, नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियां और तेज व लचीली अकादमिक प्रक्रियाओं जैसे लाभ मिलेंगे। विधेयक में कहा गया है कि किसी भी दंडात्मक कार्रवाई का प्रतिकूल प्रभाव छात्रों पर नहीं पड़ेगा। यदि किसी संस्थान पर जुर्माना, स्वायत्तता में कटौती या बंदी जैसी कार्रवाई होती है, तो छात्रों की पढ़ाई बाधित नहीं होगी, उनकी डिग्रियों व प्रमाणपत्रों की वैधता सुरक्षित रहेगी एवं आर्थिक नुकसान से उन्हें बचाया जाएगा। प्रत्येक संस्थान में मजबूत, निष्पक्ष व पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य होगी। विधेयक के तहत प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालय भारत में परिसर स्थापित कर सकेंगे और उच्च प्रदर्शन वाले भारतीय विश्वविद्यालय विदेश में परिसर खोल सकेंगे। इससे छात्रों को देश में ही वैश्विक स्तर की शिक्षा उपलब्ध होगी और भारतीय डिग्रियों की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता बढ़ेगी। मानक परिषद को यह दायित्व सौंपा गया है कि वह पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परंपरा, भाषाओं और कलाओं को समाहित करे, साथ ही वैश्विक मानकों से सामंजस्य बनाए रखे। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 भारतीय उच्च शिक्षा को नियंत्रण आधारित व्यवस्था से निकालकर विश्वास, गुणवत्ता और परिणाम आधारित प्रणाली की ओर ले जाता है। यह छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सूचित चयन की स्वतंत्रता, लचीले शैक्षणिक मार्ग, वैश्विक अवसर और कानूनी संरक्षण प्रदान करता है। यह विधेयक भारत की युवा शक्ति को सशक्त बनाकर, देश को ज्ञान आधारित महाशक्ति बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। - लेखिका भारतीय विश्वविद्यालय संघ (नई दिल्ली) की महासचिव हैं।

-डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल

दूसरा पहलू

वापसी की कठिन यात्रा

लौटना और बार-बार जाकर फिर लौटना। यह क्रम हमेशा सहज नहीं होता। सब समाप्त होने के बाद फिर लौटने में थोड़ा सुकून तो होता है, लेकिन कई आशंकाएं भी मन में गहरे उतर आती हैं। लौटता हुआ इंसान कभी बेफिक्र नहीं रह पाता, क्योंकि रास्ते बदलते नहीं, उनसे जुड़ी भावनाएं भी साथ चलती हैं। अतीत की सुखद अनुभूति उसे अपनी ओर खींचती है, आशाओं से भरती है कि संभवत: इस बार वे सुखद वादे फलीभूत हो जाएंगे। मगर अतीत के कंटक, उनसे उपजे घाव और स्मृतियों में अटकी पीड़ा उसके हृदय को जकड़ लेती है। मन के अंदर दो ध्रुव खिंचाव पैदा करते हैं- एक उम्मीद का, दूसरा भय का।

पूरी तरह कदम खींचकर, मुड़कर दूसरी राह पर खुद को जबरदस्ती आगे बढ़ाने का प्रयास करने के बाद जब कोई अज्ञात भावना या ऊर्जा फिर से भीतर हलचल पैदा करती है, तो मन बहुत कुछ समझकर भी उलझ जाता है। प्रेम-पुष्प, जो जगह-जगह से बिंध चुका है, पर अभी भी आत्मा की डाली से पृथक नहीं हुआ है, वह पतझड़ से पहले शायद अंतिम उम्मीद के रूप में प्रकृति को निहारता है। मन ही मन प्रार्थना करता है कि शायद उसका अस्तित्व नए रूप में फिर से खिल उठे और हर तरफ महक फैलाए। मगर लौटना केवल किसी व्यक्ति तक सीमित नहीं होता। कई बार यह आत्म-परीक्षण का अवसर होता है- अपने फैसलों को परखने का, अपनी भावनाओं को समझने का और यह तय करने का कि क्या छोड़ा हुआ वास्तव में छोड़ने योग्य था या नहीं। लौटते समय मन की झिझक, संदेह, भय, शर्म और पिछली गलतियों की छाया साथ चलती है। इन्हीं अनुभवों के आधार पर हम स्वयं से प्रश्न करते हैं कि क्या उस समय लिया निर्णय सही था ? क्या हमने जल्दबाजी की? या क्या हमने अपने ही दिल को अनसुना कर दिया था? यह प्रक्रिया हृदय और मस्तिष्क के संतुलन को समझने का अवसर देती है। हमारे भीतर की नादानी, असुरक्षा और छिपे भय सामने आते हैं, जिन्हें पहचानना भी आधा उपचार है। लौटना इसलिए भी आवश्यक हो जाता है कि हम अपने भीतर की आवाज को एक बार फिर सुन सकें, क्योंकि कभी-कभी हम खुद को ही गलत समझ लेते हैं। और यही सबसे बड़ी चूक होती है, क्योंकि ऐसे में कई बार हम अपने सही निर्णय को गलत और गलत को सही मानने के ऊहापोह की स्थिति में पहुंच जाते हैं। जब तक हम अपनी नजर में स्पष्ट न हों कि हम गलत हैं, तब तक नतीजे के तौर पर खुद को गलत मानना ठीक नहीं।

भावनाएं जब बार-बार लौटने के बाद किसी निर्णायक मोड़ पर पहुंचती हैं, तो उनमें पहले जैसी सहजता नहीं रहती। भीतर एक अतिरिक्त सावधानी जन्म लेती है। एक मौन उदासीनता, जो नाजुक आवरण में छिपी रहती है, ताकि उम्मीदें फिर कभी मृगतृष्णा की तरह भटकती न रह जाएं।

हां, यह सही है कि भावनाएं जब बार-बार लौटने के बाद किसी निर्णायक मोड़ पर पहुंचती हैं, तो उनमें पहले जैसी सहजता नहीं रहती। भीतर एक अतिरिक्त सावधानी जन्म लेती है। एक मौन उदासीनता, जो नाजुक आवरण में छिपी रहती है, ताकि उम्मीदें फिर कभी मृगतृष्णा की तरह भटकती न रह जाएं। और यह भी कि जिस व्यक्ति के पास लौटे हैं, उसके उत्साह, प्रयास और भावनाओं को अपनी आशंकाओं के कारण धूमिला न किया जाए। इसकी वजह यह है कि वह भी समझ चुका होता है कि यह लौटना अंतिम प्रयास हो सकता है और शायद वह भी अपनी ओर से कुछ बदलने का संकल्प लिए बैठा होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि इस लौटने और वापस जाने की पुनरावृत्ति में वह पुराना अधिकार भाव नहीं बच पाता। मन के किसी कोने में यह भय स्थायी रूप से बस जाता है कि कहीं फिर किसी मोड़ पर अपना समेटा हुआ सामान उठाकर हमेशा के लिए रुखसत न होना पड़ जाए।

और सामान भी क्या... बहुत कुछ तो पहले ही नष्ट हो चुका होता है। वे मासूम भावनाएं, एकाधिकार की चाह, अल्हड़ प्रेमा और वह सादगी जो अब वैसी कभी नहीं रह सकती। कुछ खनकते कंगनों की ध्वनि... वक्त की सलवटें... आंखों के कोनों में छिपा सूनापन...! ये सब याद दिलाते हैं कि लौटना हमेशा आसाना नहीं होता। और जब शक्ति बदले हुए अस्तित्व के साथ फिर से किसी के पास जाती है, तब भी एक अनकही बेचैनी महसूस होती है। उसके बिना रहने की कोशिश, दूर होने पर खुद को संभालने की आशंका और लौटकर भी सामान्य ना हो पाने का डर साथ चलता है। मगर अगली बार सच में बसंत आ गया, तो नई कोपलें फिर फूटेंगी... कोयल की कूक फिस गूंजेगी... इंद्रधनुष फिर हृदय पर फागुन बनकर उतरेगा। लौटने की यह यात्रा खुशियों की नई रंगोली बनकर जीवन-बगिया को एक बार फिर महका सकती है शायद यही वह संकेत हो, उस अज्ञाता प्रेरणा का, जो बार-बार भीतर से कहती है कि अभी समाप्त नहीं हुआ, अभी कुछ शेषा ङ्गहै। इसलिए अगर कभी इस तरह लौटना पड़े, तो इसे कमजोरी नहीं समझना चाहिए। यह स्वयं को दिया गया अवसर है, जिससे यह समझा जा सके कि ब्रह्मांड की ऊर्जा के संदेशा क्या सच में आत्मा ने ग्रहण किए हैं, या यह केवल टूटे हृदय की पुकार है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हम भ्रमवश अपनी ही कमजोरी को संकेता समझ बैठे हों? भविष्य ही बताता है कि यह निर्णय सकारात्मक था या नकारात्मक, लेकिन आत्मविकास का एक नया अध्याय अवश्य रहेगा कि हमने कम से कम एक अंतिम बार मन की सुनकर लौटने का साहस किया। अपने भीतर झांकने का, अपनी भावनाओं को सत्यापित करने का और अपने हृदय की पुकार को उसका हक देने का। क्योंकि कभी-कभी आत्मा की पुनर्परीक्षा भी आवश्यक होती है... और लौटना उसी यात्रा का महत्त्वपूर्ण अध्याय बन जाता है।

-मेघा राठी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।एजेंसी। कमजोर माँग के चलते बुधवार को किराना बाजार में नारियल नरमी पर रहा। शक्कर में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में कारोबार सामान्य ही रहा। तिलहनों में टिकाव देखा गया। दलहनों में बाजार बने रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार बुधवार को किराना बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। कमजोर उठाव से नारियलों में बाजार नरमी के रहे। शक्कर में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में कारोबार सामान्य ही रहा। खाद्य तेलों में कारोबार सामान्य ही रहा। तिलहनों में टिकाव देखा गया। दलहनों में व्यापार कमोवेश ठंडा-ठंडा ही रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4060, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 815-860, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2050, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1510-1530, मुम्बई 1520, राजकोट तेलिया 2390, सोया साल्वेंट 1190-1200, सोया रिफाइंड 1250-1260, कपास्या 1220, धूलिया 1230, कड़ी 1230,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1450-1475, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1280,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700, एवरेज 5600-5650, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5750-5800, एवरेज 5600-5650, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। किन्तु दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार ऊंचाइयों पर रहे। भाव इस प्रकार रहे =

चॉंदी (9999) 192000, चॉंदी (99) 191200, टंच 190800, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 132500,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 26 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.40 पर बंद हुआ। रुपये में ये गिरावट रुपये कारोबार में भारी अस्थिरता के कारण आई। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को कुछ समर्थन मिला, लेकिन भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर बनी अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी ने इस असर को कमजोर कर दिया। वहीं अंत में अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.05 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे कमजोर था। हालांकि, शुरुआती गिरावट के बाद रुपये में तेज सुधार देखा गया और यह 97 पैसे की मजबूती के साथ 89.96 के स्तर तक पहुंच गया।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद 30 शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 120.21 अंक टूटकर 84,559.65 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41.55 अंक नीचे आकर 25,818.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान रियल्टी शेयरों के कारण बाजार पर दबाव पड़ा। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 0.84 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.49 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.47 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.44 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक 1.29 फीसदी, निफ्टी आईटी 0.29 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.25 फीसदी फिसलकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 321.95 अंक नीचे आकर 59,388.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 126.60 अंक टूटकर 17,138.55 पर रहा था। सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस,

सनफार्मा, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, टीसीएस, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल के शेयर लाभ में रहे जबकि ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, बीईएल, टाइटन, एशियन पेंट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे इससे पहले आज सुबह बाजार लगभग सपाट रुख के साथ खुले। डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार जारी कमजोरी ने निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर डाला। सेंसेक्स 84,856 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 169.35 अंक की बढ़त के साथ 84,849.21 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी भी 25,902 अंक पर सपाट खुलने के बाद यह 54.15 अंक की मजबूती के साथ 25,920 पर करोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों में बुधवार को ज्यादातर कमजोरी देखने को मिली। जापान से आए नए व्यापार आंकड़ों के बाद निक्केई 225 में 0.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 भी 0.21 फीसदी फिसला, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी क्षेत्रीय रुझान के उलट 0.5 फीसदी उछला। अमेरिकी बाजारों में भी मिला-जुला रुख रहा। एसएंडपी गिरावट के साथ 0.24 फीसदी नीचे बंद हुआ।

वैश्विक व्यापार में शुल्क का हथियार के रूप में बढ़ता प्रयोग, भारत सतर्क रहे- वित्त मंत्री

नई दिल्ली ।एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि वर्तमान में वैश्विक व्यापार स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं रह गया है। उन्होंने बुधवार को आयोजित भारत आर्थिक सम्मेलन में यह स्पष्ट किया कि कई देश शुल्क और अन्य उपायों का उपयोग व्यापार को हथियार बनाने के लिए कर रहे हैं। उनका कहना था कि केवल शुल्क के जरिए स्थिति को संभालना पर्याप्त नहीं है। सीतारमण ने जोर देकर कहा कि भारत ने कभी भी शुल्क का इस्तेमाल आक्रामक हथियार के रूप में नहीं किया। भारत का उद्देश्य अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा करना है, ताकि वे सस्ते या अत्यधिक माल से प्रभावित न हों। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक मजबूती ही भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अतिरिक्त लाभ दे सकती है। मंत्री ने अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क और मैक्सिको की नई घोषणा का उदाहरण दिया, जिससे स्पष्ट होता है कि कुछ देश अपने हितों के लिए शुल्क का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले कहा जाता था कि शुल्क उचित नहीं हैं, लेकिन अब नए तरीके से शुल्क बाधाएँ बनाना आम हो गया है। सीतारमण ने व्यापारिक बातचीत में भारत को सतर्क रहने की जरूरत पर जोर दिया। उनका मानना है कि सिर्फ शुल्क नीति पर्याप्त नहीं है, बल्कि मजबूत आर्थिक स्थिति और सतर्क कूटनीति ही भारत को वैश्विक व्यापार में सुरक्षित और लाभकारी बनाएगी।

वनस्पति तेल आयात में भारी गिरावट, रिफाइंड पामोलीन अधिक प्रभावित

नई दिल्ली ।एजेंसी। तेल वर्ष 2025-26 की शुरुआत (नवंबर 2025) भारत में वनस्पति तेल आयात के लिहाज से कमजोर रही। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में कुल 11.83 लाख टन वनस्पति तेलों का आयात हुआ। इसमें करीब 11.50 लाख टन खाद्य तेल और 33 हजार टन गैर-खाद्य तेल शामिल थे। यह पिछले वर्ष के समान महीने में 16.50 लाख टन आयात

के मुकाबले लगभग 28 प्रतिशत कम है। अक्टूबर 2025 में आयात 13.32 लाख टन था, जबकि नवंबर में यह 11.83 लाख टन रह गया, यानी मासिक आधार पर लगभग 11 प्रतिशत की गिरावट। रिफाइंड पामोलीन (आरबीडी पामोलिन) का आयात सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। नवंबर में केवल 3,500 टन आयात हुआ, जबकि पिछले साल यह 2.85 लाख टन था। विशेषज्ञों का मानना है कि क्रूड पाम तेल और आरबीडी पामोलीन के बीच बढ़े आयात शुल्क अंतर (8.25 से 19.25 फीसदी मई 2025 से) का सीधा असर पड़ा। जुलाई से ही इसके आयात में गिरावट देखी जा रही थी, जो नवंबर में और स्पष्ट हो गई। कच्चे सोया तेल का आयात 3.70 लाख टन पर आ गया, सालाना 9 प्रतिशत कम। कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात लगभग 1.43 लाख टन रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 58 प्रतिशत कम है। मासिक आधार पर भी सोया और सूरजमुखी तेल आयात क्रमश: 11 और 45 प्रतिशत घटे।

मेष- आज का दिन आपके लिए करियर के लिहाज अच्छा रहने वाला है। आपकी तरक्की के नए-नए मार्ग खुलेंगे। विदेश जाकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को कोई अच्छा ऑफर मिल सकता है। आप अपने सहयोगियों से मन की बात कह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आप किसी पॉलिटिक्स का हिस्सा न बने, नहीं तो इसके साथ आपकी नौकरी में समस्याएं बढ़ सकती हैं।

वृषभ- आज विद्यार्थी अपनी पढ़ाई लिखाई पर पूरा फोकस बनाएंगे। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। नौकरी में कार्यरत लोगों को कामयाबी मिलने से उसको प्रमोशन आदि मिल सकता है। आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरे होने से दिल काफी खुशी रहेगा। माता-पिता का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अच्छे भोजन का आनंद लेंगे।

मिथुन- आज आपकी नेतृत्व क्षमता बेहतर रहेगी, लेकिन आपको अपने कामों में कुछ कठिनाइयां तो आएंगी फिर भी आप उनका डटकर सामना करेंगे। किसी नए बिजनेस की आप योजना बना सकते हैं। आप संतान की फरमाइश पर किसी नए वाहन को लेकर आएंगे। आपके ऊपर यदि कोई लोन चल रहा था, तो उसे भी आप उतारने की पूरी कोशिश करेंगे। आप योग व व्यायाम से अपनी छोटी-मोटी समस्याओं को आसानी से दूर कर सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए खर्चा भरा रहने वाला है। आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आएंगे, जो आपकी टेंशनों को बढ़ा सकते हैं। नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे लोग फिलहाल रुक जाए, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको अपने कामों को ईमानदारी से करने की आवश्यकता है। आर्थिक स्थिति आपकी बेहतर रहेगी। सेहत में भी उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। आपके रिश्ते में नयापन आएगा, जिससे घर में खुशी का माहौल रहेगा। आपको सामाजिक दायरे में रहकर ही काम करना होगा। आप अपने बिजनेस की योजना में कोई बदलाव न करें, नहीं तो बाद में आपको समस्याएं बढ़ सकती हैं। आप किसी पूजा पाठ में शामिल हो सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए कामो में नई-नई ऊंचाइयां लेकर आएगा। पारिवारिक संबंधों में सामंजस्यता बनी रहेगी। आपको अपने किसी दुर रहे परिजन की याद सता सकती है। नौकरी में कार्यरत लोग अपने प्रमोशन को लेकर अपने बॉस से बातचीत कर सकते हैं और आप किसी की कही सुनी बातों पर भरोसा ना करे। राजनीति में कार्यरत लोगों को किसी नए पद की प्राप्ति हो सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए चुनौतियों भरा रहने वाला है। आप जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचें। आर्थिक मामलों को लेकर आप किसी पर भरोसा ना करें। परिवार के सदस्यों के साथ आप खुलकर बातचीत करें, जिससे कि दोनों के बीच आपसे किसी बात को लेकर तनाव है, तो वह भी दूर हो सकेगा। आप अपने व्यापार में किसी के साथ पार्टनरशिप ना करें, क्योंकि उससे आपको धोखा मिलने की संभावना है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए धैर्य व संयम से काम लेने के लिए रहेगा। आपको किसी काम को लेकर यदि थकान थी, तो वह भी दूर होगी। आप काम के साथ-साथ आराम के लिए भी समय निकाले। जीवनसाथी से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही है, तो उसमे भी आप ढील देने की कोशिश करें। आपके मन में किसी काम को लेकर निराशा बनी रहेगी। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में छोटी-मोटी बातो को लेकर नोंक झोंक हो सकती है। आप काम को लेकर कोई बड़ा जोखिम न ले। आपको किसी पारिवारिक समस्या को छोटा नहीं समझना है। आप अपने मन में कोई बात ना रखें। यदि आपको कोई समस्या महसूस हो, तो उसके लिए आप अपने पिताजी से बातचीत अवश्य करें।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। दोस्तों के साथ आप अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपके कुछ छुपे हुए शत्रु आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं। आप दिखावे के चक्कर में अत्यधिक धन व्यय ना करें। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। आप अपने किसी जमीन जायदाद के मामले को लेकर वरिष्ठ सदस्यों से बातचीत कर सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन व्यापार में कुछ अड़चनें लेकर आने वाला है। आपको किसी काम को लेकर तनाव हो सकता है। आप अपनी बुद्धि व विवेक से निर्णय लेकर लोगों को हैरान कर सकते हैं। दांपत्य जीवन में प्यार व स्नेह बना रहेगा। आपको किसी परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से आपको भाग दौड़ अधिक करनी होगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहने वाला है। परिवार में आपको सुख शांति बनाए रखनी होगी। आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आपको यदि कोई वाहन चलाएं, तो बहुत ही सावधानी से चलाएं, नहीं तो कोई चोट चपेट आदि भी लगने की संभावना है। आप अपनी संतान के मनमाने व्यवहार को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे।

शब्दजाल - 8113

शब्दजाल में राशिचक्र की 10 राशियों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट	रा
वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़	चु
मे	ष	बा	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	क	इं
नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क	डि
अ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	च	या
ल	न	र	रा	क	ली	ती	ण	घ	र	द
सिं	र्निं	ग	ट्रे	न	र	स	बा	व	स	क
ह	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क	रा
म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ	क
गॉ	ल	प	लि	जी	कुं	भ	म	प	द	क
ड	क	र्क	या	क	र्त	व्य	ब	त	म	श

मेष, मकर, वृषभ, कन्या, सिंह, तुला, कुंभ, मीन, मिथुन, कर्क

शब्दजाल - 8112 का हल

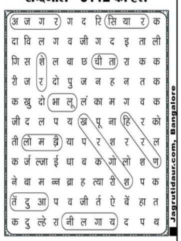

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

18 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

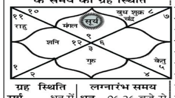

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	धनु	06.26 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मकर	08.35 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	10.21 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	11.54 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	13.25 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.05 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.03 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.16 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	21.33 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कन्या	23.44 बजे से
		तुला	01.55 बजे से
		वृश्चिक	04.10 ब.से

गुरुवार 2025 वर्ष का 352 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 05.00 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 20.07 बजे को समाप्त। **योग** धृति 15.06 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 15.48 बजे तदनन्तर शकुनि 05.00 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 23' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872562 **जूलियन दिन** 2461027.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 26 **विशेष** मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: विनम्रता का पाठ

संत रमन्ना के आश्रम में अनेक लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आते थे। एक दिन एक जिज्ञासु व्यक्ति आया और संत के पास शीघ्र पहुंचने के लिए जल्दी से अपने जूते उतारने लगा। जूते आसानी से नहीं उतरे, तो क्रोध में उसने किसी तरह पैर पटककर उन्हें उतारा और तेजी से आश्रम के दरवाजे को धकेल कर संत के पास पहुंच गया। आते ही उसने कहा, 'बाबा, मैं आपसे अपनी समस्या का समाधान जानने आया हूं।' संत बोले, 'तुम्हारी समस्या का समाधान असंभव है।' वह व्यक्ति आश्चर्य से बोला, 'भला मेरी समस्या का समाधान क्यों नहीं होगा?' संत ने कहा, 'क्योंकि तुम ठीक से व्यवहार करना ही नहीं जानते। जो विनम्र नहीं हो सकता, उसका काम भी सफल नहीं होता।' व्यक्ति ने पूछा, 'पर मेरे व्यवहार में क्या दोष है?' संत बोले, 'कदम-कदम पर है। तुम अकारण क्रोध में वस्तुओं को नुकसान पहुंचाते हो। तुमने अभी-अभी जूते और दरवाजे पर क्रोध किया। जाओ उनसे माफी मांगो।' वह व्यक्ति हैरानी से बोला, 'मैं बेजान चीजों से माफी मांगूं?' संत बोले, 'तुम बेजान वस्तुओं के साथ भी सही ढंग से व्यवहार नहीं कर सकते और चाहते हो कि ईश्वर व संसार तुम्हारे साथ उचित व्यवहार करे। यदि तुमने इन वस्तुओं को वास्तव में बेजान समझा होता तो तुम इन पर क्रोध ही नहीं करते। विनम्रता से सारी समस्याओं के समाधान स्वयं हो जाते हैं।' वह व्यक्ति संत का आशय समझ गया। उसने उन वस्तुओं के साथ-साथ संत से भी माफी मांगी और आगे से हमेशा हर किसी के साथ विनम्रता से पेश आने का वचन दिया।

फिल्म वर्ग पहेली- 7057

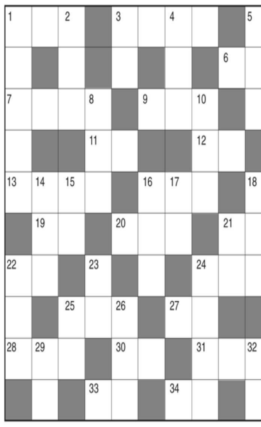

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी है-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7056

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7366

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7365 का हल

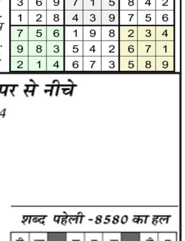

शब्द पहेली - 8581

बाएँ से दाएँ

1.रमण योग्य-4
4.साल,वर्ष-3
6.बांया-2
7.राय,वोट-2
9.तकरार,कहासुनी-4
11.अंधकार,अंधेरा-3
12.सरल,आसान-3
13.चील,ईगल-2
14.देवदास की प्रेमिका-2
15.सूली,क्रूस-3
17.कारण-3
19.मन को हरने वाला-4
21.कार्य,काज-2
23.बाण,तीर-2
24.दबाना,कुचलना-3
25.हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1.परंपरा,रीति-रिवाज-4
2.संस्कृत में 'मेरा'-2
3.भरोसा,विश्वास-3
4.दीदी,भगिनी-3
5.समान,एक जैसा-2
8.अंधेरा,अंधकार-3
9.बोरिया बिस्तर-4
10.रिहा-2
12.तालाब,जलाशय-4
15.तमीज,शिष्टता-3
16.मछली,एक राशि-2
18.ज्वरताप-4
19.चिंतन,विचार-3
20.रनिवास (उर्दू-3)
22.नशा,अभिमान-2
23.पार्थिव देह,लाश-2

शब्द पहेली -8580 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

ग्राम पंचायत परसवाड़ा में गहराता जा रहा अतिक्रमण विवाद

प्रशासन की सुस्ती से नाराज ग्रामीणों ने दी भूख हड़ताल की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जनपद क्षेत्र लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवाड़ा में पानी टंकी के लिये चयनित शासकीय भूमि में अतिक्रमण को लेकर चला आ रहा महीनो पुराना विवाद प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नहीं सुलझाये जाने से नाराज अतिक्रमण की खिलाफत कर रहे एक पक्ष ने अब पंचायत के भीतर ही अतिक्रमण की लाईन खीचकर शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाये जाने की मांग की है और उनका कहना है की यदि पानी टंकी के लिये चयनित शासकीय भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया जाता तो वे पंचायत के भीतर अतिक्रमण कर देंगे और निर्माण शुरू कर देंगे। वहीं प्रशासन द्वारा मामले को शीघ्र नहीं सुलझाया गया तो उनके द्वारा पंचायत परिसर के सामने ही भूख हड़ताल भी प्रारंभ कर दी जाएगी जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी। हालांकि बालाघाट जिले में यह पहला ऐसा मामला है जहां ग्रामीणों द्वारा ग्राम से अतिक्रमण हटाने को लेकर पंचायत परिसर के अंदर ही अतिक्रमण की लकीर खींच दी गई है। इस मामले में दूसरे पक्ष का कहना यह है की वे अतिक्रमण हटाने को तैयार है परंतु ग्राम सरपंच द्वारा ग्राम के अन्य स्थानों पर फैलाये गये अतिक्रमण को पहले हटा दिया जाये जिसके बाद वे स्वतः ही अपना अतिक्रमण भी हटा लेंगे। प्रशासन द्वारा इस मामले में सुस्त रवैया अपनाने से ग्राम में कहीं बड़ा विवाद जन्म न ले इससे इंकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों द्वारा क्षेत्रिय विधायक को भी इस संबंध में अवगत कराने के बाद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं देने की बात

कहते हुए नाराजगी व्यक्त की गई।

तारीख देकर भी अतिक्रमण हटाने नहीं पहुंचा प्रशासन- विजय लिल्हारे

ग्रामीणो द्वारा पंचायत परिसर के अंदर कब्जे के संबंध में सरपंच विजय लिल्हारे ने कहा हमारे द्वारा ग्रामीणों के साथ तहसील कार्यालय जाकर अतिक्रमण हटाने को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था जिसके बाद एसडीएम लांजी द्वारा 17 दिसंबर बुधवार को अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया गया था परंतु आज उनके द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गई जिसके संबंध में उनसे पूछा गया तो उन्होने तहसीलदार महोदय से कहने की बात कही जिसके बाद तहसीलदार हिम्मतसिंह भवेदी संपर्क किया गया तो उनके द्वारा भी टालमटोल करते हुए किसी अन्य दिन कार्यवाही किये जाने की बात दोहराई। जिसके बाद सरपंच द्वारा जिला कलेक्टर को इस संबंध में अवगत कराया गया तो उनके द्वारा कहा गया की सरपंच स्वयं पुलिस प्रशासन की मदद से शासकीय भूमि का अतिक्रमण हटा सकते हैं। परंतु सरपंच विजय लिल्हारे का कहना है कि अगर मेरे द्वारा उक्त कार्यवाही की जाती है तो विपक्षी लोगों द्वारा मुझे झूठे और मनगढंत प्रकरणों में फंसाने का कार्य किया जाता है। अतः इस मामले को अब प्रशासन को ही देखना चाहिए। ग्रामीणों द्वारा आज पंचायत परिसर में कब्जा किया गया है और यहां पर निर्माण की बात कही जा रही है।

पहले सरपंच स्वयं हटाएं अपना अतिक्रमण - वीरेंद्र लिल्हारे

ग्राम पंचायत परसवाड़ा में अतिक्रमण विवाद में दूसरे पक्ष के वीरेंद्र सुखराम लिल्हारे का कहना है की हमारे द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण जरूर किया गया है परंतु हमारी मांग यह है कि सरपंच सबसे पहले अपना अतिक्रमण हटाये उसके बाद ग्राम के अन्य स्थानों पर जो अतिक्रमण है हम स्वयं अपना अतिक्रमण हटा लेंगे। प्रशासन आकर पूरे ग्राम में जांच करें तो सच्चाई सभी के सामने आ जाएगी। हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है, हम सिर्फ अपने साथ-साथ अन्य अतिक्रमण को हटाने की मांग लेकर प्रशासन के पास गये थे परंतु प्रशासन द्वारा आश्वासन तो दिया गया परंतु कार्यवाही नहीं की जा रही है। जिससे ग्राम में विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है। सरपंच के पक्ष के लोगों द्वारा हमे गंदे एवं अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित किया जा रहा है। दूसरे पक्ष के लोगों द्वारा इस मामले में क्षेत्र के विधायक से भी आग्रह किया गया की उक्त मामले में शीघ्र ही कोई निराकरण निकालें अन्यथा स्थिति गंभीर रूप ले सकती है।

शासकीय भूमि से शीघ्र अतिक्रमण हटाये प्रशासन..

इस मामले में ग्राम पंचायत परिसर में अतिक्रमण करने वाली महिलाओं मनीषा अंबादे, फुलवंताबाई लिल्हारे, नीलेश्वरी तुमसरे एवं अन्य ग्रामीणों का कहना रहा कि ग्राम पंचायत परसवाड़ा में पिछले काफी वर्षों से पीने के पानी की समस्या बनी हुई है जिसको लेकर सरपंच के अथक प्रयासों से जलजीवन मिशन अंतर्गत पानी टंकी स्वीकृत हुई है और स्थान का भी चयन हुआ है परंतु ग्राम के ही राजा लिल्हारे द्वारा अपनी मनमानी करते हुए जो अतिक्रमण शासकीय भूमि पर किया गया है वह पूरी तरह गलत है उक्त स्थान से प्रशासन को संज्ञान लेकर तुरंत कार्यवाही करना चाहिए जिससे शासकीय जमीन अतिक्रमण से मुक्त हो सके। वहीं परिसर के बाजू में स्थित भूमि स्वामी बालकृष्ण तुरकर द्वारा इस मामले में प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की गई उनका कहना है की मेरी भूमि के सामने ग्रामीणों द्वारा बिना मेरी अनुमति के कॉलम गड्ढे के लिये चूना लगाया जा रहा है जो अनुचित है।

इनका कहना है

ग्रापं. परसवाड़ा में दो पक्षों द्वारा अतिक्रमण किये जाने की हमे बीते दिनों शिकायत और ज्ञापन मिले हैं, दोनो पक्षों द्वारा की अतिक्रमण की शिकायत की जांच की जा रही है आगे अतिक्रमण पाये जाने पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

हिम्मत सिंह भवेदी
तहसीलदार लांजी

लांजी ब्लॉक अध्यक्ष बने रेवाराम कराटकरे

बहेला उपब्लॉक की कमान ऋषि पटेल दशरिया को

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर संगठन को मजबूत करने और युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, श्रीमती सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी की मंशा के अनुरूप मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बड़ा कदम उठाया है। पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और संगठनात्मक अनुशासन को ध्यान में रखते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरिश चौधरी के अनुमोदन एवं प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर जिला कांग्रेस की अनुशंसा से लांजी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर रेवाराम कराटकरे तथा बहेला उपब्लॉक कमेटी अध्यक्ष पद पर ऋषि पटेल दशरिया को मनोनीत किया गया है। नवमनोनीत पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने में पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी है और संगठन को और सक्रिय बनाने का आह्वान किया है।

इस मनोनयन पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अर्चना रेवेंद्र खोंगल, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेंद्र खोंगल, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, ओंकार बाबा रहांगडाले,शहर कांग्रेस कमेटी लांजी अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति उमरे, मीना सुधीर दशरिया, खेमचंद दानी, ललित कबीरे, जनपद सभापति दिनेश लाडें, टुमनलाल घोरमारे, महेश चौधरी, चित्ररेखा पवन भोयर, युवराज पटले, श्यामलाल बेदरे, सुरेश नारनौरे, नरबदा मरसकोले, अशोक पालीवाल, पार्षद सौरभ मोनु पशीने, पार्षद पूनम शरद आसटकर, मुकेश रणदिवे, मनीषा रविंद्र धारणे, राजू मेढे, संजीत ठाकरे ,लिखेंद्र उपराड़े, कोमल काड़े, मनीष जुझार, अफसाना सिद्दिक अंसारी, महेंद्र सोनवाने, योगेन्द्र हरिणखेड़े, देबीलाल चौधरी, बबली मिश्रा, अनमोल तिडके, शरद आसटकर, मानिक पाचे, स्नेहलता बागड़े, चंदु किरनापुरे, पी.डी. भालाधरे, पवन कश्यप, भरतलाल बडमे, सीताराम बडमे, दिनेश चौहान, धमेंद्र चुटे, घनश्याम पटले, लीलाधर डोलस, मुकेश दशरिया, राम ठाकरे, लक्ष्मण कावरे, महेश मातरे, लीलाराम मानकर, श्रीचंद कामडे, राजकुमार टांडेकर, खेमराज मच्छिरके, पोषण मस्करे, घनश्याम धामने, मुन्ना वानखेडे, सैयद अरसद, विजय लिल्हारे, चमरू पगवार, समीम पटेल, कैलाश कुराहे, खेमलाल ठकरेला, सुरेंद्र चौधरी, नरेंद्र गजबे, दयाराम डहारे, लालमदास लिल्हारे, धनराज बोम्बर्डे, भरतलाल टेंभरे, हेमराज ठाकरे, बंटी गौतम, प्रदीप ठाकरे, अंकित ठाकरे, चंदु मलगाम, संतोष दुरूगकर, अमन श्रीवास्तव, शिवम नखाते, मोनु हरिनखेडे, नीरज मोरघडे, नीरज पगाडे, आदर्श ठाकरे, कैलाश मस्करे, खेमलाल ठाकरेला, धनीराम इनवाती, रामेश्वर बिल्थरे, भरत बनोठे, राकेश बागड़े, अफजल बेग, अजय गोस्वामी, शफीक खान, जुग्गू खान, सखाराम वरकडे, धनेंद्र कावरे, जीतू मोरघड़े, गणेशराम नारनौरे, राजू मस्करे पोषण मसकरे, रामकृष्ण गिरिया, राजकुमार तांडेकर, चंदू मलघाम, चंद्रकांत भोयर, रेवाराम खरे, दुर्गेश मेश्राम, गौतम उइके सहित समस्त कांग्रेस जनों ने उन्हें बधाईयां प्रेषित कर नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

भुरसाडोंगरी में आत्मा समिति एवं कृषि विभाग ने किया समूह दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकासखंड लांजी अंतर्गत ग्राम भुरसाडोंगरी में 17 दिसम्बर 2025 को आत्मा समिति एवं कृषि विभाग लांजी के तत्वावधान में समूह दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम में जैव संसाधन केंद्र की स्थापना भी की गई, जिसका उद्देश्य किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित कर उनकी आय में वृद्धि करना है।

कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा ग्राम के किसान भाइयों एवं बहनों को समूह निर्माण की महत्ता पर विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि किस प्रकार स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सामूहिक प्रयास कर किसान अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं। साथ ही प्राकृतिक तरीकों से कीटनाशक एवं जैविक दवाओं के निर्माण, उनके उपयोग तथा विक्रय की संभावनाओं पर भी मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण में जैविक एवं प्राकृतिक खेती तथा रासायनिक खेती के बीच अंतर को सरल शब्दों में समझाया गया। रासायनिक खेती से होने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इसका नकारात्मक असर मानव स्वास्थ्य, मृदा की उर्वरता तथा पर्यावरण पर पड़ता है, जबकि जैविक एवं प्राकृतिक खेती से मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है और उत्पादन भी सुरक्षित होता है।

किसानों को बीज शोधन एवं बीज उपचार की विधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले पंचामृत जैसे—बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्निस्त्र एवं दसपर्णी अर्क—को तैयार करने की विधि विस्तारपूर्वक समझाई गई। अधिकारियों ने बताया कि इन प्राकृतिक उपायों से फसलों को रोगों से बचाया जा सकता है और लागत में भी कमी आती है।

कार्यक्रम में फसल विविधीकरण, जैव विविधीकरण एवं फसल चक्र पद्धति के लाभों पर विशेष जोर दिया गया। किसानों को बताया गया कि फसल चक्र अपनाने से न केवल उत्पादन बढ़ाया जा सकता है, बल्कि कीट एवं रोगों का प्रकोप भी कम किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त पराली प्रबंधन तथा डीएपी एवं एनपीके उर्वरकों के संतुलित एवं सही उपयोग की जानकारी भी किसानों को दी गई।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रामवासियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही और सभी में विशेष उत्साह देखने को मिला। किसानों एवं ग्रामवासियों ने भविष्य में भी इस प्रकार के उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता जताई।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत भुरसाडोंगरी की सरपंच श्रीमती सुकमन धनराज चौधरी, श्रीमती रूपलता ऊइके, श्रीमती प्रीति विजयवार, श्रीमती ममता सिरामें, शैलेश बागड़े, सेवानिवृत्त कृषि विस्तार अधिकारी अशोक नरताम, प्रगतिशील कृषक मुकेश नेवारे सहित कृषि विभाग लांजी से आत्मा विभाग के विकासखंड तकनीकी प्रबंधक अजय बिजेवार, सहायक तकनीकी प्रबंधक विनय उइके, कृषि विस्तार अधिकारी कुलविन कुमार, सेवानिवृत्त कृषि विस्तार अधिकारी के.एस. विजयवार, समूह अध्यक्ष खेमराज विजयवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्राम की महिलाओं एवं कृषि सखियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। कृषि सखियों में श्रीमती ओमेश्वरी बनसोड, श्रीमती लीला रहगंडाले, श्रीमती यशवंती माहुले, श्रीमती लीना दशहरे, श्रीमती निशा मसखरे, श्रीमती रूपा कंकरायने एवं श्रीमती रूपा उइके की सक्रिय उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर कांद्रीकला का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज ।किरनापुर। जिला कलेक्टर बालाघाट मृणाल मीना, अनुविभागीय अधिकारी मायाराम कोल एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के दिशा-निर्देशन में विकासखण्ड किरनापुर अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर के अधीनस्थ आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कांद्रीकला में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (हृक्र्र) के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुदृढ़ करने हेतु निर्धारित गतिविधियाँ सफलतापूर्वक संपन्न की गईं।इस अवसर पर भारत सरकार के केन्द्रीय दल द्वारा एन.क्यू.ए.एस.के दल द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में नेशनल असेसर डॉ. निलंजन गंगोपाध्याय एवं डॉ. आकृति कुमार सम्मिलित थे। निरीक्षण के दौरान संस्थान में उपलब्ध ओपीडी सेवाएँ, औषधि वितरण व्यवस्था, स्वच्छता एवं संक्रमण नियंत्रण, रोगी सुरक्षा, रोगी अधिकार तथा अभिलेख संधारण प्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई। एन.क्यू.ए.एस. के प्रावधानों के अनुरूप यह सुनिश्चित किया गया कि मरीजों को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गुणवत्ता आधारित सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निरंतर सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस संबंध मे खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. वर्ष चौबे ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था में वर्तमान में सी.एच.ओ. द्रोणिका लिल्हारे, ए.एन.एम. श्रीमती कांता श्यामकुवर, सेक्टर सुपरवाइजर श्री प्रदीप येरपुड़े, आशा सुपरवाइजर श्रीमती संगीता बाहें तथा आशा कार्यकर्ता शोभा पतरे, मीना तुरकर, प्रमिला गायधने, सतवंती ठाकरे, प्रमिला मेंढे एवं हिरन कोरे* पदस्थ हैं। संस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार कराने में सी.एम.एच.ओ. डॉ. परेश उपलप, जिला क्वालिटी नोडल अधिकारी डॉ. पंकज महाजन, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. वर्ष चौबे, डी.पी.एम. विक्रम सिंह ठाकुर एवं प्रभारी सी.पी.एच.सी. सलाहकार राजाराम चक्रवर्ती के मार्गदर्शन एवं सहयोग से कार्य किया गया। इसके साथ ही जिला क्वालिटी मेंटर विनोद कामड़े तथा सी.एच.ओ. मेंटर श्रीमती ज्योति राहंगडाले एवं समस्त सी.एच.ओ. का निरंतर सहयोग प्राप्त हुआ। स्वास्थ्य विभाग का निरंतर प्रयास है कि क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को सुलभ, विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु एन.क्यू.ए.एस. के अंतर्गत नियमित निगरानी, मूल्यांकन एवं आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

बालचंद धुवारे का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम भुरसाडोंगरी मोतीटोला निवासी शिक्षक गिरधारी धुवारे के पिता बालचंद धुवारे का 87 वर्ष की उम्र में 17 दिसंबर की सुबह करीब 10 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे 2 पुत्र ,एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ इस दुनिया से विदा हो गए। जिनका अंतिम संस्कार आज 18 दिसंबर को प्रातः 11 बजे स्थानीय मोक्षधाम मोतीटोला में किया जाएगा। इस निधन पर रिश्तेदारों, समाज और ग्राम के गणमान्य लोगों ने शोक श्रद्धांजली अर्पित कर परिवार को दुखः सहन करे की परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

लांजी मे पद्मेश
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

नेशनल हेराल्ड केस...देश में कांग्रेस ने भाजपा कार्यालयों पर किया प्रदर्शन

कांग्रेसियों ने मोदी-शाह के पोस्टर पर पोती कालिख, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस में धक्का-मुक्की

नई दिल्ली/भोपाल/रायपुर/जयपुर। नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कांग्रेस ने देशभर में भाजपा कार्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया। दरअसल, कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार संवैधानिक संस्थाओं, विशेषकर ईडी का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को राजनीतिक प्रतिशोध के तहत परेशान कर रही है। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू जिला न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार किया है, जिससे कांग्रेस नेतृत्व को बड़ी राहत मिली है। इसी फैसले के बाद राजधानी भोपाल में कांग्रेसी बुधवार को भाजपा कार्यालय का घेराव करने निकले। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बीच रास्ते में रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान बैरिकेडिंग पर चढ़ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन का प्रयोग किया। इस दौरान कई कार्यकर्ता वॉटर कैनन के प्रेशर से सडक़ पर गिरकर चोटिल हुए। मौके पर जीतू पटवारी और भोपाल के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से बहस भी हुई। इसके

बाद पुलिस ने धक्का-मुक्की कर कार्यकर्ताओं को बसों में बैठाकर ले गई। इस दौरान पीसीसी चीफ पटवारी के इशारे में कांग्रेसियों ने पुलिस की बस का घेराव कर दिया। प्रदर्शन में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी, भोपाल शहर अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, ग्रामीण अध्यक्ष अनोखी पटेल, पूर्व मंत्री पीपी शर्मा, गोविंदपुर के पूर्व प्रत्याशी रविंद्र साहू, मनोज शुक्ला सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

बघेल, महंत, बैज उतरे सडक़ पर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पंडरी में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता पहुंचे। कांग्रेस नेता नारेबाजी करते हुए भाजपा कार्यालय घेरने आगे बढ़े। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत, पीसीसी चीफ दीपक बैज भी मौजूद रहे। भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। इसके अलावा पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, पूर्व विधायक अनिता शर्मा, विकास उपाध्याय समेत एनएसयूआई नेता और कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल थे। मेकाहारा चौक के पास कार्यकर्ताओं की पुलिस से धक्कामुक्की हो गई। कार्यकर्ता बैरिकेड्स को तोड़ते हए आगे बढ़े। हालांकि, कुछ दूर बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोक लिया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के पोस्टर पर कालिख पोती। बता दें कि यह प्रदर्शन नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर किया गया। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि नेशनल हेराल्ड मामले में राजनीतिक द्वेष के तहत कार्रवाई की जा रही है। लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है। प्रदर्शन को देखते हुए इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। भारी पुलिस बल तैनात रही।

बैरिकेड से गिरे विधायक

राजस्थान कांग्रेस ने बुधवार को जयपुर में भाजपा मुख्यालय की ओर कूच किया। पुलिस ने बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया। कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हो गई। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गोविंद सिंह डोटासरा को अपने कंधों पर उठा लिया। वहीं, विधायक मनीष यादव बैरिकेड पर चढक़र दूसरी ओर उतरने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें डंडे से रोका। उनका संतुलन बिगड़ गया और वे गिर पड़े। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस नेता बेहोश होकर गिर पड़ीं।पुलिस ने पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कई प्रमुख नेताओं को हिरासत में ले लिया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा तीनों जनता के सामने आ गया है। भाजपा वाले भ्रष्टाचार को लेकर आरोप लगाते हैं, लेकिन अगर वह भाजपा जॉइन कर ले तो उसके सारे पाप माफ हो जाते हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा बोले- नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी से 55-55 घंटे पूछताछ की। उन्हें परेशान किया गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्थिति साफ कर दी।

अलग-अलग थाना इलाकों में छोड़ा

भोपाल में भाजपा दफ्तर का घेराव करने निकले कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गए। पुलिस ने उन्हें खदेडऩे के लिए वॉटर कैनन का प्रयोग किया। कई कार्यकर्ता पानी के प्रेशर से सडक़ पर गिरकर घायल हो गए। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और दूसरे कार्यकर्ताओं की पुलिस से बहस भी हुई। इसके बाद पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बसों में बैठा दिया। बाद में इन्हें अलग-अलग थाना इलाकों में छोड़ दिया गया।

मध्य प्रदेश-राजस्थान में शीतलहर जैसे हालात, जम्मू-कश्मीर में पारा -1.8 डिग्री पहुंचा

नई दिल्ली। उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में शीतलहर जैसे हालात बने हुए हैं। दोनों राज्यों के 19-19 शहरों में मंगलवार को तापमान 10डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान के गंगानगर और हनुमानगढ़ समेत कई जिलों में मंगलवार सुबह से ही कोहरा छाया रहा। सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि नागौर में पारा 5.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

यूपी के 19 जिलों में बुधवार को शीतलहर के साथ घना कोहरा छाया रहा। ओस की बूंदें रिमझिम बारिश जैसी गिरती रहीं। लखनऊ, गोंडा, संभल, चंदौसी में विजिबिलिटी शून्य रिकार्ड की गई। सड़कों पर 10 मीटर दूर भी कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में मंगलवार रात घने कोहरे के साथ तापमान माइनस 1.8डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। दिल्ली में धुंध के कारण इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर 10 फ्लाइट्स कैंसिल की गईं। दिल्ली मंगलवार को दुनिया का तीसरा

सबसे प्रदूषित शहर था। यहां एक्यूआई 378 दर्ज किया गया। 425 एक्यूआई के साथ लाहौर पहले, सरायेवो दूसरे नंबर पर रहा।

उत्तराखंड के निचले इलाकों में बुधवार सुबह घना कोहरा छाया। सबसे ज्यादा असर देहरादून, हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर में रहा। पहाड़ों में भी पाला और हल्की धुंध दिखाई दी। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य भर में आज मौसम शुष्क रहने की संभावना है। पहाड़ से लेकर मैदान तक बारिश या बर्फबारी के संकेत नहीं हैं। वहीं हरियाणा के ज्यादातर इलाकों में बुधवार सुबह कोहरा छाया रहा। 7 जिलों में कोहरे को लेकर यलो अलर्ट जारी किया। इनमें सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखीदादरी, जींद और रोहतक शामिल हैं। मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ों से आ रही सर्दी हवाओं से राज्य के तापमान में एक बार फिर गिरावट आ सकती है। राजस्थान से सटे इलाकों में धुंध का असर बढ़ सकता है।

मध्य प्रदेश की बात करें तो यहां एक बार फिर से शीतलहर का दौर शुरू हो गया है। भोपाल, रायसेन, राजगढ़, शाजापुर-सीहोर में बुधवार को शीतलहर का अलर्ट है। वहीं, भोपाल, ग्वालियर समेत 22 जिलों में घना कोहरा छाएगा। कोहरे की वजह से ट्रेनें-फ्लाइट भी डिले हो रही हैं। मंगलवार को छतरपुर के नौगांव में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 500 से 1 हजार मीटर के बीच रही।

एसआईआर में लगे किसी भी आईएएस अफसर को ट्रैनिंग पर जाने की अनुमति नहीं

भोपाल । लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी में 1 जनवरी 30 जनवरी तक मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। इसमें शामिल होने के लिए आईएएस अधिकारियों को 19 दिसंबर तक ऑनलाइन पंजीयन करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार ने प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए एसआईआर कार्य में लगे किसी भी आईएएस अफसर को अनुमति नहीं दी है। खासकर किसी भी कलेक्टर एसआईआर कार्य से मुक्त नहीं किया गया है।

केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय की संयुक्त सचिव छवि भारद्वाज ने पिछले हफ्ते राज्य सरकार को पत्र लिखकर 2016, 2017 और 2018 बैच के अलावा 2010 से 2015 बैच के आईएएस अधिकारियों को फेस-3 प्रशिक्षण पर मसूरी भेजने को कहा है। वर्ष 2010 से लेकर 2016 तक 24 जिलों के कलेक्टर ऐसे हैं, जिन्होंने मिड करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम हिस्सा नहीं लिया है। इस बीच राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में लगे आईएएस अधिकारी खासकर जिलाधीश और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को प्रशिक्षण पर नहीं भेजा जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय और लाल बहादुर शास्त्री प्रशिक्षण अकादमी मसूरी को पत्र लिखा जा रहा है। हालांकि जो अधिकारी एसआईआर में नहीं लगे है, उन्हें जाने की अनुमति दे दी गई है।

कांग्रेस के आरोप प्रशिक्षण पर जाएंगे 24 कलेक्टर

प्रदेश कांग्रेस ने आरोप लगाए है कि एसआईआर प्रक्रिया के बीच 24 जिलों के कलेक्टर प्रशिक्षण पर जाएंगे। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जे.पी. धनोपिया निर्वाचन आयोग भोपाल पहुँचे और इस गंभीर विषय पर निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि प्रदेश में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया जारी है, जिसका अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को प्रस्तावित है। इस प्रक्रिया के दौरान जिला कलेक्टर ही जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में निर्वाचन आयोग के प्रति प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं।

होम से जीएडी को पहुंचा पुलिस भर्ती बोर्ड प्रपोजल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के करीब चार माह बाद गृह विभाग ने प्रदेश में पुलिस भर्ती बोर्ड के गठन का प्रस्ताव सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) को भेजा है। इसके बाद अब वित्त और विधि विभाग के परीक्षण के बाद इस मामले को कैबिनेट में लाए जाने की कवायद होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 15 अगस्त को पुलिस भर्ती बोर्ड के गठन की घोषणा की थी। पुलिस भर्ती बोर्ड का प्रस्ताव दक्षिण के राज्यों के साथ यूपी और गुजरात के भर्ती बोर्ड की स्टडी के आधार पर तैयार किया गया है।

प्रदेश में पुलिस भर्ती बोर्ड के गठन को लेकर लंबे समय से चल रही कवायद में तब तेजी आने के संकेत मिले थे जब मुख्यमंत्री डॉ यादव ने स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर सीएम निवास में हुए कार्यक्रम में पुलिस भर्ती बोर्ड के गठन का ऐलान किया था। इसके पहले यह प्रस्ताव पीएचक्यू में तैयार होकर रोक दिया गया था क्योंकि तब प्रशासनिक तौर पर इसे मंजूरी मिलने के संकेत नहीं मिले थे लेकिन जब सीएम ने घोषणा की तो इसके लिए बंद फाइल को फिर नए सिरे से खोलकर प्रस्ताव तैयार किया गया। बताया जाता है कि इस प्रस्ताव पर 100 दिन के विचार मंथन के बाद गृह विभाग ने अब इसे जीएडी को भेजा है।

स्कूलों से होगी बाल विवाह की मुखबिरी, तैयार की जा रही है बाल सेना

भोपाल। मप्र में बाल विवाह रोकने के लिए अब स्कूली छात्र-छात्राएं मुखबिरी करते नजर आएंगे। छात्र-छात्राओं की दी गई सूचना पर महिला बाल विकास विभाग की टीम मौके पर जाकर बाल विवाह रोकने की कार्रवाई कर सकेगी। इसके लिए स्कूलों में बाल सेना तैयार हो रही है। बाल विवाह मुक्त भारत की कार्य योजना के तहत स्कूली छात्र-छात्राओं को जागरूक किया जा रहा है और उन्हें बाल विवाह रोकने की शपथ दिलाई जा रही है। प्रदेश में हर महीने औसतन 42 बाल विवाह हो रहे हैं। हाल ही में विधानसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2021 से लेकर 2025 तक कुल 2916 बाल विवाह के मामले दर्ज किए गए हैं। इतना ही नहीं तमाम प्रयासों के बावजूद बाल विवाह के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। कुछ दिनों पूर्व ही इंदौर में 36 नाबालिग जोड़ों की शादी रुकवाई गई थी। वहीं, धार जिले में भी करीब 40 से ज्यादा नाबालिग की शादी रोकी गई थी। इन हालातों के मद्देनजर बाल विवाह की रोकथाम के लिए स्कूली छात्र-छात्राओं को जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग स्कूली छात्र-छात्राओं को बाल विवाह निषेध अधिनियम की जानकारी दे रहा है। इसके साथ ही बाल विवाह रोकने और उसमें शामिल नहीं होने के लिए बच्चों को स्कूलों में शपथ दिलाई जा रही है।

बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता अभियान

दरअसल, बाल विवाह मुक्त भारत की कार्य योजना के तहत जिले में स्कूली छात्र-छात्राओं को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए महिला बाल विकास विभाग का एक विशेष दल निरंतर अलग-अलग स्कूलों में जाकर बच्चों को अधिनियम की जानकारी देने के साथ बाल विवाह में शामिल नहीं होने की शपथ भी दिला रहा है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

नर्सिंग कॉलेज में एडमिशन प्रक्रिया के लिये सरकार को तत्काल औपचारिक आदेश जारी करने के निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजो में प्रवेश प्रक्रिया में हो रही गंभीर अनियमितताओं के खिलाफ दायर याचिका पर मंगलवार को जबलपुर हाई कोर्ट की न्यायधीश विवेक रूसिया और न्यायधीश प्रदीप मित्तल की संयुक्त बैंच ने महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए हजारों नर्सिंग छात्रों के हित में बड़ा फैसला सुनाया है। यह याचिका एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार सहित अन्य याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर की गई थी। याचिका की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता रवि परमार की ओर से अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय ने कोर्ट में स्पष्ट किया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ाए जाने के बावजूद पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग और मास्टर ऑफ साइंस नर्सिंग को काउंसलिंग प्रक्रिया से बाहर रखा गया, जो कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के विपरीत है, जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए थे, कि मध्य प्रदेश राज्य में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटें केवल उन्हीं योग्य उम्मीदवारों से भरी जाएं, जिन्होंने राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा में भाग लिया हो। और जो भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा निर्धारित योग्यताओं को पूरा करते हों। इसके बावजूद राज्य नर्सिंग परिषद की लापरवाही के कारण हजारों सीटें रिक्त रह गई।

- खाली पड़ी सीटों के आंकड़ों पर हाई कोर्ट ने जताई गंभीर चिंता

हाई कोर्ट ने खाली पड़ी सीटों के आंकड़ों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। अदालत के समक्ष प्रस्तुत विवरण के अनुसार, पीबी बीएसी नर्सिगं में शासकीय कॉलेजो में 66 सीटें खाली हैं। प्राइवेट कॉलेजो में 3018 सीटें खाली हैं। एवं एमएससी नर्सिंगग में शासकीय कॉलेजो में 70 सीटें खाली हैं, प्राइवेट कॉलेजो में 1120 सीटें खाली हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण छात्रों का भविष्य दांव पर लगाया गया।

- भारतीय नर्सिंग परिषद तत्काल औपचारिक आदेश जारी करे

सभी तथ्यों, दस्तावेजों को ध्यान में रखते हुए हाई कोर्ट ने भारतीय नर्सिंग परिषद को निर्देश दिए कि वह तत्काल औपचारिक आदेश जारी करे, जिससे पीबी बीएसी नर्सिंग और एमएससी नर्सिंग की रिक्त सीटों पर नियमों के अनुसार अलग-अलग काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ की जा सके। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि यह पूरी प्रक्रिया 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण की जाए।

- फैसला हजारों नर्सिंग छात्रों के भविष्य की जीत

फैसले को छात्र हितों की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि, 卐यह फैसला केवल एक याचिका की जीत नहीं है, बल्कि मध्य प्रदेश के हजारों नर्सिंग छात्रों के भविष्य की जीत है। सरकार और संबंधित विभागों की लापरवाही के कारण छात्र लगातार परेशान हो रहे थे, लेकिन माननीय न्यायालय ने समय रहते हस्तक्षेप कर छात्रों को न्याय दिलाया।

कर्मचारियों की श्रेणी समाप्त करने निर्णय कर्मचारी विरोधी

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने सरकार के मंत्री परिषद में लिए गए कर्मचारियों की श्रेणी समाप्त करने के निर्णय को कर्मचारी विरोधी निरूपित किया है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने सरकार से मांग की है कि श्रेणी समाप्त करने से पहले अस्थाई-स्थाई,अंशकालीन, दैनिक वेतन भोगी एवं अन्य समाप्त की गई। श्रेणियां में कार्यरत कर्मचारियों को नियमितीकरण का लाभ देने के बाद श्रेणी समाप्त करने का निर्णय लिया जाना था।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि सरकार ने मंत्री परिषद में स्थाई कर्मी, अंशकालीन, दैनिक वेतन भोगी, अस्थाई सहित सात संवर्ग के कर्मचारियों की श्रेणी को समाप्त करने का निर्णय लिया है। जबकि यह श्रेणी सरकार एवं न्यायालय के आदेश पर स्थापित की गई थी। कर्मचारियों की श्रेणी एवं संवर्ग समाप्त करने से लाखों अस्थाई स्थाई दैनिक वेतन भोगी एवं अंशकालीन सहित सात संवर्ग के कर्मचारी के सेवा अधिकारों का हनन होगा तथा नौकरी संकट में पड़ जाएगी। अस्थाई कर्मचारियों को श्रम अधिकारों का लाभ भी नहीं मिल पाएगा। राज्य सरकार पहले स्थाई कर्मी, दैनिक वेतन भोगी, अंशकालीन एवं अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करने का आदेश जारी करें, उसके बाद श्रेणी समाप्त करने का आदेश जारी करे। सरकार ने मात्र तीन श्रेणी नियमित संविदा आउटसोर्स को ही निरंतर रखने का निर्णय लिया है। यह निर्णय भी कर्मचारियों की संख्या को घटाने का निर्णय है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने निर्णय है कि 28 दिसंबर को भोपाल में स्थाई कर्मी, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी, अंशकालीन कर्मचारी एवं अस्थाई कर्मचारियों की प्रदेश स्त्ररीय बैठक आयोजित की जाएगी तथा राज्य सरकार के निर्णय के विरोध में निंदा प्रस्ताव पारित किया जाएगा और प्रांत व्यापी आंदोलन करने का निर्णय लिया जाएगा।

नए साल से मिशन इलेक्शन मोड में सरकार

भोपाल। मप्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी सरकार के लिए आगामी तीन साल चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। एक तरफ सरकार को जहां आगामी तीन सालों के दौरान 6 चुनाव कराने होंगे, वहीं सरकार के मुखिया को अपनी पार्टी के साथ मिलकर भाजपा की जीत के लिए भी काम करना है। इस कारण नए साल यानी 2026 की शुरूआत से सरकार मिशन इलेक्शन मोड में आ जाएगी। दरअसल, 2026 में 2026 में सहकारिता, मंडी और जल उपभोक्ता समिति के चुनाव, 2027 में नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायतराज संस्थाओं के चुनाव तथा 2028 के अंत में विधानसभा के चुनाव होने हैं।

आगामी वर्षों में आयोजित होने वाले चुनावों को देखते हुए शासन-प्रशासन नए साल से तैयारी में जुट आएगा। गौरतलब है कि प्रदेश में सहकारिता और मंडी चुनाव वर्षों से लंबित है। ऐसे में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी कि इन चुनावों को हर हाल में संपन्न कराया जाए। 2026 में सहकारिता, मंडी और जल उपभोक्ता समिति के चुनाव कराने की तैयारी है। वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसमें किसानों से जुड़ी गतिविधियां होंगी और इनसे संबंधित चुनाव होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभागीय समीक्षाओं के दौरान मंत्रियों और अधिकारियों को चुनावों की तैयारी करने के निर्देश दे दिए हैं। वहीं, 2027 में नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायतराज संस्थाओं के चुनाव प्रस्तावित हैं। 2028 के अंत में विधानसभा के चुनाव होंगे। सरकार इसकी तैयारियों में जुट गई है।

12 साल से सहकारिता और मंडी चुनाव नहीं

प्रदेश में सहकारी समितियों और कषि मंडियों के चुनाव लगातार टलते जा रहे हैं। पिछले करीब 12 साल से सहकारिता और मंडी चुनाव नहीं हो पाए हैं। प्रदेश की 4,523 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति और 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के चुनाव 2013 में हुए थे। नियमानुसार 2018 में चुनाव होने थे लेकिन विधानसभा और लोकसभा चुनाव के कारण ये टल गए। कांग्रेस ने कर्जमाफी योजना के कारण इन्हें स्थगित रखा और डेढ़ साल बाद जब फिर

आगामी 3 साल में 6 चुनाव कराने की चुनौती होगी सरकार के सामने

भाजपा सरकार लौटी तो किसी ना किसी बहाने से चुनाव टलते गए। इस बीच हाईकोर्ट में कई याचिकाएं लगीं और चुनाव कराने के निर्देश भी मिले लेकिन समितियों के पुनर्गठन और नए समिति के गठन के कारण मामला टल गया। सरकार ने अधिनियम में संशोधन करके यह प्रविधान भी कर दिया कि विशेष परिस्थिति में चुनाव कराने संबंधी प्रविधान को शिथिल भी किया जा सकता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह हो रहा है कि समितियों के कामकाज में ठहराव आ गया है क्योंकि प्रशासक की रुचि केवल समिति सुचारू रूप से काम करती रहे, तक ही सीमित होती है।

चुनाव कराने की मांग लगातार उठ रही

भले ही सहकारी समितियों के चुनाव गैर दलीय आधार पर होते हैं, लेकिन इसमें राजनीतिक दखलंदाजी पूरी तरह रहती है। कार्यकर्ताओं को इनमें अवसर भी मिलता है। समितियों के पुनर्गठन का काम भी दो-तीन माह में पूरा हो जाएगा। भारतीय किसान संघ से लेकर अन्य संगठन भी चुनाव कराने की मांग रहे हैं। इसे देखते हुए सरकार ने तैयारी प्रारंभ कर दी है। यही स्थिति कृषि उपज मंडी समितियों की है। इनके चुनाव भी वर्ष 2017 में होने थे लेकिन टलते गए। प्रशासक अधिकतम दो वर्ष के लिए रखे जा सकते थे, वह अवधि भी पूरी हो गई है। जल उपभोक्ताओं समितियों के भी यही हाल हैं। इनके चुनाव भी 2028-19 से नहीं हुए। इस बीच यह संशोधन भी कर दिया गया कि अब समितियों का कार्यकाल दो के स्थान पर पांच वर्ष का रहेगा।

निकाय और पंचायतों चुनाव के लिए परिसीमन

मप्र में 2027 में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव होंगे। इस बार नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष का चुनाव सीधे मतदाता करेंगे। सरकार ने हाल ही में नगर पालिका अधिनियम में संशोधन करके पुरानी व्यवस्था लागू कर दी है। 2022 में सरकार ने पार्षदों के माध्यम से अध्यक्ष के चुनाव कराए थे। जिला और जनपद पंचायतों में अभी यही व्यवस्था है। सदस्य अध्यक्ष का चुनाव करते हैं। इसमें भी नगरीय निकायों की तरह व्यवस्था बनाने की मांग उठ रही है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में इसे लेकर विचार भी चल रहा है। वहीं नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने सरकार से राज्य परिसीमन आयोग बनाने की सिफारिश की है। सरकार इस प्रस्ताव को मानती है तो नगर निगम के मेयर, नगर पालिका-परिषद के अध्यक्ष, पंचायत में पंच-सरपंच, जनपद और जिला पंचायत अध्यक्ष के पदों का आरक्षण और वार्डों के परिसीमन का जिम्मा आयोग का रहेगा। अभी नगरीय निकायों के लिए ये काम नगरीय प्रशासन विभाग और पंचायतों के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग करता है। राज्य निर्वाचन आयोग ने इसका ड्राफ्ट बनाकर सरकार को भेज दिया है। केंद्रीय परिसीमन आयोग को जो अधिकार मिले हैं, ठीक उसी तरह राज्य परिसीमन आयोग के अधिकार भी प्रस्तावित किए हैं। इसमें नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के पुनर्गठन (री-स्ट्रक्चरिंग), परिसीमन (डिलिमिटेशन) और परिमार्जन (मॉडिफिकेशन) का जिक्र किया है। खास बात ये है कि आयोग के फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकेगी।

विधानसभा चुनाव के लिए अभी से तैयारी

मप्र में विधानसभा चुनाव को अभी 3 साल का समय है। लेकिन चुनाव की तैयारियों को लेकर शासन-प्रशासन अभी से जुट गए हैं। चुनाव आयोग विधानसभा चुनाव को लेकर एसआईआर करवा रहा है। वहीं सरकार चुनावी वर्ष से पहले प्रदेश में विकास पर अधिक से अधिक फोकस करने जा रही है। गौरतलब है कि 2028 नवंबर-दिसंबर में विधानसभा का चुनाव प्रस्तावित हैं। चुनावों को देखते हुए सभी संबंधित विभागों ने तैयारी प्रारंभ कर दी है। उधर, वित्त विभाग भी तीन वर्ष की वित्तीय आवश्यकता को देखते हुए रोलिंग बजट तैयार करा रहा है यानी विभागों को अभी से आकलन करना है कि उन्हें तीन वर्ष में कितने बजट की आवश्यकता होगी।

IPL में ग्रीन सबसे महंगे, टॉप-5 में तीन विदेशी

IPL के अगले सीजन के लिए मंगलवार को अबू धाबी में हुए मिनी ऑक्शन में ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन सबसे महंगे रहे। उन्हें KKR ने अपने साथ जोड़ा। ग्रीन ने अपने ही देश के मिचेल स्टार्क का रेकॉर्ड तोड़ा। टॉप-5 में तीन विदेशी खिलाड़ी रहे।

कैमरन ग्रीन, ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर, बेस प्राइस 2 करोड़, कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीदा

सबसे महंगे अनकैप्ड प्रशांत और कार्तिक

चेन्नै सुपर किंग्स ने प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा -दोनों को ही 14.20-14.20 करोड़ में खरीदा। दोनों का बेस प्राइस 30 लाख ही था।

प्रशांत वीर ₹14.20 करोड़

19 साल के **कार्तिक** शर्मा राजस्थान के विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। यूपी के 20 वर्षीय प्रशांत बाएं हाथ के स्पिनर हैं।

कार्तिक शर्मा ₹14.20 करोड़

मथीशा पथिराना ₹18 करोड़

कोलकाता ने ही श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को 18 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा। पथिराना IPL में बिकने वाले सबसे महंगे श्रीलंकाई प्लेयर बने।

SRH ने लियम लिविंगस्टोन को 13 करोड़ रुपये में अपने खेमे में शामिल किया। LSG ने भी बोली लगाई, लेकिन बाद में पीछे हटी।

लियम लिविंगस्टोन ₹13 करोड़

'अनकैप्ड' का जलवा

इंटरनैशनल मैच नहीं खेलने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बड़ी सफलता मिली। बिके 77 खिलाड़ियों में से 39 अनकैप्ड रहे। इनमें जम्मू-कश्मीर के फास्ट बोलर आकिब नबी दार भी हैं, जिन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने 8.40 करोड़ रुपये में खरीदा। उनकी भी शुरुआती कीमत भी 30 लाख रुपये थी।

मिनी नीलामी में बिके सबसे महंगे खिलाड़ी

चेन्नई सुपर किंग्स
कार्तिक शर्मा- 14.2 करोड़
प्रशांत वीर- 14.2 करोड़
राहुल चाहर- 5.2 करोड़

कोलकाता नाइट राइडर्स
कैमरन ग्रीन- 25.2 करोड़ रुपये
मथीशा पथिराना- 18 करोड़
मुस्तफिजुर रहमान- 9.2 करोड़

सनराइजर्स हैदराबाद
लियाम लिविंगस्टोन- 13 करोड़
जैक एडवर्ड्स- 3 करोड़
सलील अरोड़ा- 1.5 करोड़

लखनऊ सुपर जॉइंट्स
जोश इंग्लिस- 8.6 करोड़
मुकुल चौधरी- 2.6 करोड़
अक्षत रघुवंशी- 2.2 करोड़

दिल्ली कैपिटल्स
आकिब नबी डार- 8.4 करोड़
पथुम निसांका- 4 करोड़

राजस्थान रॉयल्स
रवि बिश्नोई- 7.2 करोड़
एडम मिल्ने- 2.4 करोड़
रवि सिंह- 95 लाख

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
वेंकटेश अय्यर- 7 करोड़
मंगेश यादव- 5.2 करोड़
जैकब डफी- 2 करोड़

गुजरात टाइटंस
जैसन होल्डर- 7 करोड़
टॉम बैंटन- 2 करोड़
अशोक शर्मा- 90 लाख

पंजाब किंग्स
बेन ड्वारशुइस- 4.4 करोड़
कूपर कोनोली- 3 करोड़
मुंबई इंडियंस
क्विंटन डि कॉक- 1 करोड़

आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी के बाद बनी सभी 10 टीमें

मुम्बई। आईपीएल 2026 के लिए मंगलवार को आबूधाबी में हुई नीलामी में सभी दस फ्रैंचाइजियों ने अपनी-अपनी जरुरतों के अनुसार खिलाड़ियों को खरीदा है। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन 25 करोड़ 20 लाख रुपय के साथ ही सबसे महंगे खिलाड़ी बने हैं। ग्रीन को कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। वहीं कई टीमों ने इस नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ियों पर भी मोटी रकम खर्च की। सभी टीमों ने अपनी-अपनी जरुरतों के अनुसार खिलाड़ियों को खरीदकर बेहतर टीम बनाने का प्रयास किया है हालांकि ये समय आने पर पता चलेगा कि किसकी टीम सबसे बेहतर बनी है। मिनी ऑक्शन में 369 खिलाड़ियों पर बोली लगी, जिसमें 77 खिलाड़ियों को खरीदने के लिए 10 टीम ने मिलकर कुल 215.15 करोड़ रुपये खर्च किये।

सीएसके टीम -
संजू सैमसन, आयुष म्हात्रे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस, प्रशांत वीर, एमएस धोनी (विकेटकीपर), नाथन एलिस, मैट हेनरी, नूर अहमद, खलील

केकेआर टीम
कैमरन ग्रीन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रोवमैन पॉवेल, रमनदीप सिंह, सुनील नरेन, हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, मथीशा पथिराना, वरुण चक्रवर्ती.

लखनऊ सुपर जायंट्स
मिचेल मार्श, एडेन ाम, निकोलस पूरन, ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), आयुष बदोनी, अब्दुल समद, वानिंदु हसरंगा, शाहबाज अहमद, आवेश खान, मोहम्मद शमी, दिग्वेश राठी।

दिल्ली कैपिटल्स
केएल राहुल (विकेटकीपर), बेन डकेट, नितीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल (कप्तान), डेविड मिलर, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, आकिब नबी, कुलदीप यादव, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन

राजस्थान रॉयल्स
आरआर अंतिम ग्यारह = यशस्वी जयसवाल, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिम्रोन हेटमायर, डोनोवन फेरिएरा, रवींद्र जडेजा, सैम करन, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, तुषार देशपांडे

सनराइजर्स हैंदराबाद
ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासेन, अनिकेत वर्मा, लियाम लिविंगस्टोन, पैट कमिंस (कप्तान), हर्ष दुबे, हर्षल पटेल, शिवम मावी

आरसीबी
अंतिम ग्यारह विराट कोहली, फिल साल्ट, वेंकटेश अय्यर, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, जोश हेजलवुड

मुम्बई इंडियंस
एमआई प्लेइंग इलेवन = रोहित शर्मा, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), नमन धीर, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मयंक मारकंडे, ट्रेंट बोल्ट

पंजाब किंग्स
पीबीकेएस प्लेइंग इलेवन= प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, नेहल वढेरा, मिच ओवेन, मार्कस स्टोइनिस, शशांक सिंह, मार्को यानसेन, अर्शदीप सिंह, लॉकी फर्ग्यूसन, युजवेंद्र चहल.

गुजरात टाइटंस
शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, राहुल तेवतिया, राशिद खान, साई किशोर, कागिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज।

कैरी के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने बनाये 8 विकेट पर 326 रन

एडिलेड। एलेक्स कैरी के शतक और उस्मान ख्वाजा के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरु हुए एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट में अपनी पहली पारी में दिन का खेल समाप्त होने के समय तक 8 विकेट पर 326 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय पर मिचेल स्टार्क 33 पर जबकि नाथन लियोन ने अपना खाता नहीं खोला था। वहीं इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने 3, ब्रायडन कार्स ने 2, विल जैक्स ने 2, और जोश टंग ने 1 विकेट लिए।

आज ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शीर्ष के बल्लेबाज सस्ते में ही आउट हो गये। इसके बाद कैरी और ख्वाजा ने टीम को

संभाला। ख्वाजा को स्टीव स्मिथ के बीमार होने के कारण अंतिम समय पर टीम में शामिल किया गया था। टीम के दोनो सलामी बल्लेबाज, ट्रेविस हेड और जैक वेदरलैंड आज असफल रहे। मध्क्रम में मार्नस लाबुशेन और कैमरन ग्रीन भी रन नहीं बना पाये। एक समय टीम ने 94 रन पर ही 4 विकेट खो दिये थे। इसके बाद ख्वाजा और कैरी ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी बनायी। ख्वाजा 126 गेंद पर 82 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। कैरी ने 143 गेंद पर 1 छक्का और 8 चौकों की मदद से 106 रन बनाये। छठे विकेट के लिए उन्होंने जोश इंग्लिस के साथ 59 और आठवें विकेट के लिए मिचेल स्टार्क के साथ 50 रन बनाये।वहीं स्टार्क 63 गेंद पर 33 रन बनाकर नाबाद रहे।

सरफराज ने नीलामी में खरीदने वाली सीएसके के प्रति आभार जताया

मुम्बई । बल्लेबाज सरफराज खान को लंबे समय तक हुई उपेक्षा के बाद आंखिरकर आईपीएल 2026 की मिनी-नीलामी में ख्ररीदा गया है। इससे भावुक हुए सरफराज ने कहा कि इससे उनके कैरियर को नई जिंदगी मिली है जिसके लिए वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के आभारी हैं।

सफराज को सीएसक ने हालांकि ृबेस प्राइस 75 लाख रुपये में ही खरीद लिया। सरफाराज को घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन को देखते हुए सीएसके ने खरीदा है। सरफराज ने नीलामी से कुछ घंटे पहले ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एक मैच में तेजी से खेलते हुए 22 गेंदों में 73 रन की आक्रामक पारी खेली थी। शुरुआती राउंड में में वह अनसोल्ड रहे पर इसके बाद सीएसके ने उन्हें खरीद लिया।

सरफराज ने अंतिम बार साल 2023 में में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेला था। इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सरफराज ने अब तक छह पारियों में 256 रन बनाए हैं, उनका औसत 64.00 और स्ट्राइक रेट 182.85 रहा है। सरफराज ने सोशल मीडिया पर जारी अपनी पोस्ट में कहा कि सीएसके ने उनके करियर को नई जिंदगी दी है जिसके लिए वह टीम के आभारी है। सरफराज ने एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद सीएसके, मुझे नई जिंदगी देने के लिए। सीएसके ने सरफराज के अलावा मैट हेनरी और राहुल चाहर को भी अपनी टीम में शामिल किया है।

आईपीएल से करोड़पति बने मप्र के मंगेश यादव

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से उभरते हुए क्रिकेटरों की किस्मत कितनी तेजी से बदलती है। इसका उदाहरण मध्यप्रदेश की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले लेफ्ट आर्म पेस ऑलरांउडर मंगेश यादव को देखकर लगाया जा सकता है। दो दिन पहले ही घरेलू क्रिकेट में डेब्यू करने वाले मंगेश को मिनी नीलामी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 5.20 करोड़ रुपये में खरीदा। मंगेश पर बेस प्राइस से साढ़े 17 गुना ज्यादा की बोली लग गई। मंगेश अपने पेशेवर डेब्यू के कुछ ही घंटों के बाद करोड़पति बन गए। यहां तक कि दूसरा मुकाबला उन्होंने आईपीएल 2026 के नीलामी वाले दिन खेला था।

23 साल के मंगेश यादव मध्य प्रदेश के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। 14 दिसंबर को वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के जरिए अपना पेशेवर डेब्यू करने में सफल रहे। उस मैच में पंजाब के खिलाफ मंगेश ने 12 गेंदों में 28 रन बनाये और गेंदबाजी में 3 ओवर में 38 रन देकर दो विकेट भी लिए। वहीं नीलामी वाले दिन वे झारखंड के खिलाफ मुकाबला खेलने उतरे, जो लगातार मुकाबले जीतती आ रही थी। उस मैच में भी एक रन से झारखंड को जीत मिली। इस मैच में 4 ओवर में 47 रन दिए और एक विकेट हासिल किया।

इस क्रिकेटर केके अंडर 23 क्रिकेट के 8 मैचों में 18 विकेट लिए थे, जिनमें इकॉनमी रेट उनका 6 से कम का था और औसत 23.44 का था। एमपीटी20 लीग में भी उन्होंने कमाल की गेंदबाजी की थी। मंगेश यादव ने ग्वालियर में आयोजित एमपीटी20 लीग 2025 में ग्वालियर की टीम के लिए खेलते हुए 6 मैचों में 14 विकेट लिए थे।

आईपीएल में अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी

दुबई । आईपीएल के 19 सत्र के लिए हुई नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को सबसे अधिक रकम मिली है। उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 25.2 करोड़ रुपये में खरीदा है। इस प्रकार ग्रीन आईपीएल इतिहास के दस महंगे खिलाड़ियों में तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये ही था। वह आईपीएल 2025 के ऋषभ पंत के 27 करोड़ रुपये और श्रेयस अय्यर-26.75 करोड़ रुपये का रिकार्ड नहीं तोड़ पाये। ग्रीन के लिए शुरुआत में राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स में काफी टक्कर हुई पर बोली 11 करोड़ से ऊपर बोली पहुंचते ही राजस्थान पीछे हट गयी। इसके बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) आगे आई। इसके बाद केकेआर और सीएसके के बीच ग्रीन को पाने होड़ रही। सीएसके ने आईपीएल इतिहास में कभी किसी खिलाड़ी पर इतनी ज्यादा राशि की बोली नहीं लगाई थी। जितनी 24 करोड़ की बोली ग्रीन पर लगायी लेकिन केकेआर ने 25.2 करोड़ रुपये में बाजी मार ली।

आईपीएल इतिहास के 10 सबसे महंगे खिलाड़ी

ऋषभ पंत- 27 करोड़ (लखनऊ सुपर जॉइंट्स, आईपीएल 2025)
श्रेयस अय्यर- 26.75 करोड़ रुपये (पंजाब किंग्स, आईपीएल 2025)
कैमरन ग्रीन- 25.2 करोड़ रुपये, (केकेआर, आईपीएल 2026)
मिचेल स्टार्क- 24.75 करोड़ (केकेआर, आईपीएल 2024)
वेंकटेश अय्यर- 23.75 करोड़ (केकेआर, आईपीएल 2025)
पैट कमिंस- 20.50 करोड़ (सनराइजर्स हैदराबाद, आईपीएल 2024)
सैम करन- 18.5 करोड़ (पंजाब किंग्स, आईपीएल 2023)
अर्शदीप सिंह- 18 करोड़ (पंजाब किंग्स, आईपीएल 2025)
युजवेंद्र चहल- 18 करोड़ (पंजाब किंग्स, आईपीएल 2025)

आईपीएल और पीएसएल कार्यक्रम टकराया

मुम्बई। साल 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की पाकिस्तान क्रिकेट लीग (पीएसएल) से तारीखें टकरा रही हैं। इसका कारण है कि आईपीएल 26 मार्च से मई अंत तक खेला जाएगा। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी 11वां सत्र अगले साल 26 मार्च से तीन मई तक रखा है। य पहली बार नहीं है जब पीसीबी ने इस प्रकार की तारीखें घोषित की है। पहले भी

पीएसएल की तारीखें आईपीएल से टकराती रही हैं। ये लगातार दूसरी बार है जब यह आईपीएल के साथ ही पीएसएल भी खेला जाएगा। इससे उन खिलाड़ियों को नुकसान होगा जो आईपीएल में अवसर न मिलने पर पीएसएल में खेलते हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने मार्च में पीएसएल के नये सत्र की घोषणा की है। आईपीएल भी इसी समय खेला जाएगा। नकवी ने कहा कि इस दौरान पाकिस्तान टीम के अंतरराष्टीय कार्यक्रम में बदलाव किया जायेगा। पाकिस्तान को मार्च अप्रैल में बांग्लादेश में दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इस साल भारत और श्रीलंका में फरवरी मार्च में टी20 विश्व कप भी होना है, जो कि मार्च के पहले सप्ताह तक चलने वाला है।

ऐसे में पीसीबी को अपनी ही टीम के कार्यक्रम को अब पीएसएल 2026 की वजह से आगे करना है। मार्च और मई में पीएसएल का आयोजन होगा तो निश्चित तौर पर पाकिस्तान और बांग्लादेश सीरीज मई के अंत में शुरू होगी। हालांकि, बांग्लादेश का शेड्यूल कैसा है? ये भी सोचना होगा, क्योंकि तीनों फॉर्मेट की सीरीज को आगे खिसकना बहुत ज्यादा कठिन होगा। हो सकता है कि सीरीज को छोटा किया जाए, क्योंकि बांग्लादेश की टीम को न्यूजीलैंड भी जाना है। अब देखना ये है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस सीरीज को कैसे समायोजित करता है। हालांकि, एक बाद है कि क्रिकेट प्रशंसकों को लगातार मैच देखने को मिलेंगे।

ग्रीन ने स्टार्क सहित इन विदेशी खिलाड़ियों को पीछा छोड़ा

दुबई। इंडियपन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में बिकने वाले पांच सबसे महंगे खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन शीर्ष पर आ गये हैं। इस प्रकार आईपीएल नीलामी इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 2026 मिनी नीलामी में 25 करोड़ 20 लाख रुपये में खरीदा। ग्रीन का बेस प्राइस दो करोड़ रुपये था। वह पीठ की सर्जरी के कारण पिछले आईपीएल में शामिल नहीं थे। उन्होंने 2023 में मुंबई इंडियंस और 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से उतरे थे। इस बार नीलामी में मिली रकम के साथ ही ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क सहित चार अन्य खिलाड़ियों को भी पीछे छोड़ दिया।

स्टार्क - ग्रीन ने अपने ही देश के स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा है। तेज गेंदबाज स्टार्क को केकेआर ने आईपीएल 2024 नीलामी में 24 करोड़ 75 लाख रुपये में लिया था। हालांकि, केकेआर ने स्टार्क को अगले सीजन से पहले रिलीज कर दिया। वह अब दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का हिस्सा हैं।

पैट कमिंस- इस सूची में तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस हैं। तेज गेंदबाज कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने 2024 में आईपीएल नीलामी में 20.50 करोड़ रुपये में अपने साथ शामिल किय था। वह आगामी सीजन में भी सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे।

सैम करन- इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन को 2023 में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने 18 करोड़ 50 लाख रुपये में खरीदा था पर वह उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके थे।

बेन स्टोक्स- ऑलराउंडर बेन स्टोक्स संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान स्टोक्स को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2023 नीलामी में 16 करोड़ 25 लाख रुपये में लिया था।

आईपीएल में अवसर नहीं मिलने पर अन्य जगह संभावनएं तलाशेंगे मैट शॉर्ट

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज और ऑलराउंडर मैट शॉर्ट ने कहा है कि अगर उन्हें आईपीएल में अवसर मिलता है तो वह खेलने के लिए पूरी तरह सो तैयार हैं पर अगर उन्हें अवसर नहीं मिलता तो वह अन्य लीग्स में खेलने पर ध्यान देंगे। पंजाब किंग्स के लिए 2023 में खेलते हुए शॉर्ट ने अपनी क्षमता साबित नहीं कर पाए इसी कारण अगली नीलामी में किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें नहीं चुना था।

मैट शॉर्ट को 2023 में जॉनी बेयरस्टो की चोट के कारण रिप्लेसमेंट प्लेयर के रूप में पंजाब किंग्स में शामिल किया गया था। छह मैचों में खेलने के बावजूद उन्होंने कोई अर्धशतक नहीं बनाया और 19.50 की औसत के साथ कुल 117 रन ही जोड़ पाए। शॉर्ट ने माना कि लीग की प्रतिष्ठा के कारण तब वह दबाव ने उन्हें प्रभावित किया। शॉर्ट ने बताया, शायद मैं थोड़े जल्दी में आईपीएल में आया था। यह मेरा पहला विदेशी टूर्नामेंट था, सीधे आईपीएलमें खेलना बड़ा अनुभव था। वहीं कहा कि इस बार अवसर मिला तो वह खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं।

शॉर्ट ने अपने खेल के मानसिक पक्ष पर भी काम किया है। डेविड रीड की मदद से उन्होंने ध्यान केंद्रित करना का भी अभ्यास किया है। उनके पास बिग बैश और दुनिया भर की अन्य प्रतियोगिताओं का अनुभव है। इससे मुझे दबाव को संभालने और विभिन्न परिस्थितियों में खेलने का आत्मविश्वास मिला है। अब अगर चुना गया, तो मैं पूरी तरह तैयार रहूंगा।शॉर्ट ने कहा कि यदि उन्हें अवसर नहीं मिलता है तो वह आगे के अवसरों की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक चीज़ नहीं होती, तो हम कुछ और खोज लेंगे। मैं ऑक्शन को देखूंगा और फिर परिणाम का इंतजार करूंगा।

मसूद नहीं संभालेंगे कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स पद

कराची। पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ने क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के दिये कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स के पद को ठुकरा दिया है। मसूद को पीसीसी ने इस पद का प्रस्ताव दिया था पर वह इसे संभालने के लिए तैयार नहीं हैं। मसूद के अनुसार इससे वह राष्टीय टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा सकेंगे। पिछले माह पीसीबी ने मसूद को यह पद इस आश्वासन के साथ दिया था कि क्रिकेट से संन्यास के बाद उन्हें डायरेक्टर का स्थायी पद मिलेगा। यह पहली बार है जब किसी मौजूदा टेस्ट कप्तान को पीसीबी ने इस प्रकार का प्रस्तान दिया है।

वहीं कहा गया कि मसूद अपनी उच्च शिक्षा और प्रबंधन के

क्षेत्र में जानकारी के कारण दोनों जिम्मेदारियों को साथ में निभा सकेंगे। वहीं मसूद ने काफी विचार के बाद पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को बताया कि वह दोनों जिम्मेदारियों को ठीक से नहीं निभा सकेंगे। शान ने बताया कि साल 2026 और 2027 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए पाक का कार्यक्रम काफी व्यस्त है, और वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचाना चाहते हैं।

मसूद ने नकवी से अनुरोध किया है कि उन्हें अपनी क्रिकेट जिम्मेदारियों पर ध्यान देने दिया जाए। साथ ही कहा कि वह क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पीसीबी के साथ काम करने के लिए तैयार रहेंगे। पीसीबी ने मसूद के इंकार के बाद वर्तमान स्टाफ को ही मामलों को संभालने को कहा है। ऐसे में तय है है कि एशिया कप के दौरान डायरेक्टर इंटरनेशनल क्रिकेट अफेयर्स के पद से निलंबित उस्मान वाहला को एक बार फिर बहाल किया जा सकता है। ।

अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : अशोक शर्मा बने सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

नई दिल्ली। राजस्थान की टीम के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने मुम्बई के खिलाफ मैच में अथर्व अंकोलेकर का विकेट लेने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। अशोक के अब 22 विकेट हो गये हैं और उन्होंने बड़ौदा के लुकमान मेरीवाला का 21 विकेटों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

अशोक ने जैसे ही 22 वां विकेट लिया। वैसे ही उनके विकेटों की संख्या इस सत्र में सबसे अधिक 22 पहुंच गई। इससे ज्यादा विकेट किसी भी गेंदबाज ने इस टूर्नामेंट के करीब 20 साल के इतिहास में नहीं लिए थे। इससे पहले ये रिकार्ड 21 विकेट के साथह ही बड़ौदा के तेज गेंदबाज लुकमान मेरीवाला के नाम था। मेरीवाला ने साल 2013-14 की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में घातक गेंदबाजी की थी और कुल 21 विकेट निकाले थे। वहीं अब वह दूसरे स्थान पर फिसल गए हैं। 10 मैचों में अशोक ने 22 विकेट निकाले हैं। दो बार उन्होंने 4 विकेट भी लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चल रहे अंशुल कंबोज ने 10 मैचों में 20 विकेट लिए हैं।

सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों में लापरवाही पर पटवारी निलंबित कोटवार पद से बर्खास्त

500 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों का कलेक्टर स्वयं करवा रहे निराकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने सीएम हेल्पलाईन की 500 दिनों से अधिक की लंबित शिकायतों के निराकरण के लिए एक नई पहल की है। इसके अंतर्गत वे सप्ताह में एक दिन विभिन्न विभागों की शिकायतों का चयन कर संबंधित विभाग के एल-01 स्तर के अधिकारी को समक्ष में बुलाकर उनके द्वारा शिकायत पर की गई कार्यवाही की जानकारी ले रहे है और शिकायत के निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही कर उसे संतुष्टि के साथ बंद करवा रहे है। इसी पहल के अंतर्गत 17 दिसम्बर को कलेक्टर श्री मीना ने 04 शिकायतों को समक्ष में सुना और उनका निराकरण करवाया। इन शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाये जाने पर एक पटवारी को निलंबित करने व एक कोटवार को पद से पृथक करने के साथ ही 01 एसडीएम, 01 तहसीलदार एवं 02 पटवारी को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए है।

परसवाड़ा तहसील के अंतर्गत ग्राम कुम्हनगांव के तुपेंद्र कुमार तिल्लासी ने खाद्यान्न पर्ची में नाम जोड़ने के लिए सीएम हेल ?पलाइन में शिकायत किया था। यह शिकायत 500 से अधिक दिन से निराकरण के लिए लंबित थी। 17 दिसम्बर को संबंधित एल-01 अधिकारी को समक्ष में बुलाकर इस शिकायत के संबंध में जानकारी ली गई तो पता चला कि आवेदक का नाम खाद्यान्न पर्ची में जुड़ गया है लेकिन वह तकनीकी कारणों से पोर्टल पर दिखाई नही दे रहा था। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने परसवाडा के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को इस शिकायत की तकनीकी समस्या का निराकरण कर तत्काल बंद करने के निर्देश दिए।

खैरलांजी तहसील के ग्राम मोहाड़ी के गणेश कटरे द्वारा खरीदी गई जमीन का बटांकन नही किये जाने के संबंध में सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी। यह शिकायत 500 से अधिक दिनों से लंबित थी। 17 दिसम्बर को कलेक्टर श्री मीना ने संबंधित क्षेत्र के राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी को समक्ष में बुलाकर दोनो रकबे का अलग-अलग बटांकन कर मौके पर पायी गई यथास्थिति के अनुसार बटांकन कर नक्शा काटने और आवेदक को प्रदान करने के निर्देश दिये। उन्होंने इस शिकायत को तत्काल संतुष्टि के साथ बंद करने और इस प्रकरण में तत्कालीन पटवारी को अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

लामता की सुमन मर्सकोले द्वारा धान की फसल क्षति का मुआवजा नही मिलने की शिकायत की गई थी। यह शिकायत 500 से अधिक दिनों से लंबित थी। इस शिकायत की जांच में पाया गया कि सुमन मर्सकोले को फसल क्षति का मुआवजा मिल गया है लेकिन तत्कालीन कोटवार एवं पटवारी द्वारा फसल क्षति का समय सीमा में आकलन नही किया गया था। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने कोटवार को पद से पृथक करने एवं तत्कालीन पटवारी को निलंबित करने के निर्देश दिये है।

किरनापुर तहसील के अंतर्गत ग्राम पारडी की ठगनबाई सहारे ने उसके हिस ?से की जमीन पर सागनबाई द्वारा अतिक्रमण किये जाने की शिकायत की थी। यह शिकायत 500 से अधिक दिनों से लंबित थी। 17 दिसम्बर को संबंधित क्षेत्र के पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक को समक्ष में बुलाकर कलेक्टर श्री मीना ने इस शिकायत की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने किरनापुर तहसीलदार को ठगनबाई सहारे के सीमांकन एवं बटांकन का आदेश पारित कर मौके से अतिक्रमण हटाकर ठगनबाई को उसके हिस्से का कब्जा दिलाने के निर्देश दिए। इस प्रकरण में सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर समय पर सही निराकरण दर्ज नही किये जाने के कारण तत्कालीन एसडीएम, तहसीलदार एवं पटवारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए है।

55हजार रुपये की 57 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कटंगी पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चिरचिरा में एक व्यक्ति को 55 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति राजेंद्र पिता कांतिलाल ठाकरे 32 वर्ष ग्राम चिरचिरा थाना कटंगी निवासी है। जिसे न्यायालय में पेश कर दिया गया है। जबकि गई 57 लीटर कच्ची शराब की कीमत 55 हजार रुपए बताई गई है। कटंगी पुलिस के मुताबिक 16 दिसंबर को थाने में सूचना मिली थी कि आरोपी राजेंद्र ठाकरे ग्राम चिरचिरा निवासी अवैध रूप से हाथ भट्टी की कच्ची शराब का धंधा करता है और वह अपने ग्राम समीप फॉरेस्ट क्षेत्र के मुंडारा सीमेंट पत्थर के पास नाले के किनारे एक ट्यूब ब्लाडर में भारी मात्रा में अवैध शराब रखकर बिक्री करने की उद्देश्य से खड़ा है मुखबिर की इस सूचना पर एसडीओपी कटंगी विवेक कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में कटंगी थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुशराम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम चिरचिरा समीप फॉरेस्ट क्षेत्र के मुंडारा सीमेंट पत्थर के पास नाला में घेराबंदी कर राजेंद्र ठाकरे को पकड़े जिसके पास एक ट्यूब ब्लाडर भरा पाया गया। जिसे चेक करने पर टियूब ब्लाडर में 57 लीटर हाथ भट्टी निर्मित कच्ची महुआ शराब पाई गई। राजेंद्र ठाकरे इस हाथ भट्टी की कच्ची शराब को अवैध रूप से अपने पास रखा हुआ था। जिसके विरुद्ध धारा 34(2)आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे इस अपराध में गिरफ्तार किया गया और न्यायालय में पेश किया गया। जप्त की गई 57 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब की कीमत 55हजार रुपये बताई गई है।

समय पर टैक्स जमा करने पर ही 50 प्रतिशत छूट का प्रावधान

दोगुनी वसूली की अफवाह भ्रामक - सीएमओ

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। नगर पालिका परिषद बालाघाट के मुख्य नगरपालिका अधिकारी कतरोलिया ने स्पष्ट किया है कि मध्य प्रदेश राजपत्र दिनांक 03 अप्रैल 2021 के प्रावधानों के अनुसार नागरिकों को वित्तीय वर्ष के भीतर नगर पालिका के कर (टैक्स) जमा करने पर 50 प्रतिशत तक की छूट दिए जाने का प्रावधान है। यह छूट उन सभी नागरिकों को प्रदान की जाती है जो वित्तीय वर्ष की अवधि में निर्धारित कर का भुगतान करते हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात अर्थात 31 मार्च के बाद टैक्स जमा करने पर उक्त छूट की पात्रता नहीं रहती है। ऐसे में यह कहना कि समय पर टैक्स जमा नहीं करने पर दोगुनी वसूली की जाएगी, पूरी तरह भ्रामक एवं निराधार है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और नियमानुसार समय-सीमा के भीतर नगर पालिका के करों का भुगतान कर छूट का लाभ उठाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि नगर पालिका द्वारा कर संबंधी समस्त जानकारियां विधिसम्मत प्रावधानों के तहत ही लागू की जाती हैं।

30 हजार रुपए की एकत्र कर विद्यालय के बैगा बच्चों को दी गई हाउस ड्रेस।।

मछुरदा विद्यालय के प्राचार्य एवं स्टॉफ की सराहनीय पहल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। शासकीय हाई स्कूल मछुरदा बिरसा में 17 दिसम्बर को विद्यार्थियों के कल्याण एवं शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल की गई। विद्यालय के प्राचार्य श्री एचके राणा की पहल एवं मार्गदर्शन में विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं स्टॉफ द्वारा स्वयं की ओर से 30 हजार रुपए की राशि एकत्र कर विद्यालय के बच्चों के लिए हाउस ड्रेस वितरित की गई है। इसमें श्री एआर हिरवाने, बालक छात्रावास मछुरदा के अधीक्षक भैयालाल सादेश्वर, निर्मला मरकाम का विशेष योगदान रहा है। हाउस ड्रेस पाने वाले विद्यार्थियों में 90 प्रतिशत से अधिक विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा से है। हाउस ड्रेस पाकर इस जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र के बच्चों के चेहरे पर मुस्कान आ गई है।

इस अवसर पर प्राचार्य श्री राणा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन एवं समानता का प्रतीक भी है। उन्होंने बताया कि जिन विद्यार्थियों को हाउस ड्रेस वितरीत की गई है, उसमें 90 प्रतिशत से अधिक बच्चें विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा के है। हाउस ड्रेस से विद्यार्थियों में एकरूपता की भावना विकसित होती है, जिससे भेदभाव समाप्त होता है तथा सभी विद्यार्थी स्वयं को समान रूप से विद्यालय परिवार का हिस्सा महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि हाउस प्रणाली के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सहयोग की भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का विकास होता है। विद्यालय परिवार का निरंतर प्रयास है कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।

प्राचार्य श्री राणा ने बताया कि विद्यालय के बच्चों के बीच शैक्षणिक एवं अन्य कार्यों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने के लिए प्रायवेट स्कूल की तर्ज पर मछुरदा विद्यालय में बच्चों के दो अलग-अलग हाउस बनाये गए है। इन्ही बच्चों को हाउस ड्रेस वितरित की गई है। यह बच्चें सप्ताह में 02 दिन हाउस ड्रेस पहनकर विद्यालय आएंगे। हाउस ड्रेस के लिए शासन से कोई राशि नही मिलती है, लेकिन विद्यालय के स्टॉफ ने स्व-प्रेरणा से बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए अपनी ओर से सहयोग राशि एकत्र कर लगभग 30 हजार रुपए की हाउस ड्रेस क्रय कर बच्चों को प्रदान की है। विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने संकल्प लिया है कि इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत लाया जाएगा।

ड्रेस वितरण कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। नि:शुल्क हाउस ड्रेस पाकर विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी एवं उत्साह साफ झलक रहा था। इस पहल की अभिभावकों एवं ग्रामवासियों द्वारा प्रशंसा की गई। उन्होंने विद्यालय प्राचार्य एवं स्टाफ के इस प्रयास को विद्यार्थियों के हित में अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार द्वारा यह संकल्प लिया गया कि भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं कल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

कन्या स्कूल परसवाड़ा के उच्च श्रेणी शिक्षक सुनील मेश्राम निलंबित

सोशल मीडिया पर राजनीतिक टिप्पणी करना शिक्षक को भारी पड़ा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय परसवाड़ा में पदस्थ उच्च श्रेणी शिक्षक सुनील मेश्राम को सोशल मीडिया पर भारत सरकार एवं राज्य शासन की आलोचना करते हुए किसी विशेष राजनीतिक दल के पक्ष में सार्वजनिक रूप से राय व्यक्त करने के मामले में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय सहायक परियोजना प्रशासक, एकीकृत जनजातीय कार्य परियोजना, बैहर निर्धारित किया गया है।

उच्च श्रेणी शिक्षक श्री मेश्राम द्वारा अपने फेसबुक अकाउंट के माध्यम से शासन एवं सरकार के विरुद्ध टिप्पणी किए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए दिनांक 04 दिसंबर 2025 को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। श्री मेश्राम द्वारा 08 दिसंबर 2025 को प्रस्तुत स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं पाया गया है। शिक्षक सुनील मेश्राम के इस कृत्य से शासन की छवि धूमिल हुई है तथा शिक्षक जैसे जिम्मेदार एवं गरिमामय पद पर रहते हुए इस प्रकार का आचरण अनुचित है। जिसके फलस्वरूप मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत उच्च श्रेणी शिक्षक सुनील मेश्राम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय कार्यालय सहायक परियोजना प्रशासक, एकीकृत जनजातीय कार्य परियोजना, बैहर निर्धारित किया गया है।

19 दिसम्बर को पीएनडीटी सलाहकार समिति की बैठक

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। आगामी 19 दिसम्बर को गर्भस्थ शिशु की लिंग जांच रोकने के लिए बनाये गए प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम पीएनडीटी के अंतर्गत जिला सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। यह बैठक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय बालाघाट में दोपहर 01 बजे से प्रारंभ होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप द्वारा समिति के सभी सदस्यों को बैठक में उपस्थित रहने के लिए कहा गया है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिलेभर में व्यापक जागरूकता शिविर आयोजित

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के निर्देशन तथा वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी के मार्गदर्शन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

इसी कड़ी में 17 दिसम्बर को सरस्वती शिशु मंदिर बालाघाट, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिंगा, नवीन बोर्ड हायर सेकण्डरी स्कूल बालाघाट, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिगमारा, डोंगरमाली, अंसेरा, बकेरा (विकासखण्ड वारासिवनी), शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला लातरी, शासकीय आदिवासी सीनियर कन्या आश्रम बिठली, शासकीय आदिवासी महाविद्यालयीन बालक छात्रावास विकासखण्ड बैहर तथा शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास उकवा (विकासखण्ड परसवाड़ा) में जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ, उपस्थित रहे।

कार्यशाला के दौरान बाल विवाह के प्रचलन के लिए जिम्मेदार प्रमुख कारकों जैसे सामाजिक रूढ़ियाँ, परंपरागत सोच, गरीबी, अशिक्षा, लैंगिक असमानता, दहेज प्रथा, सामाजिक दबाव एवं कानून की जानकारी के अभाव पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक बुराई होने के साथ-साथ दंडनीय अपराध भी है, जो बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास में बाधक बनता है। बाल विवाह में सहयोग या सम्मिलित होने पर 2 वर्ष तक का कारावास एवं एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। सत्रों में बाल विवाह के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इससे शिक्षा में बाधा, किशोरावस्था में गर्भधारण से स्वास्थ्य जोखिम, घरेलू हिंसा व शोषण की आशंका तथा गरीबी का दुष्चक्र बढ़ता है। वहीं, बाल विवाह समाप्त होने से बच्चों की शिक्षा में निरंतरता, बेहतर स्वास्थ्य एवं सुरक्षित मातृत्व, आत्मनिर्भर और सशक्त युवा पीढ़ी का निर्माण, सामाजिक समानता तथा समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित हो सकता है। बाल विवाह से संबंधित किसी भी जानकारी या शंका की स्थिति में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस 112 अथवा महिला एवं बाल विकास विभाग को सूचना देने का आग्रह किया गया, जिसमें सूचना देने वाले की पहचान पूर्णत: गोपनीय रखी जाती है।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बाल विवाह न करने एवं न होने देने की शपथ दिलाई गई तथा युवाओं से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में वन स्टॉप सेंटर बालाघाट की केस वर्कर श्रीमती यनिता रहांगडाले, श्रीमती गायत्री स्वामी, श्रीमती संध्या चौधरी एवं श्रीमती प्रीति हरिनखेड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिलेभर में व्यापक जागरूकता शिविर आयोजित

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के निर्देशन तथा वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी के मार्गदर्शन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

इसी कड़ी में 17 दिसम्बर को सरस्वती शिशु मंदिर बालाघाट, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिंगा, नवीन बोर्ड हायर सेकण्डरी स्कूल बालाघाट, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिगमारा, डोंगरमाली, अंसेरा, बकेरा (विकासखण्ड वारासिवनी), शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला लातरी, शासकीय आदिवासी सीनियर कन्या आश्रम बिठली, शासकीय आदिवासी महाविद्यालयीन बालक छात्रावास विकासखण्ड बैहर तथा शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास उकवा (विकासखण्ड परसवाड़ा) में जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ, उपस्थित रहे।

कार्यशाला के दौरान बाल विवाह के प्रचलन के लिए जिम्मेदार प्रमुख कारकों जैसे सामाजिक रूढ़ियाँ, परंपरागत सोच, गरीबी, अशिक्षा, लैंगिक असमानता, दहेज प्रथा, सामाजिक दबाव एवं कानून की जानकारी के अभाव पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक बुराई होने के साथ-साथ दंडनीय अपराध भी है, जो बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास में बाधक बनता है। बाल विवाह में सहयोग या सम्मिलित होने पर 2 वर्ष तक का कारावास एवं एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

सत्रों में बाल विवाह के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इससे शिक्षा में बाधा, किशोरावस्था में गर्भधारण से स्वास्थ्य जोखिम, घरेलू हिंसा व शोषण की आशंका तथा गरीबी का दुष्चक्र बढ़ता है। वहीं, बाल विवाह समाप्त होने से बच्चों की शिक्षा में निरंतरता, बेहतर स्वास्थ्य एवं सुरक्षित मातृत्व, आत्मनिर्भर और सशक्त युवा पीढ़ी का निर्माण, सामाजिक समानता तथा समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित हो सकता है। बाल विवाह से संबंधित किसी भी जानकारी या शंका की स्थिति में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस 112 अथवा महिला एवं बाल विकास विभाग को सूचना देने का आग्रह किया गया, जिसमें सूचना देने वाले की पहचान पूर्णत: गोपनीय रखी जाती है।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बाल विवाह न करने एवं न होने देने की शपथ दिलाई गई तथा युवाओं से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में वन स्टॉप सेंटर बालाघाट की केस वर्कर श्रीमती यनिता रहांगडाले, श्रीमती गायत्री स्वामी, श्रीमती संध्या चौधरी एवं श्रीमती प्रीति हरिनखेड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्थाई शिक्षा समिति की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जनपद पंचायत बिरसा के सभागार में 17 दिसम्बर को जनपद पंचायत बिरसा उपाध्यक्ष और शिक्षा समिति के सभापति हेमंत साहू की अध्यक्षता में स्थाई शिक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से त्रैमासिक और अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणामों, आगामी वार्षिक परीक्षा की तैयारी और निदानात्मक कक्षाओं की विषयवार समीक्षा, बोर्ड परीक्षाओं की विषयवार समीक्षा, सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम की स्थिति, अतिथि शिक्षकों को समय में वेतन भुगतान, नि:शुल्क साइकिल वितरण की जानकारी, जर्जर भवनों की जानकारी, स्कूलों की सफाई पुताई की जानकारी और विभिन्न बिंदुओं को लेकर सर्व संकुल प्राचार्यो के साथ समीक्षा की गई।

बैठक में कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष तैयारी, मॉडल प्रश्नपत्रों के माध्यम से अभ्यास एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष हेमंत साहू ने कहा कि परीक्षा केवल मूल्यांकन का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की सीख को सुदृढ़ करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि वार्षिक परीक्षा विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी होती है, इसलिए इसकी तैयारियों में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में शिक्षा समिति सदस्य और सहकारिता सभापति गायत्री अमर मराठे, विकासखंड अधिकारी बिरसा के.के.पारधी, प्राचार्य निक्कुम एन.के.वैध, जी.पी.कटरे, कुलदीप कटरे, सौरभ शर्मा, कुमुद धुवारे, हेमंत राणा, केदारसिंह छेदाम सहित सर्व संकुल प्राचार्य हायर सेकेंडरी और हाईस्कूल की उपस्थिति रही।

ठंड से बचाव हेतु स्कूल के बच्चों को स्वेटर का किया वितरण

पद्मेश न्यूज ।किरनापुर। वर्तमान समय में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए ग्राम किरनापुर निवासी नन्दकिशोर शर्मा, अरूण शर्मा, पियूष शर्मा एवं उनके परिवार द्वारा ईपीईएस माध्यमिक शाला बेसिक स्कूल किरनापुर मे अध्ययनरत गरीब परिवार के बच्चों को ठंड से राहत मिलने के उद्देश्य से स्वेटर का वितरण किया गया। शर्मा परिवार द्वारा किए गए इस तरह के सेवाभावी कार्य के लिए उनकी सर्वत्र प्रशंसा एवं सराहना की जा रही हैं। तथा विद्यालय परिवार के शिक्षक शिक्षिकाओ ने शर्मा परिवार का आभार व्यक्त किया है।

न्यूज गैलरी

स्कूली बच्चों के सुरक्षित परिवहन को लेकर सख्त निर्देश जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं शासन द्वारा जारी निर्देशों के पालन में स्कूली बच्चों के परिवहन के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा द्वारा जिले की समस्त शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थाओं को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

पुलिस विभाग द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार पुलिस मुख्यालय द्वारा स्कूल बसों एवं अन्य परिवहन साधनों के लिए आवश्यक सुरक्षा नियम निर्धारित किए गए हैं, जिनका अनिवार्य रूप से पालन किया जाना आवश्यक है। निर्देशों के अनुसार सभी स्कूल बसें पीले रंग की होंगी तथा बस के आगे और पीछे स्पष्ट रूप से स्कूल बस अंकित होना चाहिए। अनुबंधित बसों पर ऑन स्कूल ड्यूटी लिखा होना अनिवार्य होगा। बसों में फर्स्ट एड बॉक्स, स्पीड गवर्नर, अग्निशमन यंत्र, खिड़कियों पर जाली तथा स्कूल का नाम और दूरभाष क्रमांक अंकित होना चाहिए।

इसके साथ ही बसों के दरवाजों के लॉक सिस्टम की स्थिति दुरुस्त होनी चाहिए तथा बस में चालक के अतिरिक्त महिला सहायक एवं प्रशिक्षित परिचालक की उपलब्धता अनिवार्य की गई है। बस चालक के पास कम से कम पाँच वर्ष पुराना भारी यात्री वाहन चलाने का वैध लाइसेंस होना चाहिए। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्कूल बसों एवं अन्य वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को नहीं बैठाया जाएगा। वाहनों में जीपीएस सिस्टम एवं सीसीटीवी कैमरे चालू अवस्था में होना आवश्यक होगा। साथ ही वाहन का कर, बीमा, फिटनेस, परमिट एवं चालक का ड्राइविंग लाइसेंस वैध होना अनिवार्य किया गया है।

दो पहिया वाहन से स्कूल आने वाले विद्यार्थियों के संबंध में भी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अठारह वर्ष से कम आयु के छात्र-छात्राओं को दो पहिया वाहन लेकर स्कूल आने की अनुमति नहीं होगी। बालिग विद्यार्थी एवं कार्यरत स्टाफ द्वारा दो पहिया वाहन का उपयोग किए जाने पर हेलमेट एवं वैध ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य रहेगा। पुलिस अधीक्षक बालाघाट ने जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों को निर्देशित किया है कि वे इन सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराएं, जिससे स्कूली बच्चों का सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित किया जा सके।

फूंकना था मंत्री विजयशाह का पुतला, साथ में फूंक दिया कैलाश विजयवर्गीय की तस्वीर!!

लाडली बहनों पर टिप्पणी के विरोध में महिला कांग्रेस का आक्रोश प्रदर्शन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा लाडली बहना योजना को लेकर दिए गए बयान के विरोध में महिला कांग्रेस बालाघाट ने कड़ा आक्रोश जताया। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर में मंत्री विजय शाह का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। महिला कांग्रेस का कहना है कि मंत्री विजय शाह द्वारा यह टिप्पणी की गई थी कि यदि लाडली बहनें मुख्यमंत्री मोहन यादव का सम्मान नहीं करेंगी तो उनकी किस्त नहीं बढ़ाई जाएगी, साथ ही उनकी जांच पेंडिंग कर पात्रता से बाहर किया जा सकता है। इस बयान को महिला कांग्रेस ने महिलाओं का अपमान और योजना को राजनीतिक दबाव का माध्यम बनाने वाला बताया। उन्होंने मंत्री विजय शाह के बयान की कड़ी निंदा करते हुए तत्काल माफी की मांग की। महिला कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि इस तरह के बयान और महिलाओं के अधिकारों के साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मंत्री विजय शाह द्वारा लाडली बहनों को लेकर दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान के विरोध में महिला कांग्रेस बालाघाट ने 17 दिसंबर को प्रदर्शन किया। कांग्रेस की प्रदेश सचिव एवं महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष लक्ष्मी वाघाडे के नेतृत्व में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंत्री विजय शाह का पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। इस अवसर पर लक्ष्मी वाघाडे ने आरोप लगाते हुए कहा कि मंत्री विजय शाह ने बीते दिनों लाडली बहनों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सम्मान नहीं करेंगी तो लाडली बहना योजना की किस्त की राशि नहीं बढ़ाई जाएगी, साथ ही महिलाओं की पात्रता की जांच कर राशि को पेंडिंग किए जाने की बात भी कही गई। महिला कांग्रेस ने इसे महिलाओं को धमकाने और उनके अधिकारों के साथ खिलवाड़ करने वाला बयान बताया। इसी मुद्दे को लेकर 17 दिसंबर को महिला कांग्रेस द्वारा स्थानीय कांग्रेस कार्यालय से मंत्री विजय शाह का पुतला लेकर जुलूस निकाला गया, जो हनुमान चौक पहुंचा। यहां कार्यकर्ताओं ने मंत्री विजय शाह का पुतला दहन किया। पुतले के आधे जलने के बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों एवं संबंधित कर्मचारियों ने हस्तक्षेप कर पुतले को बुझा दिया। प्रदर्शन के दौरान जिला अध्यक्ष लक्ष्मी वाघाडे ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा सरकार के मंत्री महिलाओं का अपमान नहीं कर सकते। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस प्रकार की टिप्पणियां की जाती रहीं तो महिला बहनें सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगी और इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा।

पुतला दहन में हुई बड़ी चूक

मंत्री विजय शाह के खिलाफ महिला कांग्रेस द्वारा किए गए पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान एक बड़ी चूक सामने आई। पुतला दहन के समय एक कार्यकर्ता ने मंत्री विजय शाह की फोटो के स्थान पर भाजपा नेता एवं मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की फोटो लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गया । इसी फोटो को पुतले के साथ फाड़कर जला दिया गया। कार्यक्रम के दौरान यह चूक कुछ देर तक किसी के संज्ञान में नहीं आई, लेकिन जैसे ही मीडिया ने इस पर ध्यान दिलाया, महिला कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया। बाद में स्थिति को संभालने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक यह मामला चर्चा का विषय बन चुका था।

छात्रावासों में कमियां पाये जाने पर दो अधीक्षक निलंबित, 4 को कारण बताओ नोटिस

कलेक्टर ने बैगा जनजाति के लिए आहार अनुदान प्रकरणों का एक सप्ताह में निराकरण करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 17 दिसंबर कों जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक आयुक्त जनजातीय विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम परख एप से छात्रावासों एवं आवासीय शिक्षण संस्थाओं के निरीक्षण की जानकारी ली गई। इसके साथ ही शिक्षकों की ई-अटेंडेंस की प्रगति एवं विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि परख एप से छात्रावासों के निरीक्षण में कमियां पाये जाने पर दो अधीक्षकों को निलंबित किया गया है और 04 अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं। कलेक्टर श्री मीना ने छात्रवृत्ति का शीघ्र वितरण करने के निर्देश दिए और कहा कि कक्षा 09 से कालेज स्तर के विद्यार्थियों के ओटीआर शीघ्रता से शत प्रतिशत करायें।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना नें छात्रावास भवनों के निर्माण के लिए भूमि के उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कहा कि छात्रावास का निर्माण ऐसे स्थान पर किया जाए जिससे छात्र छात्राओं को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। आमगाँव, परसवाडा व मलाजखंड में सांदीपनि विद्यालय के निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि इन विद्यालयों में शीघ्र कक्षाए संचालित की जाए ताकि विद्यार्थियों की शिक्षा में किसी भी प्रकार की रूकावट ना आने पाए। बिरसा, परसवाडा व बालाघाट में कन्या शिक्षा परिसर में विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं की समीक्षा के दौरान सम्बंधित प्रधानाध्यापको को निर्देशित किया गया कि परिसर में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दे। बैठक में सिविल सेवा प्रोत्सासहन योजना, अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत राहत राशि वितरण, आदिवासी वित्त विकास निगम की स्वरोजगार योजना, अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई।

BALAGHAT'S MOST TRUSTED
FIBER TO HOME NETWORK
PADMESH X FIBERNET
FREE INSTALLATION !
we offer free installation with new connection.

for new connection inquiries
GIVE A MISSED CALL NOW 08045777666

पार्ट टाइम जॉब
हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है
हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में सांय 6 से 11 बजे तक कार्य हेतु हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है।
पार्ट टाइम जॉब को प्राथमिकता देने वाले तत्काल संपर्क करें।
वेतन-योग्यतानुसार
सम्पर्क- कार्यालय दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस
काली पुतली चौक, बालाघाट (मप्र)मो.9425138710
ईमेल :-balaghate&press@gmail.com

BULDANA URBAN CHARITABLE SOCIETY'S
Rajaram Kakani Sahakar Vidya Mandir & Junior College, Dharmabad
CBSE Affiliation No.-1131396 UNIQUE LEARNING EXPERIENCE WITH A DIFFERENCE LATE RAJARAMJI KAKANI
INVITES PASSIONATE AND DEDICATED EDUCATORS TO JOIN OUR GROWING CBSE SCHOOL TEAM
Hotel Mallikarjun International, Balaghat. (Madhya Pradesh)
Dates : 20 & 21 December 2025
WE ARE HIRING!
Why Join Us?
- Attractive monthly payout
- Fully furnished in-campus accommodation
- Exposure to national-level training programmes
- A supportive and growth-oriented work environment
If you believe in quality education and aspire to grow as an educator, this is your opportunity!
Come. Connect. Build your teaching career with us.
Interested candidates are requested to fill in the Google Form to register themselves for the recruitment drive.
https://forms.gle/foJceHjs9ZL8qxe98
For any queries, call us at 9822016380 or 9545971534

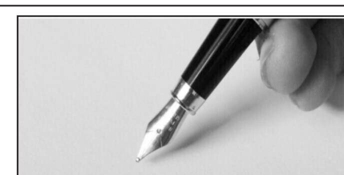

बालाघाट एक्सप्रेस
हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर
संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!
हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!
हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।
आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]
स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट